THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

भुज सेक्टर में 22 पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा, 79 नावों को किया जब्त

अहमदाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने साल 2022 में 22 पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा। बीएसएफ ने गुजरात के भुज सेक्टर में क्रीक और हरामी नाला के सबसे दुर्गम और कठिन इलाके में मछली पकड़ने वाली 79 नौकाओं को भी जब्त किया। बीएसएफ की ओर जारी बयान में बताया गया है, बीएसएफ गुजरात में स्थायी ठिकाने बनाकर सर क्रीक और हरामी नाला क्षेत्र में अपनी पकड़ को और मजबूत कर रहा है। बीएसएफ 7,419 किलोमीटर लंबी भारत पाकिस्तान सीमा की रखवाली करती है।

वर्ष-27 अंक : 290 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.12 2079 मंगलवार, 3 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भाजपा ने निर्णय का किया स्वागत

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने नोटबंदी पर सरकार के निर्णय 4/1 के बहुमत से सही ठहराया है। भाजपा ने सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे यह साबित हो गया है कि सरकार के पास नीतिगत निर्णय लेने का अधिकार है। इससे यह भी स्पष्ट हो गया है कि नोटबंदी के पीछे सरकार की मंशा व्यापक राष्ट्रीय हित की थी और इस पर उठाए जा रहे सवाल निराधार थे। सर्वोच्च न्यायालय ने अपना निर्णय इस मामले पर दायर की गई 58 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुनाया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि नोटबंदी एक सही निर्णय था। इसके लागू होने के बाद देश में डिजिटल लेनदेन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। इससे आतंकवाद और देशविरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिली है। नोटबंदी लागू होने के बाद 2.38 लाख फर्जी कंपनियां बंद हो गईं और लेनदेन में ज्यादा पारदर्शिता आई है। इसी का परिणाम हुआ है कि सरकार के टैक्स कलेक्शन में बढ़ोतरी हुई और सरकार के पास जनहित के ज्यादा काम करने की शक्ति आई। उन्होंने कहा कि इससे यह साबित हो गया है कि नोटबंदी पर उठाए जा रहे सवाल गलत मंशा से प्रेरित थे। उन्होंने राहुल गांधी सहित विपक्ष को सरकार के निर्णय का विरोध करने पर आड़े हाथों भी लिया। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी अपनी नकारात्मक टिप्पणियों के लिए देश से माफ़ी मांगेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने नोटबंदी को सही ठहराया

*** एक जज बोलीं ये ताकत का इस्तेमाल * जिस तरह इसे लागू किया * वो कानूनन सही नहीं**

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के नोटबंदी के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है। पांच जजों की संविधान पीठ ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। बेंच ने कहा कि 500 और 1000 के नोट बंद करने की प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। बेंच ने यह भी कहा कि आर्थिक फैसले को पलटा नहीं जा सकता। संविधान पीठ ने यह फैसला चार-एक के बहुमत से सुनाया।

पांच जजों की संविधान पीठ में जस्टिस एस अब्दुल नजीर, बीआर गवई, एएस बोपन्ना, वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना शामिल थे। इनमें से जस्टिस बीवी नागरत्ना ने बाकी चार जजों की राय से अलग फैसला लिखा। उन्होंने कहा कि नोटबंदी का फैसला गैरकानूनी था। इसे गजट नोटिफिकेशन की जगह कानून के जरिए लिया जाना था। हालांकि उन्होंने कहा कि इसका सरकार के पुराने फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

जस्टिस नागरत्ना बोलीं, नोटबंदी संसद के जरिए लागू करनी थी :

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा, नोटबंदी से पहले सरकार और आरबीआई के बीच बातचीत हुई थी। इससे यह माना जा सकता है कि नोटबंदी सरकार का मनमाना फैसला नहीं था। संविधान पीठ ने सरकार के फैसले को सही तो ठहराया, लेकिन बेंच में शामिल जस्टिस बीवी नागरत्ना ने इसके लिए अपनाई गई प्रोसेस को गलत ठहराया।

सरकार ने महज 4 घंटे में पुराने नोट अवैध किए :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर 2016 को देश के नाम संदेश में आधी रात से 500 और 1000 रुपये के पुराने नोट बंद करने का ऐलान किया था। यानी प्रधानमंत्री की घोषणा के 4 घंटे बाद ही ये पुराने नोट चलन से बाहर हो गए थे।

विरोध में दलील, कानून का गलत इस्तेमाल हुआ :

सरकार की तरफ से आनन-फानन में सुनाए गए इस फैसले के खिलाफ देश के अलग-अलग हाईकोर्ट्स में कुल 58 याचिकाएं दाखिल हुई थीं। इन याचिकाओं में कहा गया था कि सरकार ने आरबीआई कानून 1934 की धारा 26(2) का इस्तेमाल करने में गलती की है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी की सुनवाई एकसाथ करने का आदेश दिया।

सरकार को करेंसी रद्द करने का अधिकार नहीं :

याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 26(2) किसी विशेष मूल्यवर्ग के करेंसी नोटों को पूरी तरह से रद्द करने के लिए सरकार को अधिकृत नहीं करती है। यह केंद्र को एक खास सीरीज के करेंसी नोटों को रद्द करने का अधिकार देती है, न कि संपूर्ण करेंसी नोटों को।

सरकार खुद फैसला नहीं ले सकती, आरबीआई की सलाह जरूरी

मामले की सुनवाई के दौरान पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदम्बरम ने दलील दी थी कि केंद्र सरकार खुद ऐसा कोई फैसला नहीं ले सकती और ऐसा केवल आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिशों पर किया जा सकता है।

केंद्र का जवाब, आरबीआई की सलाह पर लिया फैसला :

इस मामले में केंद्र सरकार ने कहा था कि नोटबंदी का फैसला रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की सिफारिश पर ही लिया गया था।

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा था, नोटबंदी सरकार का बिना सोचा-समझा कदम नहीं था, बल्कि आर्थिक नीति का हिस्सा था। उन्होंने कहा था कि आरबीआई और केंद्र सरकार एक-दूसरे के साथ सलाह-मशविरा करते हुए काम करते हैं।

आरबीआई ने कहा, कानून के मुताबिक हुई नोटबंदी :

इधर, आरबीआई ने भी कोर्ट को बताया था कि सेंट्रल बोर्ड की मीटिंग के दौरान आरबीआई जनरल रेगुलेशंस, 1949 की कोरम से जुड़ी शर्तों का पालन किया गया था। इस मीटिंग आरबीआई गवर्नर के साथ-साथ दो डिप्टी गवर्नर और आरबीआई एक्ट के तहत नॉमिनेटेड पांच डायरेक्टर शामिल थे।

केंद्र का तर्क, काले धन से निपटना था मकसद :

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा था कि यह जाली करंसी, टेरर फंडिंग, काले धन और कर चोरी जैसी समस्याओं से निपटने की प्लानिंग का हिस्सा और असरदार तरीका था।

यह इकोनॉमिक पॉलिसीज में बदलाव से जुड़ी सीरीज का सबसे बड़ा कदम था।

बेहिसाब आमदनी का पता लगाने में मदद मिली :

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नोटबंदी से नकली नोटों में कमी, डिजिटल लेन-देन में बढ़ोत्तरी, बेहिसाब आय का पता लगाने जैसे कई लाभ हुए हैं। अकेले अक्टूबर 2022 में 730 करोड़ का डिजिटल ट्रांजैक्शन हुआ, यानी एक महीने 12 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन रिकॉर्ड किया गया है। जो 2016 में 1.09 लाख ट्रांजैक्शन, यानी करीब 6,952 करोड़ रुपये था। >14

सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखने वाले चिदंबरम बोले, फैसले का स्वागत पर...?

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने मोदी सरकार के 2016 में 500 और 1000 रुपये के नोटों को बंद करने के फैसले को सही करार दिया है। जस्टिस अब्दुल नजीर की अध्यक्षता वाली संवैधानिक बेंच ने 4:1 के बहुमत से नोटबंदी के पक्ष में फैसला सुनाया है। फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नोटबंदी से पहले केंद्र और आरबीआई ने आपस में सलाह मशविरा किया था। फैसले के बाद पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने इस पर अपना पक्ष रखा है।

हालांकि उच्चतम न्यायालय के इस फैसले को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने सरकार के लिए झटका करार दिया है। उन्होंने इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट में दलील रखी थी। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि माइनॉरिटीज जजमेंट में ही नोटबंदी के फैसले को गैरकानूनी और त्रुटियों से भरा बताया गया है। यह सरकार के लिए एक झटके की तरह है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। चिदंबरम ने नोटबंदी पर कोर्ट का फैसला आने के बाद अपना पक्ष रखा।

थरूर ने केरल की बेरोजगारी दर पर खड़े किए सवाल

तिरुवनंतपुरम, 2 जनवरी (एजेंसियां)। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को राज्य में बेरोजगारी दर को लेकर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, केरल के युवाओं में बेरोजगारी दर बहुत अधिक है और राज्य सरकार को युवाओं को बाहर जाने से रोकने के लिए नीतियों को अधिक आकर्षक बनाने की जरूरत है। पेरुन्ना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थरूर ने कहा, जून 2022 में केरल के युवाओं में बेरोजगारी 40 प्रतिशत थी। केरल के अलावा कोई भी राज्य युवाओं के बीच बेरोजगारी के इस तरह के आंकड़े नहीं दिखा रहा है। उन्होंने कहा, अन्य राज्यों में अशिक्षित या अकुशल लोगों के पास नौकरियों की कमी है, लेकिन केरल में हर कोई साक्षर है, शिक्षित है और 10वीं पास कर चुका है। इसके बावजूद उनमें से बहुतों के पास नौकरियां नहीं हैं। थरूर ने कहा, 3.5 लाख पेशेवर और 9,000 मेडिकल स्नातकों ने राज्य के रोजगार कार्यालय में पंजीकरण कराया है। उनमें से लगभग 71 प्रतिशत के पास आईटीआई प्रमाणपत्र हैं। थरूर ने कहा, केरल में इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को अधिक निवेश लाने की जरूरत है।

जम्मू में जहां 4 हिंदू मारे गए, वहीं आज धमाका

एक बच्ची की मौत, यहीं आतंकियों ने आधार कार्ड देख-देखकर हत्याएं की थीं

श्रीनगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू के राजौरी में डांगरी गांव में सोमवार सुबह आईईडी ब्लास्ट हुआ। एक बच्ची की मौत हो गई। 5 घायल हैं और इनमें से एक की हालत गंभीर है। धमाका उन 3 घरों में से एक में हुआ, जहां रविवार शाम आतंकवादियों ने फायरिंग की थी। इस आतंकी हमले में 4 हिंदुओं की जान चली गई और 7 घायल हैं।

एडीजीपी मुकेश सिंह ने कहा कि पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। एनआईए की टीम भी यहां जांच करेगी। एक आईईडी मिला था, उसे इलाके से हटा दिया गया है। सर्च ऑपरेशन चल रहा है। आशंका जाहिर की है कि रविवार शाम फायरिंग के बाद ही आतंकवादियों ने घर में आईईडी रख दिया होगा। डांगरी में हिंदुओं की हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा था। इसके खत्म होने के कुछ देर बाद ही एक घर में धमाका हुआ और अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद पुलिस ने पूरा इलाका सील कर दिया है। लोगों ने बताया कि रविवार शाम आतंकवादी आए और लोगों को घरों से बाहर निकाला। वे सभी का आधार कार्ड देख रहे थे। इसके बाद उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हमले में सतीश कुमार (45), प्रीतम लाल (56), शिवपाल (32) की मौत हो गई। चौथे मृतक का नाम अभी सामने नहीं आया है। श्रीनगर में रविवार शाम करीब 6 बजे हवाल चौक में आतंकियों ने सीआरपीएफ के बंकर पर ग्रेनेड से हमला किया। इस हमले में जवानों को तो कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन एक नागरिक समीर अहमत मल्ला घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल इसकी कोई तस्वीर सामने नहीं आई है।

पुलवामा में जवान से राइफल छीनी

रविवार सुबह पौने 12 बजे दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के राजपोरा इलाके में सीआरपीएफ के जवान से एके-47 राइफल छीन ली गई। रायफल छीनने वाला युवक 25 साल का इरफान बशीर गनी है। शाम तक राइफल छीनने वाले युवक को उसके परिवार के लोग लेकर थाने पहुंचे और हथियार वापस की। इससे पहले आतंकियों ने 183 बटालियन के एक जवान से एके-47 राइफल छीनी थी।

पाक हिंदुओं के लिए 'तारणहार' बने पीएम मोदी

इस्लामाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पहली बार पाकिस्तानी हिंदू अपने मृत परिजनों की अस्थियों को भारत में गंगा नदी में विसर्जित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से स्पॉन्सरशिप पॉलिसी में संशोधन के बाद 426 पाकिस्तानी हिंदुओं की अस्थियां हरिद्वार में गंगा नदी में विसर्जित की जा सकती हैं। इन लोगों का अंतिम संस्कार पाकिस्तान में हुआ था। ये अस्थियां फिलहाल कराची में हिंदू मंदिरों और श्मशान में रखी हुई हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, अगर किसी मृतक की अस्थियां गंगा हरिद्वार में प्रवाहित की जाती हैं, तो उनकी आत्मा स्वर्ग में पहुंच जाती है और पुनर्जन्म के चक्र से बच जाती है।

मोदी सरकार भारत से किसी स्पॉन्सर के बिना पाकिस्तानी हिंदू तीर्थयात्रियों को प्रवेश की अनुमति नहीं देती है। दिल्ली ने संकेत दिया है कि मृत हिंदू के परिवार के सदस्यों को उनकी अस्थियां विसर्जित करने के लिए भारत का 10 दिनों का वीजा दिया जाएगा। साल 2011 और 2016 के बीच 295 हिंदुओं की अस्थियां भारत-पाकिस्तान के बीच वाघा बॉर्डर पर भेजी गई थीं। >14

कोविड गाइड लाइन तैयार करने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीयों की विदेश यात्रा के दौरान सुरक्षा के संबंध में गाइड लाइन तैयार करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका सुनवाई की मांग की गई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई करने से इनकार करते हुए इसे खारिज कर दिया। सुनवाई करते हुए सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि क्या हम विदेश मंत्रालय से यह कह सकते हैं कि विदेश जाने वाले किसी भारतीय को गिरफ्तार नहीं किया जाए? उन्होंने कहा कि रोजाना हजारों लोग विदेश जाते हैं, हम विदेश मंत्रालय को ऐसा दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए नहीं कह सकते। सीजेआई ने यह भी कहा कि यदि कोई नागरिक दूसरे देश में जाता है तो वह वहां के कानून यानी लॉ ऑफ द लैंड द्वारा शासित व संचालित होता है। ऐसे में वहां के लिए यहां से कोई भी दिशा-निर्देश तैयार का निर्देश विदेश मंत्रालय को कैसे दिया जा सकता है?

कनाडा का पंजाबियों को झटका

पीएम ट्रूडो ने प्रॉपर्टी खरीदने पर लगाया बैन, अब नहीं खरीद सकेंगे घर

अमृतसर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल पर कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार ने पंजाबियों को बड़ा झटका दिया है। भारतीयों के साथ-साथ कनाडा में गया कोई भी विदेशी अब वहां प्रॉपर्टी नहीं खरीद सकेगा। गौरतलब है कि कनाडा इससे पहले स्टडी व पीआर वीजा एप्लाई करने वालों को भी झटका दे चुकी है और बीते साल बड़ी संख्या में वीजा रिजेक्ट किए गए थे।

दरअसल, आवास की कमी का सामना कर रहे कनाडा ने रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी खरीदने वाले विदेशियों पर प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध इस साल की शुरूआत के साथ ही शुरू हो गया। कनाडा सरकार ने इस नियम को लागू करने के साथ यह भी स्पष्ट किया है कि ये प्रतिबंध सिर्फ शहर के आवासों पर ही लागू होगा। ग्रीष्मकालीन कॉटेज जैसी प्रॉपर्टी पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

2021 में चुनावों के दौरान रखा था प्रस्ताव :

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2021 में चुनाव अभियान के दौरान ही लोगों की सुविधा के लिए प्रॉपर्टी को लेकर यह प्रस्ताव रखा था। कनाडा में बढ़ती कीमतों की वजह से कई लोग घर नहीं खरीद पा रहे। स्थानीय लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए यह फैसला लिया गया है।

कनाडा में घर खरीदने वालों की बड़ी मांग :

कनाडा में घर खरीदने वालों की मांग बीते कुछ समय से काफी अधिक बढ़ी है। लोग कनाडा में प्रॉफिट प्रॉपर्टी खरीदने व बेचने में लगे हैं। सरकार ने साफ किया है कि घर लोगों के लिए हैं, निवेशकों के लिए नहीं। सरकार ने गैर-कनाडाई अधिनियम के तहत रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी को खरीदने पर बैन लागू किया है।

रूसी नागरिकों की मौत का मामला एनएचआरसी ने पुलिस को भेजा नोटिस

चार हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा

भुवनेश्वर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दो रूसी नागरिकों की मौत के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सोमवार को रायगढ़ के एसपी को नोटिस जारी कर चार हफ्ते के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) सौंपने को कहा है।

बेहरामपुर शहर के मानवाधिकार कार्यकर्ता रवींद्र कुमार मिश्रा द्वारा दायर पर एनएचआरसी ने यह आदेश दिया है। मानवाधिकार निकाय ने कहा कि पत्र प्राप्त करने की तारीख से चार सप्ताह के भीतर एटीआर जमा किया जाना चाहिए। आदेश शुक्रवार को जारी किया गया था। मिश्रा ने बताया कि उन्होंने आयोग से विदेशी नागरिकों से जुड़े मुद्दे की संवेदनशीलता को देखते हुए मामले को देखने का अनुरोध किया है। रूस के सांसद पावेल एंटोव (65 वर्षीय) की 24 दिसंबर को रायगडाके एक होटल की तीसरी मंजिल से कथित तौर पर गिरने से मौत हो गई। जबकि उनके दोस्त व्लादिमीर बिडेनोव (61 वर्षीय) 22 दिसंबर को अपने कमरे में मृत पाए गए थे। रायगडाके सदर थाने में अस्वभाविक मौत के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। मौत की जांच में सीआईडी की मदद के लिए दो फोरेंसिक एक्सपर्ट्स समेत सीबी टीम का गठन किया गया था। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, जांच एजेंसी ने रायगडाके पास एक श्मशान घाट से एंटोव और बिडेनोव के जले हुए अवशेष भी एकत्र किए हैं। इसमें कहा गया है कि जले हुए अवशेषों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को लेकर पुलिस ने क्या कहा : पुलिस ने कहा, रूसी सांसद की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि गिरने के बाद आंतरिक चोट लगने से उनकी मौत हुई, जबकि बिडेनोव की मौत का कारण दिल का दौरा था। दोनों मृतकों का अंतिम संस्कार उनके परिवार के सदस्यों और रूसी दूतावास की सहमति से संपन्न हुआ। टीम ने उन होटल के कमरों की भी जांच की जहांव मृत विदेशी पर्यटक 21 दिसंबर से ठहरे हुए थे।

इसने उनके गैजेट्स और अन्य सामान को भी जब्त किया है। सीबी की टीम ने एंटोव और बिडेनोव के साथ आए रूसी जोड़े तुरोव मिखाइल और पेन सेनको नतालिया के भी बयान दर्ज किए हैं। ओडिशा पुलिस ने रूसी दंपति से तुरंत भारत न छोड़ने का आग्रह किया है, क्योंकि जांच चल रही है। इस बीच, ओडिशा के डीजीपी एसके बंसल ने कहा, सर्वश्रेष्ठ जांचकर्ता जांच में लगे हुए हैं, हालांकि अभी तक किसी भी साजिश का कोई सबूत नहीं मिला है।

एलओसी पर 13 हजार शेलिंग प्रूफ बंकर तैयार

श्रीनगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर करीब 2 साल से सीजफायर जारी है। प्रशासन ने इस वक्त का इस्तेमाल नागरिकों की सुरक्षा पुख्ता करने के लिए किया है। इसके तहत पुंछ जिले में एलओसी के नजदीक इलाकों में 13 हजार से अधिक शेलिंग प्रूफ बंकरों का निर्माण किया गया है। इन बंकरों को पाकिस्तानी गोलाबारी के दौरान इस्तेमाल किया जा सकेगा। पहले पाकिस्तानी सेना की तरफ से लगातार गोलाबारी के कारण इन बंकरों का निर्माण धीरे-धीरे चल रहा था, लेकिन सीजफायर के बाद तेज कर दिया गया है।

पुंछ सबसे अधिक गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। एक अधिकारी ने कहा कि एलओसी के पास के इलाकों में 15 हजार बंकर बनाने की मंजूरी दी गई है। अधिकांश बंकरों का निर्माण कर लिया गया है। शेष बंकरों को जल्द ही बना दिया जाएगा। >14

पहाड़ी इलाकों में पारा माइनस से नीचे

उत्तर भारत में घना कोहरा, यूपी-राजस्थान समेत 4 राज्यों के स्कूलों में छुट्टी

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जनवरी की शुरूआत के साथ ही ठंड ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। पहाड़ी इलाकों में पारा माइनस से नीचे चला गया है। श्रीनगर में पारा -5.4 डिग्री तक नीचे चला गया। दिल्ली में ठंड का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

पूरे उत्तर भारत में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। इसके चलते फ्लाइट्स और ट्रेनों पर असर पड़ा। उत्तर प्रदेश में अगले 5 दिन शीत लहर चलने का अलर्ट है। यूपी, बिहार, राजस्थान और पंजाब के स्कूलों में ठंड के चलते छुट्टियां कर दी गई हैं। उधर, घने कोहरे ने भी लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। कई ट्रेन और फ्लाइट कोहरे के कारण लेट हो रही हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं।

गुलमर्ग में -10 डिग्री पारा, बर्फबारी के बीच टूरिस्ट बढ़े :

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का लगातार जारी है। गुलमर्ग में रविवार रात माइनस 10 डिग्री, पहलगाम में -9.5, श्रीनगर में -5.4 और कुपवाड़ा में -5.7, जम्मू में 4.2 डिग्री टेम्परेचर दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 6 जनवरी तक जम्मू-कश्मीर में न्यूनतम तापमान में और गिरावट की आशंका है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में भी बर्फबारी जारी है। इस कारण मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। प्रदेश के डैनकुंड, कलातोप, अहला 6 इंच बर्फ से ढक गए हैं।

ज्यादातर इलाकों में सुबह कोहरा, 7.6 डिग्री पहुंचा पारा... आगे और गिरेगा :

दिल्ली में सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही ज्यादातर इलाके कोहरे की सफेद चादर में लिपटे नजर आए। एक दिन पहले न्यूनतम तापमान 5.5 दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में कड़ाके की सर्दी पड़ेगी।

भोपाल में घना कोहरा, ग्वालियर-चंबल सबसे सर्द :

मध्य प्रदेश में दिसंबर भले 10 साल में सबसे गर्म रहा, लेकिन नया साल कड़ाके की ठंड लेकर आया। आज सुबह भोपाल, ग्वालियर, चंबल में घना कोहरा है। मौसम विभाग के मुताबिक, 5-6 जनवरी को मावठा भी गिर सकता है। इसकी एंट्री जबलपुर से होगी। यह भोपाल के पास तक एक्टिव रह सकता है। इससे पारा 9 डिग्री तक गिर सकता है।

5 दिन बर्फीली हवाएं चलने का अलर्ट

यूपी में सोमवार को कई जिलों में कोहरे का असर दिखा। इससे आवाजाही करने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लखनऊ में न्यूनतम पारा 12 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने यूपी में 5 दिन बर्फीली हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। इसके बाद सोमवार को कई जिलों में 8वीं तक के स्कूलों की टाइमिंग भी सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक के लिए की गई। वाराणसी और सहारनपुर में 5 जनवरी तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

फतेहपुर का तापमान 1 डिग्री, ज्यादातर शहरों में पारा 10 डिग्री के नीचे :

राजस्थान में ठंड की स्थिति बनी हुई है, सोमवार को ज्यादातर शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। सीकर के फतेहपुर का तापमान 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, चूरू का न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीकानेर का न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री तक पहुंच गया। प्रदेश में कड़ाके की सर्दी को देखते हुए 5 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

कमल से राहुल बोले-चीन समस्या की वजह भारत के हालात

कहा-इकोनॉमी नाकाम, बेरोजगारी और अंदरूनी झगड़े हों तो विरोधी फायदा उठाता है

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी और कमल हासन ने एक-दूसरे के साथ 23 मिनट चर्चा की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मानते हैं कि चीन के साथ बॉर्डर समस्या की वजह भारत के भीतरी हालात हैं। राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए मक्कल निधि मय्यम के चीफ कमल हासन से बातचीत के दौरान यह बात कही। इस चर्चा का वीडियो दोनों ही नेताओं ने अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है। राहुल गांधी ने कहा-जब किसी देश में इकोनॉमी नाकाम हो, बेरोजगारी हो और अंदरूनी झगड़े हों तो विपक्षी इन हालात का फायदा उठाता है।

भरोसा है चीन से पश्चिमी देश नहीं, भारत निपट सकता है-राहुल

राहुल ने कहा, जैसा यूक्रेन में रूस में किया। रूस नहीं चाहता था कि यूक्रेन के पश्चिमी देशों के साथ संबंध मजबूत हों। यही भारत पर भी लागू हो सकता है। चीनी हमसे कह रहे हैं कि आप सावधान रहिए। आप जो कर रहे हैं, उस पर हमारी नजर है। सावधान रहिए नहीं तो हम आपकी जियोग्राफी बदल देंगे। हम अरुणाचल में घुसेंगे, हम लद्दाख में दाखिल होंगे। चीन इसी तरह के रवैये के लिए प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है।

21वीं सदी में भारत को सुरक्षा के तौर पर बेहद मजबूत होना है। यही वह मोर्चा है, जहां हमारी सरकार का अनुमान पूरी तरह गलत साबित हुआ। हम लगातार सुन रहे हैं कि बॉर्डर पर क्या हो रहा है। वास्तविकता यह है कि चीन ने हमारा 2000 किलोमीटर इलाका हथिया लिया है।

कमल हासन बोले-युवा था तो गांधीजी का आलोचक था, आज उनका फैन हूं

राहुल ने कमल हासन से पूछा कि देश में जो चल रहा है, उस पर आप क्या सोचते हैं। इस पर कमल हासन ने कहा, मुझे लगा कि आज जो हो रहा है, उसके बारे में बोलना मेरा फर्ज है। यह 2800 किमी. कुछ भी नहीं है, राहुल गांधी जिस रास्ते पर चल रहे हैं, उस पर खून है और पसीना है।

मेरे पिता एक कांग्रेसी थे, लेकिन जब मैं युवा था तो मैं गांधीजी का आलोचक था। मेरे पिताजी केवल इतना कहते थे कि इतिहास को पढ़ो। तुम आज को देखकर बोल रहे हो। वो वकील थे, लेकिन फिर भी इस मुद्दे पर उन्होंने मुझसे बहस नहीं की। 24-25 साल की उम्र में मैंने खुद गांधीजी को जाना। और इतने सालों में मैं उनका फैन बन गया। इसलिए मैंने मुझे सुधारने के लिए और गांधीजी को सॉरी बोलने के लिए हे राम बनाई। इसमें मैं एक हत्यारा था, जो गांधीजी को मारना चाहता है। लेकिन जैसे-जैसे वो उस इंसान के करीब जाता है, वो बदल जाता है। हां, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और कोई दूसरा उनकी हत्या कर देता है। यही उस फिल्म की कहानी है। यह मेरा तरीका था, मेरे बापू से क्षमा मांगने का। मुझे इस पूरे अपराध की जिम्मेदारी लेनी थी, इसमें वह भी शामिल है, जो आपके परिवार के साथ हुआ। हमने इसे होने दिया।

राहुल ने कमल हासन को टाइगर का फोटो दिया, कहा-ये आपका एटिट्यूड दिखाता है

राहुल गांधी ने कमल हासन को एक पानी पीते हुए टाइगर का फोटो गिफ्ट किया, जिसे प्रियंका गांधी के बेटे रिहान ने क्लिक किया था। उन्होंने कमल से कहा- 'यह फोटो जीवन में आपका नजरिया और एटिट्यूड दिखाता है। यह तस्वीर बताती है कि आप एक महान भारतीय और चैंपियन हैं।

भारत जोड़ो में जुड़ने पर कमल हासन ने कहा था एक भारतीय के नाते यहां हूं

दिल्ली में भारत जोड़ो यात्रा में मीडिया ने कमल हासन से पूछा था कि यहां किसलिए आए हैं? तब कमल हासन ने कहा था, ₹कई लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं यहां क्यों हूं। मैं यहां एक भारतीय के तौर पर हूं। मेरे पिता कांग्रेसी थे। मेरी अलग-अलग विचारधाराएं थीं और मैंने अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी शुरू की, लेकिन जब देश की बात आती है, तो सभी राजनीतिक दलों की लाइनें धुंधली हो जाती हैं। मैंने उस लाइन को धुंधला कर दिया और यहां आ गया।'

'दीदीर सुरक्षा कवच'

ममता बनर्जी ने शुरू किया 'दीदीर सुरक्षा कवच'

बंगाल पंचायत चुनाव के लिए नया अभियान

कोलकाता, 2 जनवरी (एजेंसियां)। इस साल होने वाले पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव को देखते हुए सत्तारूढ़ टीएमसी ने नया अभियान शुरू किया है। इस अभियान को 'दीदीर सुरक्षा कवच' नाम दिया गया है।

तृणमूल कांग्रेस के इस अभियान का मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुभारंभ किया। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी व प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्षी भी इस मौके पर मौजूद थे। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि प्रदेश में पार्टी 11 जनवरी को इस जमीनी अभियान को गति देगी। यह 60 दिनों तक जारी रहेगा। इस दौरान टीएमसी के कार्यकर्ता राज्य भर में लोगों तक पहुंचेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हर कोई राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सके। 'दुआरे सरकार' (द्वार पर सरकार) की तरह, बंगाल सरकार के इस अभियान का उद्देश्य जनता से जुड़ना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के जरिए टीएमसी के करीब 3.5 लाख पार्टी कार्यकर्ता राज्य के लगभग 10 करोड़ लोगों तक पहुंचेंगे। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि कोई भी छूटे नहीं। इसके साथ ही राज्य सरकार का 'दुआरे सरकार' अभियान भी जारी रहेगा। बनर्जी ने 1 जनवरी को टीएमसी के 25 साल पूरे होने को लेकर कहा कि पार्टी का लक्ष्य ₹एकजुट भारत और मजबूत संघीय ढांचा₹ बनाना है।

कुमारस्वामी ने शाह पर साधा निशाना

नाजी प्रचारक जोसेफ गोएबल्स से की तुलना, भाजपा ने दिया जवाब

बेंगलुरु, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक चुनाव नजदीक आते ही नेताओं की जुबानी जंग तेज हो गई है। जनता दल एस के नेता व कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने शाह की तुलना जर्मनी में नाजीवाद के प्रचारक जोसेफ गोएबल्स से की। इसे लेकर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कुमारस्वामी पर पलटवार किया है।

पूर्व सीएम कुमारस्वामी ने अमित शाह को नाजी प्रचारक जोसेफ का नया अवतार बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह केंद्र की मौजूदा सरकार को बीते आठ सालों के कार्यकाल के दौरान देश को विध्वंस के रास्ते पर ले गए। जेडीएस के नेता कुमारस्वामी ने शनिवार को कई ट्वीट्स कर अमित शाह पर आरोप लगाए। शाह गत दिवस दो दिनी कर्नाटक दौरे पर थे। इसी दौरान पूर्व सीएम कुमारस्वामी ने बदजुबानी करते हुए उन्हें 'राजनीतिक गिरगिट' तक कह डाला।

भाजपा को बताया पाखंडी पार्टी

कुमारस्वामी ने एक ट्वीट में कहा, 'भाजपा-बड़ी बूटाटिके पार्टी (पाखंडी पार्टी), झूठों की पार्टी है। अमित शाह के झूठ बोलने से स्पष्ट हो गया कि वे एक राजनीतिक गिरगिट हैं!

आपकी पार्टी का असली चेहरा यही है। आप जोसेफ गोएबल्स का अवतार हैं।' कर्नाटक में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सत्तारूढ़ भाजपा व विपक्षी जेडीएस के बीच सियासी बयानबाजी व कटुता बढ़ गई है। कर्नाटक की जनता की एटीएम बनेगी जेडीएस भाजपा के आरोप कि यदि आगामी चुनाव में जेडीएस फिर सत्ता में आई तो राज्य उसका एटीएम बन जाएगा, पर पूर्व सीएम ने पलटवार किया। कुमारस्वामी ने कहा कि यदि जेडीएस सत्ता में आई तो उनकी पार्टी राज्य की जनता के लिए एटीएम बन जाएगी।

जेडीएस के लिए एटीएम यानी 'एनी टाइम मनुष्यत्व'

पूर्व सीएम ने ट्वीट कर कहा कि जेडीएस करोड़ों कन्नडवासियों की एटीएम बनेगी। हम किसानों, श्रमिकों व वंचितों तथा निराश्रितों के एटीएम बनेंगे। जेडीएस जनता की एटीएम है। उसके लिए एटीएम का मतलब है 'एनी टाइम मनुष्यत्व'। हर वक्त मानवता की सेवा। जबकि भाजपा के लिए एटीएम का मतलब 'एनी टाइम मोसा' यानी हर वक्त धोखा है। भाजपा झूठ के जरिए देश को विध्वंस के रास्ते पर ले जा रही है।

कुमारस्वामी की हताशा नजर आई, विलुप्त हो जाएगी जेडीएस : तेजस्वी सूर्या

उधर, भाजपा ने कुमारस्वामी पर पलटवार किया है। बेंगलुरु दक्षिण से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने अहमदाबाद में कहा कि उन्होंने गृह मंत्री शाह के प्रति असंसदीय शब्द कह कर राजनीतिक हताशा का परिचय दिया है। जेडीएस पार्टी पहले ही संकटग्रस्त पार्टी बन चुकी है। यह आगामी चुनाव के बाद कर्नाटक से विलुप्त हो जाएगी।

जर्मन प्रोपेगेंडिस्ट था जोसेफ गोएबल्स

कुमारस्वामी ने जिस नाजी प्रचारक जोसेफ गोएबल्स का जिक्र किया है, वह 1933 से 1945 तक जर्मनी की नाजी सरकार का मंत्री था। जोसेफ गोएबल्स ने कहा था 'एक झूठ को अगर कई बार दोहराया जाए तो वह सच बन जाता है।' गोएबल्स को जोशीले भाषण और यहूदी विरोधी के रूप में पहचाना जाता था।

ले. कर्नल प्रसाद पुरोहित को झटका

मालेगांव केस में आरोप मुक्त करने की अर्जी खारिज

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मालेगांव धमाका मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित की अर्जी खारिज कर दी। पुरोहित ने एनआईए के आदेश के खिलाफ अपील की थी।

ले. कर्नल पुरोहित ने एनआईए की विशेष कोर्ट द्वारा 2008 के मालेगांव धमाका मामले में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर करने को चुनौती दी थी। उन्होंने केस में उन्हें आरोप मुक्त करने की मांग की थी। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित मालेगांव धमाका मामले में मुख्य आरोपी हैं। धमाके में छह लोग मारे गए थे और 101 से अधिक घायल हुए थे। पुरोहित ने याचिका में कहा था कि उन पर केस चलाने के लिए भारतीय सेना से मंजूरी नहीं ली गई, जबकि सीआरपीसी की धारा 197(2) के तहत यह मंजूरी लेना जरूरी था। इसके विपरीत एनआईए ने कहा कि किसी मंजूरी की जरूरत नहीं थी, क्योंकि ले. कर्नल पुरोहित उस वक्त सेना की ड्यूटी नहीं निभा रहे थे।

मालेगांव धमाका मामले में ले. कर्नल पुरोहित, भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर व 5 अन्य आरोपी हैं। पुरोहित को 2008 में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 2017 में जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। मामले के सारे आरोपी अभी जमानत पर हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस एएस गडकरी व जस्टिस प्रकाश नाइक की पीठ ने पुरोहित की अर्जी खारिज करते हुए कहा कि मुकदमे के लिए सेना की मंजूरी की जरूरत नहीं थी, क्योंकि वह कोई सरकारी काम नहीं कर रहे थे।

प्रज्ञा ठाकुर के नाम पंजीबद्ध थी मोटर साइकिल

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में एक मस्जिद के पास मोटर साइकल में बम धमाका हुआ था। मालेगांव महाराष्ट्र के नासिक जिले का संवेदनशील कस्बा है। महाराष्ट्र पुलिस ने मामले की आरंभिक जांच की थी। उसने पाया था कि धमाके में इस्तेमाल की गई मोटर साइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पंजीकृत थी। बाद में इस मामले की जांच एनआईए को सौंपी गई थी।

भ्रष्टाचार की तीन दुकान-उद्धव कांग्रेस और एनसीपी...

नड्डा ने विपक्ष पर किया जोरदार हमला

चंद्रपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महाविकास अघाड़ी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा, एमवीए ने भष्ट्राचार की तीन दुकानें खोली हैं- उद्धव, कांग्रेस और एनसीपी। हमारे लिए जेएएम का अर्थ का मतलब, जन धन के लिए 'जे', आधार के लिए 'ए' और मोबाइल के लिए 'एम' है। वहीं एनवीए सरकार के लिए जेएएम का अर्थ संयुक्त रूप से धन संग्रह है।

नड्डा ने इस दौरान पालघर में साधुओं पर हुए हमले का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, आपने देखा कि पालघर में साधुओं के साथ कैसा व्यवहार किया गया और हिंदू हृदय सम्राट बाला साहेब के बेटे ने एनसीपी और कांग्रेस के दबाव के कारण मामले की जांच सीबीआई को जांच नहीं सौंपी। नड्डा ने कहा, सीएम शिंदे और उपमुख्यमंत्री फडणवीस राज्य को विकास के पथ पर ले जा रहे हैं।

बता दें, 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा और शिवसेना ने एक साथ मिलकर 48 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें भाजपा ने 23 सीटों पर कब्जा किया था तो वहीं शिवसेना ने 18 सीटों पर जीत कायम की थी। भाजपा की लोकसभा बैठकों के समन्वयक संजय उर्फ बाला भेगड़े ने कहा कि नड्डा सोमवार को चंद्रपुर और मराठवाड़ा क्षेत्र के संभाजी नगर (पूर्व में औरंगाबाद) में रैली को संबोधित करेंगे।

शीजान की फैमिली बोली-तुनिषा को दरगाह नहीं ले गए

कहा-तुनिषा की मां चाहती हैं कि हमारा लड़का भी खुदकुशी कर ले

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। तुनिषा सुसाइड केस में सोमवार को पहली बार शीजान खान की फैमिली सामने आई। उसकी मां और बहनों ने तुनिषा की मां वनिता के सभी आरोपों को खारिज कर दिया। शीजान की बहनों फलक और शफक ने कहा कि हम कभी तुनिषा को दरगाह नहीं ले गए। हिजाब की जो बात कही गई है, वो गलत है। तुनिषा ने हिजाब टीवी सीरियल की शूटिंग के दौरान पहना था।

तुनिषा की मां के आरोप झूठे, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव नहीं डाला

शीजान की फैमिली ने कहा- विनिता शर्मा शीजान पर झूठे आरोप लगा रही हैं। हम कभी भी किसी पर धर्म बदलने को लेकर दबाव नहीं डाल सकते हैं। हमने उसे हिजाब पहनने के लिए कभी फोर्स नहीं किया।

हम तो तुनिषा के बर्थ डे के लिए सरप्राइज प्लानिंग कर रहे थे

बहनों ने कहा- हम उसको जानते थे। वो हमें बड़ी बहन मानती थी। 4 जनवरी को उसका बर्थडे है, हम इसके लिए सरप्राइज प्लानिंग कर रहे थे। पिता की मौत के बाद तुनिषा ने कभी अपना जन्मदिन ठीक से नहीं मानाया था। हम तुनिषा को सिर्फ 5 महीने से जानते हैं।

वनिता चाहती हैं शीजान भी तुनिषा की तरह खुदकुशी कर ले

वो बोलीं-अगर हम उसे दरगाह ले गए तो क्या उसका कोई फोटो है। शीजान ने थप्पड़ मारा तो क्या उसका कोई सबूत है। जहां तक बात उर्दू की है तो शूटिंग के दौरान उर्दू बोलनी पड़ती है। हमारी एक बच्ची चली गई और अब वनिता जी चाहती हैं कि हमारा बच्चा भी आत्महत्या कर ले।

जन्मदिन पर मां वनिता ने तुनिषा का मोबाइल तोड़ दिया था

फैमिली ने कहा- तुनिषा टीवी सीरियल्स में काम करना नहीं चाहती थी।

वह दुनिया देखना चाहती थी। तुनिषा के परिवार के साथ संबंध ठीक नहीं थे।

मां वनिता ने जन्मदिन पर तुनिषा का मोबाइल तोड़ दिया था। तुनिषा के पास पैसों की कमी रहती थी। वनिता तुनिषा को कंट्रोल करती थी।

रोचक खबरें

फ्लाइट में पायलट के शायराना अंदाज़ ने जीता दिल

नए साल में किया अनोखी अनाउंसमेंट से वेलकम

जब भी कोई अपने काम को किसी खास मौके पर रोज़ से अलग और हमेशा से जुदा अंदाज में पेश करता है तो वो लोगों का ध्यान खींचने में जरूर कामयाब हो जाता है. और जब लोगों को जो सुनने की आदत ना हो जैसी आवाज कानों में पड़े तो हैरानी होना भी लाजिमी हो जाता है. कुछ ऐसा ही हुआ हवाई यात्रा के दौरान उन पैसेंजर्स के साथ, जिनके कानों तक आने वाली अनाउंसमेंट की आवाज अंग्रेजी से हटकर हिंदी में आयी वो भी शायराना अंदाज में. फिर तो सभी चुपचाप से पूरी अनाउंसमेंट सुनने में मशगूल हो गए. जिसका वीडियो सोशल मीडिया में आने के बाद जबरदस्त वायरल हो रहा है।

ट्विटर के सदफ आफ्रीन पर स्पाइसजेट फ्लाइट के अंदर का एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें पायलट ने शायराना अंदाज में अनाउंसमेंट कर लोगों का दिल जीत लिया. इस दौरान पायलट की शुद्ध हिंदी ने लोगों को खूब प्रभावित भी किया. नए साल के स्वागत में पायलट का ये अनोखा अंदाज लोगों को खूब पसंद आया. वीडिओ को 5 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं।

नए साल में पायलट ने की नए अंदाज में अनाउंसमेंट

वाकया स्पाइस जेट की एक फ्लाइट का है जब उड़ान से पहले पायलट ने रूटीन अनाउन्समेंट शुरू की लेकिन उसका अंदाज रूटीन से बेहद अलग था. उसकी जबान पर ना तो इंग्लिश थी ना ही रटा रटाया नियम कायदा. बल्कि पायलट बड़े निराले अंदाज में दिखाई दिया पहला तो ये वो पूरी अनाउंसमेंट शुद्ध हिंदी में कर रहा था वह भी शायरी के अंदाज में जिसे सुनकर लोग हंस हंसकर लोटपोट हो रहे थे लेकिन उसके इस अंदाज ने लोगों का दिल भी जीत लिया क्योंकि उसका ये अंदाज बेहद प्रभावी रहा. रूटीन से हटकर अनाउंसमेंट करने के बावजूद पायलट की जबान ना तो कहीं लड़खड़ाई ना ही वो कहीं हड़बड़ाया बल्कि बेहद विनम्र और आराम लहज़े में जानकारी भरी घोषणा करता रहा।

3200 किमी... 27 नदियां और 2 देशों का सफर

काशी से चलेगा दुनिया का सबसे लंबा रिवर क्रूज, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज का 13 जनवरी को उद्घाटन करने वाले हैं. वाराणसी से शुरू होकर बांग्लादेश से होते हुए असम के डिब्रूगढ़ तक के सफर में यह क्रूज 3,200 किलोमीटर की यात्रा करेगा।

50 दिनों की यात्रा में लग्जरी क्रूज पर सवार यात्री देश के 27 रिवर सिस्टम से होकर गुजरेंगे. इनमें गंगा, भागीरथी और ब्रह्मपुत्र के साथ ही राष्ट्रीय जलमार्ग 3 या वेस्ट कोस्ट कैनाल शामिल हैं. इस दौरान यह क्रूज 50 से अधिक पर्यटन स्थलों पर रुकेगा, जिनमें विश्व धरोहर स्थल जैसे कि काशी की गंगा आरती, असम का काजीरंगा नेशनल पार्क और सुंदरवन डेल्टा जैसे महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं. अपने सफर में यह 1,100 किमी की यात्रा बांग्लादेश के अंदर पूरी करेगा।

अपनी तरह का अनूठा क्रूज

शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए योजनाओं के एक उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने इसके बारे में बताते हुए कहा, यह अपनी तरह का दुनिया का अनोखा क्रूज होगा. इसमें भारत के बढ़ते क्रूज टूरिज्म की झलक होगी. मैं अपील करता हूं कि पश्चिम बंगाल के लोग इसका लाभ उठाएं. इस दौरान ही पीएम मोदी ने यह भी खुलासा किया कि क्रूज 13 जनवरी को अपना पहला सफर शुरू करेगा। अधिकारी ने बताया कि सरकार का ध्यान अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास और रखरखाव पर है. इसके लिए अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण यात्री और मालवाहक जहाजों के आसानी से संचालन के लिए नेविगेशन सुविधा और जेटी के विकास पर गंभीरता से काम कर रहा है. अधिकारियों के मुताबिक, भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल रूट के विकास ने इस क्रूज की योजना को बनाने में महत्वपूर्ण रोल अदा किया।

कांच के जार में रखा है खूंखार कातिल का कटा हुआ सिर

180 साल बाद भी आंखों में दिखती है हैवानियत

यूरोप के सबसे खूंखार अपराधी डिओगो ऐल्वेस का कटा हुआ सर देखकर आप आज भी सिहर उठेंगें. उसकी खुली हुई आंखो को देखकर कोई भी इंसान डर जाए. मरने के 180 साल बाद भी उसकी आंखे आज भी ठीक वैसी ही दिखती हैं. उसके कटे हुए सर को एक शीशे के जार में सरंक्षित करके रखा गया है. पूर्तगाल में सबसे अधिक खून करने वाले इस शख्स को फांसी की सजा दी गई थी. इसके बाद उसके सर को काट कर सरंक्षित रखा गया. ऐल्वेस को 'The Aqueduct Murderer' के नाम से भी जाना जाता था।

पुल को ही बनाया क्राइम का अड्डा

दरअसल ऐल्वेस ने एक पुल को क्राइम करने का अड्डा बनाया था. वह गांव से शहर जोड़ने वाली पुल पर छिप कर बैठा रहता था. वह वहां से आने जाने वाले किसानों को पहले लूटता था. उसके बाद उन्हें वह पुल से धक्का देकर नीचे पानी में गिरा देता था।

कानून ने सुनाई थी फांसी की सजा

ऐल्वेस का यह पैंतरा काफी दिनों तक कामयाब होते रहा क्योंकि लोगों की मौत खुदकुशी लगती थी. इसको पूरे यूरोप का सबसे शातिर और खूंखार कातिल माना जाता है. 70 हत्याएं करने के बाद वह कानून की गिरफ्त में आया और उसे फांसी की सजा दी गई थी।

इस खूंखार अपराधी का सिर फिलहाल एक कांच के जार में फॉर्मलडिहाइड के साथ रखा गया है. इसके सिर को लिस्बन यूनिवर्सिटी में रिसर्च के लिए रखा गया है. वैज्ञानिक इसके दिमाग का स्टडी करना चाहते हैं. उनका मानना है कि ऐसा करने से कई चौंकाने वाली बातें सामने आ सकती है।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 3 जनवरी, 2023 3

सुविचार

स्त्रियों की उन्नति अथवा अवनति पर ही राष्ट्र की उन्नति अथवा अवनति निर्भर करती है।

किसी भी नागरिक को न्याय हासिल करने से वंचित नहीं किया जा सकता : मुख्य न्यायाधीश

23 नए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का शुभारम्भ

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के लिए मउच्च न्यायालय की सिफारिश पर, तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना राज्य में राजस्व जिलों के साथ सह-टर्मिनस (33) न्यायिक जिलों की स्थापना के आदेश जारी किए हैं और नए न्यायिक जिलों ने प्रभावी रूप से 2 जून 2022 से कार्य करना शुरू कर दिया है। तत्कालीन राज्य के विभाजन के बाद, तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (11) डीएलएसए और (88) मंडल कानूनी सेवा समितियों के साथ काम कर रहा था। नए न्यायिक जिलों की स्थापना से पूर्व मंडल विधिक सेवा समितियां राज्य में विद्यमान 11 जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के पर्यवेक्षण में कार्य कर रही थीं तथा मंडल विधिक सेवा समितियों के स्थान पर 23 नई जिला विधिक सेवा समितियों का गठन किया जाना है जो मुख्यालय में कार्यरत थीं। मुख्य न्यायाधीश और संरक्षक-इन-चीफ, कार्यकारी अध्यक्ष, टीएसएलएसए के निर्देशों के अनुसार, इस प्राधिकरण ने तेलंगाना सरकार को एक पत्र संबोधित किया है, जिसमें 23 जिला कानूनी सेवा प्राधिकरणों के गठन का अनुरोध किया गया है। तेलंगाना सरकार ने राज्य में 23 नए जिला कानूनी सेवा प्राधिकरणों का गठन किया। 23 नए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कुमारमभीम-आसिफाबाद , मंचेरियल, निर्मल जिला, राजन्ना-सिरिसिला, जगतियाल, पेड्डापल्ली, भद्राद्री-कोठागुडेम, जोगुलम्बा-गदवाल, नागरकुर्नूल, नारायणपेट, वनपर्ती, मेदक, सिद्दीपेट, सूर्यापेट , यदाद्री भुवनगिरी, कामारेड्डी, मेडचल-मल्काजगिरी, विकाराबाद, जनगांव, जयशंकर भूपालपल्ली, हनुमकोंडा, मुलुगु, महबूबाबाद शामिल है। मुख्य न्यायाधीश, तेलंगाना उच्च न्यायालय और मुख्य संरक्षक, तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और कार्यकारी अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण उज्ज्वल भूइया ने नवगठित 23 जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का तेलंगाना राज्य सेवा प्राधिकरण, सेंट्रल हॉल, तेलंगाना राज्य के उच्च न्यायालय से, और इस अवसर पर सभा को संबोधित किया। कार्यकारी अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत विधिक सेवा संस्थानों का गठन समाज के कमजोर वर्गों को कानूनी सेवाएं प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। किसी भी नागरिक को आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण न्याय हासिल करने के अवसरों से वंचित नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि आज से 23 नए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण काम करना शुरू कर देंगे। उन्होंने जनवरी, 2022 से दिसंबर, 2022 की अवधि के दौरान पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को भी साझा किया। मुख्य न्यायाधीश, तेलंगाना राज्य के लिए उच्च न्यायालय और संरक्षक-इन-चीफ, तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वर्ष में हमने जिन कमियों पर ध्यान दिया है, वे इस आशावाद के साथ प्राप्त करने में सक्षम होंगे और 23 नए जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों का वर्चुअली उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। उनके आधिपत्य ने कहा कि कानूनी सहायता हमारी न्यायिक प्रणाली का एक हिस्सा और पार्सल है। विधिक सेवा प्राधिकरण एक त्रिस्तरीय प्रणाली है। एनएएलएसए सर्वोच्च स्तर है, फिर राज्य स्तर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण है। उन्होंने इतने कम समय में 23 जिला कानूनी सेवा प्राधिकरणों के निर्माण में अपना सहयोग देने के लिए प्रशासन और तेलंगाना सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। उनके आधिपत्य ने कहा कि कानूनी सेवा कोई दान नहीं है, लेकिन यह हम में से प्रत्येक यानी न्यायाधीशों, वकीलों, कानूनी सहायता सलाहकारों, पीएलवी पर हमारा संवैधानिक कर्तव्य है, जो कानूनी सहायता और संवैधानिक अधिकार प्रदान करना संवैधानिक कर्तव्य हैं। विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य प्रयास राज्य के अंतिम नागरिक को न्याय तक पहुंच प्रदान करना है।

भाजपा सांसद लक्ष्मण ने चलपति राव पर शोक जताया

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने पार्टी के दिग्गज नेता पी.वी. चलपति राव के निधन पर आज शोक व्यक्त किया। लक्ष्मण ने आज एक बयान में कहा कि वह राव के निधन के बारे में जानकर स्तब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि राव ने ट्रेड यूनियनों में काम किया और कई आंदोलन कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया और पार्टी के विकास के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि राव ने अपना पूरा जीवन आरएसएस, भाजपा और बीएमएस को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि राव के निधन से पार्टी को बड़ी क्षति हुई है।

पटना के लिए द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेनें चलाएगा दमरे

4 से 30 जनवरी तक होगा ट्रेनों का संचालन

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-सिकंदराबाद से पटना जाने वाले यात्रियों को रेलवे ने नए साल में तोहफा दिया है। पटना आवागन करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे तीन विशेष ट्रेनों का संचालन करने की घोषणा की है। पटना यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे जनवरी, 2023 माह के दौरान हैदराबाद और सिकंदराबाद से विशेष ट्रेनें चला रहा है। ट्रेन नंबर 07255 (बुधवार) रात 10.50 पर हैदराबाद स्टेशन से 4, 11, 18 और 25 जनवरी को रवाना होकर शुक्रवार को पूर्वाह्न 11.30 बजे पटना पहुंचेगी। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 07256 सिकंदराबाद स्टेशन से (शुक्रवार) रात 9 बजे 6, 13, 20, 27 जनवरी को रवाना होकर रविवार को सुबह 9.30 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 03253 पटना-सिकंदाबाद पटना स्टेशन से (सोमवार और बुधवार) 4, 9, 11, 16, 18, 23, 25, 30 जनवरी को दोपहर 3 बजे रबाना होकर बुधवार व शुक्रवार को भोर में 3.30 सिकंदराबाद पहुंचेगी।

दोनों दिशाओं में ये विशेष ट्रेनें सिकंदराबाद, काजीपेट, पेद्दापल्ली, बेलमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची, बोकारो स्टील सिटी, गोमोह, कोडरमा, गया और जहानाबाद स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष गाड़ियों में सेंकेड एसपी, थर्ड एसी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी डिब्बे होंगे।

अग्रमंच में प्रकाशित हर लेख प्रशंसनीय : नवीन मित्तल

हिन्दी मासिक के 100वें अंक का लोकार्पण व कई हस्तियों का सम्मान

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के तकनीकी एवं महाविद्यालयीन शिक्षा आयुक्त नवीन मित्तल ने मुख्य अतिथि के रूप में रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई भवन में आयोजित हिन्दी मासिक अग्रमंच के 100वें अंक का लोकार्पण करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अग्रमंच का मैं नियमित पाठ रहा हूं। इसमें प्रकाशित हर लेख प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि शुरूआती दौर में पत्रिका ने काफी परेशानी का सामना किया, लेकिन दृढ विश्वास के साथ दूर कर इसके 100 अंक तक प्रकाशित कर लिए। भविष्य में भी इसी प्रकाश 200, 300 अंक निकलते रहें। उन्होंने कहा कि वर्तमान के सोशल मीडिया के जमाने में मासिक पत्रिका निकालना चुनौती का कार्य है और इसे लेकर समुदाय में जोश भी है। विशेष अतिथि तेलंगाना के श्रम विभाग के उपायुक्त श्यामसुंदर जाजू ने कहा कि वर्तमान में पत्रिका चलाना बहुत ही चुनौतीपूर्ण हो गया है लेकिन पत्रिका में पाठकों को टीपास, बी पास सहित अन्य सरकारी सेवाओं की जानकारी दी जाए ताकि उनको आवश्यक जानकारी प्राप्त हो सके। अवसर पर ऑल इंडिया जर्नलिस्ट एवं मास मीडिया फेडरेशन राजस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी. एन. तुलस्यान ने कहा कि पत्रिका से कुछ न कुछ सीखने को मिला है। 100वां अंक निकालने में काफी मेहनत लगती है। वर्तमान समय में पत्रिका चलाना काफी सराहनीय कार्य है और कोई काम करने की जिद यदि हो तो वास्तव में कार्य हो जाता है। कुछ ऐसा ही इस पत्रिका ने किया है। अवसर पर अग्रवाल पैकर्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक दयानंद अग्रवाल ने कहा कि जीवन में यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले तो फिर उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। प्रोस्पर इंफ्रा के प्रबंध निदेशक आदित्य ने भी शुभकामनाएं देते हुए अग्रमंच की प्रगति की कामना की। अवसर पर अग्रमंच द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों का विशेष सम्मान किया गया। इनमें हिन्दी भाषा के उपयोग, प्रयोग तथा जागरूकता हेतु सदैव प्रयत्नशील रहे स्व. विश्वेश्वरनाथ गुप्त को मरणोपरांत अग्रमंच गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया, जिसे गिरधारीलाल गुप्त, शिवचरण गुप्ता ने प्राप्त किया। डॉ. आरपी तोष्णीवाल को चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी बहुमूल्य सेवा के लिए अगमंच रत्न सम्मान, सीए आदित्य सोनी को अग्रमंच शिक्षण सम्मान, कु. हरिप्रिया को अग्रमंच कला सम्मान, कु. देविका शर्मा को अग्रमंच कला सम्मान, शरद गुप्ता को अग्रमंच संगीत कला सम्मान, डॉ. विकास अग्रवाल को अग्रमंच चिकित्सा सेवा सम्मान, डॉ. पवन पोद्दार को अग्रमंच चिकित्सा सेवा सम्मान, कु. हर्षिता चिन्तम को अग्रमंच युवा प्रतिभा सम्मान, पवन सिंह राणा को अग्रमंच स्वदेशी सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में 8 विभिन्न संस्थाओं अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, मंत्री योगेश अग्रवाल को अग्रमंच मानव सेवा सम्मान, अग्रवाल समाज तेलंगाना हैदरगुडा शाखा के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, केएस सदस्य सीए मनोज अग्रवाल को अग्रमंच समर्पित मानव सेवा सम्मान, तापडिया डायग्नोस्टिक सेंटर के डॉ. राधेश्याम तापडिया, डॉ. रोहित को अग्रमंच समर्पित सम्मान, माधव आटिज्म फाउंडेशन की सुमन सराफ, रूपाली शाह को अग्रमंच समर्पित सेवा सम्मान, इमराल्ड मिठाई शाप के विजयराम, सुरेन्द्र नाथ को अग्रमंच समर्पित सेवा सम्मान, आरजीए. स्वर्ण जयंती शिक्षा न्यास के मैनेजिंग ट्रस्टी अजय तोष्णीवाल, वाइस चेयरमैन सुभाष गोयनका, ओमप्रकाश अग्रवाल को अग्रमंच शिक्षा समर्पित सेवा सम्मान, थैलेसीमिया एंड सिक्कल सेल सोसाइटी के अध्यक्ष चन्द्रकांत अग्रवाल, डॉ. सुमन जैन को अग्रमंच समर्पित सेवा सम्मान, भगवान महावीर डायलिसिस सेंटर के चेयरमैन पी. सी. पारख, ट्रस्टी गौतम चोरडिया, इन्दरचंद जैन को अग्रमंच समर्पित सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

अवसर पर डॉ. दिलीप पंसारी ने आभार व्यक्त करते हुए अग्रमंच के आरंभिक दिनों में सहयोग करने वाले विजय तुलस्यान, रोशनलाल मित्तल, अवनिश अग्रवाल (स्वं. महेन्द्र अग्रवाल के पुत्र), यश अग्रवाल का सम्मान करते हुए स्व. रमेश अग्रवाल की स्मृतियों को ताजा किया। कार्यक्रम का संचालन स्वाति पंसारी ने किया, जबकि अवार्ड कार्यक्रम का संचालन मनोज गोयल ने किया। मंचीय कार्यक्रम की व्यवस्था नंद गोपाल भट्टड़ ने की। अग्रमंच के प्रमुख डॉ. दिलीप पंसारी ने बताया कि प्रकाशित और संपादित दिसंबर का यह अंक अपने आप में विशिष्ट है, जिसमें 8 की बजाए 24 पृष्ठ होंगे। **शेष पृष्ठ 14 पर..**

वैकुंठ एकादशी के लिए नगर के मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वैकुंठ एकादशी के शुभ अवसर पर, शहर और उपनगरों के मंदिरों में सोमवार तड़के से ही भक्तों का तांता लग गया। सभी वैष्णव मंदिरों को सजाया गया और रोशन किया गया और वैकुंठ द्वार दर्शन की व्यवस्था की गई। भोर होते ही मंदिरों में भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई और सुबह होते ही अधिकांश मंदिरों में लबी और टेढ़ी-मेढ़ी कतारें देखी

57वां टीआईईएस वार्षिक सम्मेलन 4 से 6 जनवरी तक यूओएच में

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) 4 से 6 जनवरी तक इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस) का 57 वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित कर रहा है। सम्मेलन का उद्घाटन 4 जनवरी 2023 को सुबह 10 बजे स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के सभागार में होगा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष डॉ बिबेक देबरॉय के सम्मेलन को संबोधित करने की उम्मीद है। द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस), 1960 में पब्लिक सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत पंजीकृत सोसायटी, पेशेवर अर्थशास्त्रियों और मात्रात्मक अर्थशास्त्रियों का सबसे पुराना और सबसे बड़ा निकाय है, जिसमें पूरे भारत और विदेशों से 2000 से अधिक सदस्य हैं।

ओल्ड अलवाल में 30 दिनों के लिए ट्रैफिक डायवर्जन

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी ट्रैफिक, साइबराबाद ने बताया कि 3 जनवरी से 30 दिनों के लिए 24 घंटे के लिए रेड्डी एन्क्लेव, ज्योतिनगर जंक्शन पर पुरानी अलवाल आईजी प्रतिमा से प्रोफेसर जयशंकर प्रतिमा मुख्य सड़क पर बॉक्स ड्रेन के निर्माण के लिए ट्रैफिक डायवर्जन होगा। डीसीपी ने जनता से काम को जल्दी पूरा करने के लिए कार्य निष्पादन एजेंसी और ट्रैफिक पुलिस के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया। यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि जीएचएमसी पुरानी अलवाल आईजी प्रतिमा से प्रोफेसर जयशंकर प्रतिमा मुख्य मार्ग पर रेड्डी एन्क्लेव, ज्योतिनगर जंक्शन पर बॉक्स ड्रेन का निर्माण कर रहा है। इस संबंध में 3 जनवरी से 31 जनवरी तक 30 दिनों के लिए सेवा गोलनाका, श्री बेकरी-अम्बेडकर प्रतिमा-अलवाल आईजी प्रतिमता हिस्सों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। इसी तरह, सुचित्रा और अलवाल आईजी प्रतिमा से राजीव राहदारी की ओर आने वाले यातायात को अलवल आईजी प्रतिमा - अंबेडकर प्रतिमा - श्री बेकरी - लेफ्ट टर्न तेलंगाना तल्ली प्रतिमा मी सेवा गोलनाका - राजीव राहदारी पर डायवर्ट किया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमे ट्वीट्टर @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदाओं का विवरण हमारे **वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in** पर भी देखें।

प्रशिक्षु प्रशिक्षण अधिनियम हेतु सूचक विज्ञापन अधिसूचना सं. एससीआर/पी-एचक्यू/111/एक्ट. एप्प/2022 दि. 30.12.2022 PUB/0005

दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद ने, एप्रेंटिस एक्ट या प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के तहत दमरे के विभिन्न इकाईयों में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु तत्संबंधित अधिसूचना से जुडे निर्धारित शर्तों के अनुसार, मात्र दक्षिण मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार के तहत जिलों में निवसित अभ्यर्थियों या उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करने के लिए आनलाईन अधिसूचना जारी की है। पूर्ण विवरण तथा उचित अनुलग्नकों युक्त तत्संबंधित अधिसूचना को दक्षिण मध्य रेलवे के आफिशियल **वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in** पर प्रदर्शित किया गया है।

A0008 उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/भर्ती/दमरे

कमोडोर ए. माधवराव बीडीएल बने नए निदेशक (तकनीकी)

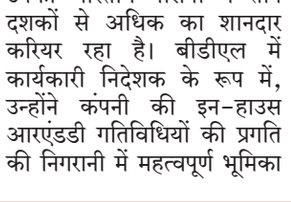

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त) ने आज भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के निदेशक (तकनीकी) के रूप में पदभार ग्रहण किया, जो रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक मिनीरत्न श्रेणी -1 पीएसयू है। अपने नए कार्यभार से पहले, कमोडोर माधवराव ने बीडीएल में कार्यकारी निदेशक (विपणन) के रूप में कार्य किया। उन्होंने बीडीएल कंचनबाग यूनिट के कार्यकारी निदेशक और यूनिट हेड के रूप में भी काम किया। विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों के पूर्व छात्र, उनके पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में एमई, रक्षा अध्ययन में एमएससी, प्रबंधन अध्ययन में मास्टर डिग्री के साथ वित्त में एमबीए है। बीडीएल में अपने वर्तमान अनुभव के अलावा, उनका भारतीय नौसेना में तीन दशकों से अधिक का शानदार करियर रहा है। बीडीएल में कार्यकारी निदेशक के रूप में, उन्होंने कंपनी की इन-हाउस आरएंडडी गतिविधियों की प्रगति की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बीडीएल के प्रमुख उत्पादों के उत्पादन और जीवनचक्र समर्थन का नेतृत्व किया। उन्होंने बीडीएल में बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ताकि कंपनी को रक्षा में आत्मानिर्भरता की प्राप्ति और फास्ट-ट्रैक आधार पर मिसाइलों की भावी उन्नत पीढ़ी के निर्माण की दिशा में पहल करने में सक्षम बनाया जा सके। विपणन और व्यवसाय विकास प्रमुख के रूप में उन्होंने विदेशी कंपनियों और रक्षा मंत्रालय के साथ अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कंपनी की वर्तमान ऑर्डर बुक स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारतीय नौसेना में अपने कार्यकाल के दौरान, कमोडोर माधवराव ने कारगिल और पराक्रम ऑपरेशनों में भाग लिया। उन्होंने भारतीय नौसेना में परमाणु पनडुब्बियों को शामिल करने के लिए विशाखापत्तनम में परमाणु और सुरक्षा क्षेत्र संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने भारतीय नौसेना की पनडुब्बियों के तीन वर्गों पर सेवा की और परमाणु पनडुब्बी चक्र को फिर से शामिल करने का हिस्सा थे।

उन्होंने नौसेना के तीन फ्रंटलाइन जहाजों पर भी काम किया है और कमान मुख्यालय और रक्षा नौसेना के एकीकृत मुख्यालय में प्रमुख पदों पर रहे हैं और भविष्य की योजना और नीति बनाने के लिए जिम्मेदार थे।

डॉ. आंजनेय गौड़ चेयरमैन नियुक्त

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने 'तेलंगाना खेल प्राधिकरण' के अध्यक्ष के रूप में डॉ. ईडिगा आंजनेय गौड़ को नियुक्त किया है। सरकार ने सीएम केसीआर के फैसले के अनुसार इस के संबंध में आदेश जारी की। सोमवार को प्रगति भवन में सीएम केसीआर के हाथों से आंजनेया गौड ने नियुक्ति पत्र प्राप्त किया। इस मौके पर उन्होंने चेयरमैन के पद पर नियुक्त करने के लिए सीएम केसीआर को धन्यवाद दिया।

राचकोंडा के नए पुलिस ऑयुक्त डीएस चौहान ने कार्यभार संभालने के बाद तेलंगाना के मुख्य सचिव सोमेश कुमार और पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की।

जातीय भारतीय वैद्य परंपरा संस्थ

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान

(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)

रेवेन्यु बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नाराम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत

National Institute of Indian Medical Heritage

(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)

Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA

Ph: 040-24067388, Web: http://niimh.nic.in, E-mail:niimh.hyderabad@gmail.com, niimh-hyderabad@gov.in

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 01/2023

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ एसआरएफ (यूनानी) -01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची यूपी सरकार

निकाय चुनाव में आरक्षण : चार जनवरी को सुनवाई

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। स्थानीय निकाय चुनाव मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि वह इस मामले में चार जनवरी को सुनवाई करेगा।

दरअसल, शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में निकाय चुनावों पर सरकार की मसौदा अधिसूचना को रद्द कर दिया गया था।

राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि उच्च न्यायालय पांच दिसंबर की मसौदा अधिसूचना को रद्द नहीं कर सकता है, जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के अलावा अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए शहरी निकाय चुनावों में सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है। एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड रुचिरा गोयल के माध्यम से दायर अपील में कहा गया है कि ओबीसी संवैधानिक रूप से संरक्षित वर्ग हैं और उच्च न्यायालय ने मसौदा अधिसूचना को रद्द करने में गलती की है। बता दें, उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी को आरक्षण प्रदान करने के लिए सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए पांच सदस्यीय आयोग नियुक्त किया है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच दिसंबर को निकाय चुनाव के लिए आरक्षण की अधिसूचना जारी की थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। कहा गया कि यूपी सरकार ने आरक्षण तय करने में सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले का पालन नहीं किया है।

इस पर हाईकोर्ट ने आरक्षण की अधिसूचना रद्द करते हुए यूपी सरकार को तत्काल प्रभाव से बिना ओबीसी आरक्षण लागू किए नगर निकाय चुनाव कराने का फैसला दे दिया।

हमें सुने बिना दिया सर्वे का आदेश

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष ने दी दलील

मथुरा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भगवान श्रीकृष्ण की 13.37 एकड़ भूमि को लेकर कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई है। कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की अमीन सर्वे कराने के आदेश दिए थे। 2 जनवरी 2023 यानी आज सोमवार को कोर्ट में दोनों पक्षों के लोग पेश हुए। वादी और प्रतिवादी भक्तों के द्वारा अपनी दलीलें कोर्ट के समक्ष रखीं गईं। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट में फैसले को रिजर्व कर लिया है। सोमवार को मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष ने सिविल जज सीनियर डिविजन थर्ड की अदालत में ऑब्जेक्शन दाखिल किया गया। साथ ही शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष ने उनकी दलील न सुनने की भी बात कही गई।

कोर्ट में भगवान श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर सुनवाई हुई। कोर्ट में दोनों पक्षों की दलीलों को सुना गया। दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने फैसले को रिजर्व रख लिया है। शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता नीरज शर्मा ने कोर्ट में हुई सुनवाई की जानकारी दी। काफी शोर मचाया जा रहा है कि शाही ईदगाह मस्जिद की सर्वे के आदेश हो गए हैं, जो कि बिल्कुल गलत है। कोर्ट के द्वारा एक आदेश दिया गया है, मौके पर निरीक्षण का जो कि हमें बिना नोटिस के जारी किया गया है। नीरज शर्मा का कहना है कि हमें वह सारी कॉपी कोर्ट के द्वारा उपलब्ध कराई जाएं जो आदेश किए गए हैं क्या जो मुकदमा शाही ईदगाह मस्जिद और श्री कृष्ण जन्मस्थान से जुड़े हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। दूसरी तरफ शाही मस्जिद 2.65 एकड़ में बनी है।

शाही ईदगाह मस्जिद और औरंगजेब कनेक्शन क्या है?

धार्मिक स्थलों से संबंधित विभिन्न मामलों में याचिकाकर्ता और प्रतिवादी दोनों 2, 12, 20 और 23 जनवरी को सुनवाई की तैयारी कर रहे हैं। पिछले महीने मथुरा की सिविल कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद के अमीन निरीक्षण का आदेश दिया था।

सोमवार को कोर्ट खुलने के बाद शाही ईदगाह मस्जिद प्रबंधन समिति सर्वे के खिलाफ आपत्ति दाखिल कर उस पर रोक लगाने की मांग की है। दूसरी तरफ हिंदू सेना के याचिकाकर्ता ने सबूत संकलित करने का दावा किया है कि मस्जिद का निर्माण औरंगजेब ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर आक्रमण के बाद किया था।

तेजस्वी पिता और लालू बनेंगे दादा

राबड़ी परिवार में आने वाला है नया मेहमान, प्रेग्नेंट हैं राजश्री

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। लालू-राबड़ी परिवार में नया मेहमान आने वाला है। लालू यादव दादा और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पापा बनने वाले हैं। उनकी पत्नी राजश्री डॉक्टर की देखरेख में दिल्ली में हैं। तेजस्वी यादव भी दिल्ली गए हुए हैं। हालांकि इस बात की अभी तक परिवार की ओर से पुष्टि नहीं है। दिसंबर 2021 में तेजस्वी और राजश्री की शादी हुई थी। यह शादी दिल्ली में अचानक की गई थी। दोनों एक-दूसरे को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजश्री का दिल्ली के डॉक्टर के यहां चेकअप चल रहा है। फरवरी या मार्च में तेजस्वी और राजश्री माता-पिता बनेंगे। लालू परिवार में 2023 में कई खुशियां एक साथ आ रही हैं। लालू प्रसाद दो-तीन महीने में स्वस्थ होकर भारत आ सकते हैं। राबड़ी देवी भी अभी सिंगापुर में ही हैं। पिछले साल अगस्त में ही नीतीश ने बीजेपी से अलग होकर राजद के साथ सरकार बनाई थी, जिसमें तेजस्वी उपमुख्यमंत्री बने थे। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कई बार कह दिया है कि आगे तेजस्वी को ही देखना है। यानी तेजस्वी मुख्यमंत्री की कुर्सी की तरफ बढ़ रहे हैं।

लालू प्रसाद के परिवार का पुस्तैनी पेशा गाय-भैंस पालना रहा है। गायों से लालू प्रसाद को काफी प्रेम भी हुआ है। लालू प्रसाद की पोसी हुई गायों से तेजस्वी यादव ने दुल्हन रेचल उर्फ राजश्री को मिलाया। तेजस्वी, राजश्री को घुमाते हुए उस खटाल पर भी लेकर गए जहां गाय और बकरियां रहती हैं। राजश्री ने भी गायों की सेवा की। उन्हें यह करते हुए काफी खुश देखा गया। बहू के साथ राबड़ी देवी भी नजर आईं।

इलेक्शन कमीशन की आइकॉन बनीं मैथिली ठाकुर

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। लोक गायिका मैथिली ठाकुर को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने अपना आइकॉन बनाया है। इस संबंध में आयोग की तरफ से नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले मैथिली ठाकुर बिहार में मतदाता जागरूकता अभियान चलाएगी।

इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले मैथिली को मधुबनी जिले का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया था। मधुबनी जिले के 47वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में इसकी घोषणा की गई थी। आइकॉन बनने के बाद मैथिली ठाकुर ने कहा कि मेरे लिये ये अत्यंत हर्ष का विषय है। मैं हमेशा अपना योगदान देने की कोशिश करते रहूंगी। आप सब का आशीर्वाद बना रहे। इससे पहले पिछले महीने बिहार के उद्योग विभाग ने मैथिली ठाकुर को बिहार के खादी, हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के परिसर में आयोजित सादे समारोह में बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी दिलीप कुमार और उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान के निदेशक विवेक रंजन मैत्रेय ने मैथिली ठाकुर को ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने संबंधी प्रपत्र सौंपा। मैथिली ठाकुर संगीत की दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम है। अपनी अलग गायिकी से उन्होंने इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। वो देश भर में स्टेज परफॉर्मेंश देती हैं। राइजिंग स्टार रनर-अप के साथ कई विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त कर चुकी हैं। वो राष्ट्रीय स्तर के सिंगिंग शो, इंडियन आइडियल जूनियर-2015, सारेगामापा सहित कई सिंगिंग रियालटी शो में अपनी प्रतिभा दिखा चुकी हैं।

मुख्तार अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

जेलर को धमकाने के मामले में सजा पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्वांचल के बाहुबली और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। मुख्तार अंसारी को जेलर को धमकाने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दोषी ठहराया था। बाहुबली डॉन को 7 साल की सजा सुनाई गई थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट की सजा के खिलाफ मुख्तार अंसारी सुप्रीम कोर्ट चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगाते हुए यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मामला मुख्तार अंसारी की ओर से वर्ष 2003 में एक जेलर को धमकाने और जान से मारने की धमकी देने का है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने सजा पर रोक लगा दी है। पिछले माह 1996 के एक चर्चित मामले में गैंगस्टर कोर्ट ने दोषी करार दिया। कोर्ट ने मुख्तार और भीम सिंह को 10 साल की सजा सुनाई थी। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य अंसारी को निचली कोर्ट ने दोषमुक्त किया था। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने निचली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए 7 साल की सजा सुनाई थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अंसारी को 21 सितंबर 2022 को सजा सुनाई थी। जेलर को रिवॉल्वर दिखाकर धमकाने का दोषी माना गया। यह मामला वर्ष 2003 का है। उस समय लखनऊ के जिला जेलर एसके अवस्थी ने आलमबाग थाने में केस दर्ज कराया गया था।

एफआईआर में कहा गया था कि मुख्तार अंसारी ने उन्हें धमकी थी। जेलर ने अपनी शिकायत में कहा था कि उन्होंने मुख्तार अंसारी से मिलने आए लोगों की तलाशी का निर्देश दिया था। मुख्तार अंसारी ने इस मामले में उन्हें धमकी दी। पिस्तौल तान दी। दुर्व्यवहार किया। हाई कोर्ट ने इस मामले में आरोपियों को दोषी ठहराया। कोर्ट ने मुख्तार का खूंखार अपराधी और माफिया डॉन के रूप में माना। उसके खिलाफ 60 से अधिक केस दर्ज हैं।

हाईवे पर रातभर शव को रौंदते रहे वाहन

आगरा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सिकंदरा थाना क्षेत्र में हाईवे पर कीठम के पास नव वर्ष के पहले दिन झकझोर देने देने वाली खबर सामने आई है। यहां भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में मृत राहगीर के शव को हाईवे पर दौड़ते तेज रफ्तार वाहन रात भर रौंदते रहे। इससे शव के चीथड़े उड़ गए और सड़क पर बिखर गए। सोमवार की सुबह वहां से गुजरने वाले राहगीरों ने हाईवे पर बिखरे शव के टुकड़ों को देखा तो उनके रोंगटे खड़े हो गए। राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। रुनकता में कीठम के पास नव वर्ष के दिन अज्ञात वाहन की चपेट में आकर राहगीर की मौत हो गई। मथुरा से आगरा आने वाले हाईवे पर उसका शव पड़ा रहा। इस दौरान मथुरा की ओर से आने वाले छोटे-बड़े वाहन रात भर शव को रौंदते रहे। सोमवार की सुबह करीब सात बजे आसपास ढाबों पर काम करने वाले कुछ लोग वहां से निकल रहे थे। उन्हें टुकड़ों में बिखरा शव दिखाई दिया। मृतक के शरीर पर पहने कपड़े भी सड़क पर चिपक गए।

राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के लिए शुभकामनाएं

मायावती ने कहा- मुझे न्योता देने के लिए धन्यवाद

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी हैं। वहीं यात्रा में शामिल होने के लिये न्योता देने के लिये मायावती ने राहुल गांधी का धन्यवाद कहा है। दरअसल कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। तीन जनवरी यानी कल देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में ये यात्रा एंट्री करने जा रही है। इसी को लेकर कांग्रेस की ओर से यूपी के मुख्य विपक्षी दलों के नेताओं को न्योता भेजा गया था। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर कांग्रेस को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा भारत जोड़ो यात्रा के लिए शुभकामनाएं। वहीं मायावती ने यात्रा में शामिल होने के लिए धन्यवाद भी बोला। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा कि राहुल गांधी, इस यात्रा में शामिल होने की लिखी गई चिट्ठी के लिए उनका धन्यवाद। इससे पहले समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने राहुल को पत्र लिखकर भारत जोड़ो की मुहिम की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी है। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए सपा मुखिया अखिलेश यादव और राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ-साथ बसपा सुप्रीमो मायावती को न्योता मिला था।

बीए पार्ट 1 के छात्र को भून डाला

सरेआम अपराधियों ने मुंह में पिस्टल घुसाकर मार दी गोली, विरोध में लोगों ने किया हंगामा

सहरसा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। साल के पहले दिन ही जब लोग नए साल का जश्न मना रहे थे, उस वक्त जिला मुख्यालय से सटे बैजनाथपुर चौक पर बाइक सवार तीन अपराधियों ने एक 18 वर्षीय युवक को सरेआम गोलियों से भून दिया। चौक के पास खड़े युवक को पहले बाइक सवार तीनों अपराधी जबरन अपनी बाइक पर बिठा कर ले जाना चाहा। वह बैठने से इनकार करता रहा। इसी दौरान बाइक के पीछे बैठे अपराधी ने उतरकर पहले मुंह में पिस्तौल घुसा कर गोली मारी, फिर सभी ने मिलकर गोलियों से भून दिया। अमित यादव को चार गोली मारी गई। इसमें एक मुंह में दो सिर में और एक दाईं जांघ में जहां पॉकेट में एंड्रायड मोबाइल था, जिसे गोली छेदकर जांघ में घुस गया। इस दौरान कुछ दुकानदार बांस और रॉड लेकर अपराधी को घेरने का प्रयास करने लगे, लेकिन अपराधी फायरिंग करते हुए भाग गए। घटना के बाद बैजनाथपुर चौक के आसपास की सभी दुकानें बंद कर दी गईं। मृतक युवक बैजनाथपुर के पास सटे गम्हरिया गांव का रहने वाला राधे प्रसाद यादव का पुत्र अमित यादव बताया जाता है। अमित का अपने गांव के ही जगदीश यादव के पुत्र गौरव यादव सहित अन्य साथियों से एक दिन पहले बैजनाथपुर चौक पर ही एक दुकान पर कोरेक्स को लेकर विवाद हुआ था। उधर, घटना के विरोध में आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सहरसा-मधेपुरा एनएच 107 बैजनाथपुर चौक पर रखकर जाम कर अपराधियों की sगिरफ्तारी के लिए विरोध प्रदर्शन करने लगे। तीन घंटे बाद पुलिस द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी के दिए गए आश्वासन बाद जाम हटाया गया। पुलिस ने मृतक के मोबाइल को जब्त कर लिया है और घटनास्थल से चार खाली कारतूस भी बरामद कर लिया है। पुलिस बैजनाथपुर चौक पर स्थित कुछ दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगालेगी।

मृतक के पिता राधे प्रसाद यादव का कहना है कि रविवार की दोपहर गांव के जगदीश यादव का बेटा गौरव यादव हमारे घर पर आया और हमारे पुत्र अमित को बैजनाथपुर लेकर चला गया। एक घंटा के बाद पता चला कि अमित को गोली मार दी गई है। लोगों ने कहा कि हत्या के पीछे का कारण बैजनाथपुर चौक पर कोरेक्स सिरप व शराब का धंधा बताया जा रहा है।

सदर इंस्पेक्टर राजमणि ने बताया मामले को लेकर जांच चल रही है। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस सभी बिन्दुओं पर जांच कर रही है।

सत्याग्रह करते हुए विधायक नहाने लगे

गांधी प्रतिमा के पास बोले- हमारे विधायक इरफान को भाजपा ने झूठे मुकदमे में जेल भेजा

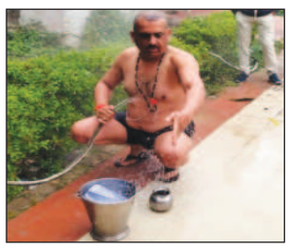

कानपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर में सपा विधायक इरफान सोलंकी के जेल जाने के बाद सपा ने कानपुर में सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत की है। 24 घंटे सत्याग्रह आंदोलन के बीच सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी का फूलबाग मैदान में गांधी प्रतिमा के पास ही नहाने के लिए बैठ गए। दरअसल, अखिलेश यादव ने पूरे प्रदेश में सरकार के खिलाफ सत्याग्रह आंदोलन का आह्वान किया है। इसकी शुरुआत कानपुर से की गई है। शनिवार दोपहर 12 बजे से लेकर रविवार दोपहर 12 बजे तक सत्याग्रह आंदोलन चला। इस दौरान विधायक मैदान में ही डटे रहे। नित्य क्रियाएं भी उन्होंने सत्याग्रह स्थल के आसपास ही की। घर से ही उन्होंने दूसरे कपड़े भी मंगाए। दोलन समाप्ति के बाद मीडिया से बात करते हुए सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी ने कहा कि अब जेल भरेंगे। सरकार जितने चाहे झूठे मुकदमे लगा लें, अब पीछे हटने वाले नहीं हैं। सरकार हमें जेल में डालने की प्लानिंग कर रही है, समाजवादी खुद ही जेल भर देंगे।

सत्याग्रह खत्म होने के बाद समाजवादी कानपुर में जेल भरो आंदोलन की शुरुआत करेंगे। पार्टी कार्यकर्ता आलाकमान के निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। अमिताभ ने कहा कि सत्ताधारी दल ने विधायक इरफान सोलंकी को झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भेजा है।

पहले बोले न्योता नहीं मिला, अब जताया राहुल गांधी का आभार

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। तीन जनवरी यानी कल से यह यात्रा देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में एंट्री करने जा रही है। इसी को लेकर कांग्रेस की ओर से यूपी के मुख्य विपक्षी दलों के नेताओं को न्योता भेजा गया था। सपा मुखिया अखिलेश यादव को भी भारत जोड़ो यात्रा का न्योता भेजा गया था। अब अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर इस यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले हर जगह अखिलेश यादव यह कहते घूम रहे थे कि उन्हें भारत जोड़ो यात्रा का निमंत्रण नहीं मिला है। उन्होंने इसे पत्रकारों की गप्पबाजी भी करार दे दिया था पर अब वह पत्र लिखकर राहुल गांधी को धन्यवाद दे रहे हैं।

अखिलेश यादव की तरफ से लिखे गए पत्र में कहा गया है- 'प्रिय राहुल जी, भारत जोड़ो यात्रा में आमंत्रण के लिए धन्यवाद और भारत जोड़ो की मुहिम की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। अखिलेश ने पत्र के जरिये कहा कि भारत भौगोलिक विस्तार से अधिक एक भाव है, जिसमें प्रेम, अहिंसा, करुणा, सहयोग और सौहार्द ही वो सकारात्मक तत्व हैं, जो भारत को जोड़ते हैं। आशा है ये यात्रा हमारे देश की इसी समावेशी संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी।'

दअरसल कांग्रेस की ओर से निकली जा रही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए सपा मुखिया अखिलेश यादव और राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ-साथ बसपा सुप्रीमो मायावती को भी न्योता दिया गया था। इसके साथ ही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर और उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा समेत विभिन्न पार्टियों के नेताओं को सोमवार को आगामी 3 जनवरी को उत्तर प्रदेश में दाखिल हो रही कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होने का न्योता दिया था।

विजय की नीतीश को नसीहत

कहा- यात्रा के नाम पर बिहार का तेरहवां करके पिकनिक मत मनाइए

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा के विपक्ष नेता विजय कुमार सिन्हा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर बरसे। उन्होंने पांच जनवरी से शुरू होने वाली नीतीश कुमार की यात्रा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह पहली यात्रा नहीं है। इससे पहले 13 बार यात्रा कर चुके हैं। अब तो बिहार का तेरहवां कर दीजिए। बिहार के सब लोग समझते ही हैं कि तेरहवां कब होता है। मुख्यमंत्री जी यात्रा के नाम पर पिकनिक मत मनाइए। इतना ही नहीं उन्होंने राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगतानंद सिंह की बातों का हवाला देते हुए कहा कि 13 यात्रा में आपके बड़े दल के प्रदेश अध्यक्ष जगताबाबू ने कहा था कि पहले की यात्रा उपयोगी होती तो फिर यात्रा की जरूरत नहीं होती है। उन्होंने कहा कि इस शासनकाल में पदाधिकारियों की अराजकता का वातावरण बिहार में बना है। भ्रष्टाचार और अपराध चरम तक पहुंच गया है। नीतीश को इनकी समीक्षा हर जिले में करनी चाहिए। विजय सिन्हा ने नीतीश कुमार के शराबबंदी पर भी जमकर कर बोले। उन्होंने कहा कि आपकी शराबबंदी के कारण कितने लोग मरे, कितना शराब माफिया पैदा हो गया। शराबबंदी के कारण माफियाओं ने अपराधियों के गिरोह खड़े कर दिए और शराबबंदी के कारण हर थाने और पुलिस महकमा में कितने लोग करोड़पति और अरबपति हो गये इसकी समीक्षा कीजिए। बीजेपी का दामन छोड़ राजद के साथ मिलकर सरकार बनाने के विरोध में विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार को सुधारने के लिए जनता ने जनादेश दिया था।

यूपी के मदरसों को लेकर बड़ा फैसला

बदल जाएगा पढ़ाई का तौर-तरीका

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मान्यता प्राप्त मदरसों को लेकर एक और अहम फैसला लिया गया है। सोमवार को मदरसा शिक्षा परिषद के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद ने कहा कि आगामी सत्र यानी मार्च से शुरू होने वाले सेशन में प्री-प्राइमरी कक्षाएं भी कराई जाएंगी। इस व्यवस्था के तहत बच्चों को केजी, एलकेजी और यूकेजी की पढ़ाई कराई जाएगी। इसमें बच्चों को विज्ञान, गणित आदि विषय भी पढ़ाए जाएंगे। इसके साथ ही मदरसों में कंप्यूटर शिक्षा भी दी जाएगी। प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। मदरसा बोर्ड के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद का ने बताया कि कि मदरसों को आधुनिक बनाने की कवायद चल रही है। यूपी मदरसों के बच्चे विज्ञान, गणित जैसे विषय पढ़ें और शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल करने की कोशिश की जा रही है। मदरसे के बच्चे किसी भी तरह से आधुनिक शिक्षा हासिल करने में छूटे ना इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2023- 24 के सत्र में नया पाठ्यक्रम, दीनी शिक्षा के साथ ही आधुनिक शिक्षा भी कराई जाएगी। क्योंकि वर्तमान समय में कम उम्र के बच्चे भी मदरसे में पढ़ने के लिए जाते हैं। इस लिहाज से उन्हें शुरुआती दौर में ही बेहतर शिक्षा मिल पाए, इसके लिए यह फैसला लिया गया है। बीते 21 दिसंबर को मदरसा बोर्ड की बैठक में कई प्रस्ताव रखे गए थे। इसमें मदरसों में एक सामान यूनिफॉर्म, हज और उमरा अवकाश की व्यवस्था, मदरसों में शिक्षकों के लिए एमटीईटी अनिवार्य करने का प्रस्ताव था।

इसके अलावा सबसे अधिक चर्चा इस बात की थी कि मदरसों में साप्ताहिक अवकाश जुमे की जगह रविवार को कर दिया जाए। वहीं यूपी मदरसा बोर्ड ने वर्ष 2023 का कैलेंडर जारी किया था।

केरल में खराब खाना खाने से 100 से ज्यादा लोग बीमार

स्वास्थ्य मंत्री ने दिए जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम, 2 जनवरी (एजेंसियां)। केरल में कथित रूप से खराब खाना खाने से करीब 100 लोग बीमार हो गए। सभी बीमार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, घटना पठानमथिट्टा जिले के कीजवईपुर में हुई।

यहां 29 दिसंबर को एक नामकरण संस्कार में कई लोग शामिल हुए थे। समारोह में सभी ने खाना खाया और अपने घर लौट आए। अधिकारियों का कहना है कि घर आने के बाद उन सभी की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इस मामले में पुलिस ने कैटरिंग सर्विस के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, खाने के भी सैंपल इकट्ठा किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। अधिकारियों का कहना है कि स्वास्थ्य मंत्री ने इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

बेंगलुरु में बिजनेसमैन ने खुद को गोली मारी

कार में मिली लाश, सुसाइड नोट में बीजेपी विधायक समेत 6 पर परेशान करने का आरोप

बेंगलुरु, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक 47 वर्षीय बिजनेसमैन ने खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। उसने सुसाइड नोट में भाजपा विधायक समेत छह लोगों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारियों ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि 47 साल के एस प्रदीप रविवार को नेतिगेरे गांव में अपनी कार में मृत पाए गए थे। उन्होंने खुद को कनपटी पर गोली मार ली थी। छानबीन के दौरान पुलिस को कार से सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने भाजपा विधायक अरविंद लिंबावली समेत 6 लोगों के नाम लिखें हैं और उन्हें इस कदम के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

एक क्लब में किया था 1.2 करोड़ रुपए का निवेश

पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट में लिखा है कि प्रदीप ने गोपी और सोमैया के कहने पर 2018 में बेंगलुरु के एक क्लब में 1.2 करोड़ रुपए का निवेश किया था। उन्हें क्लब के लिए काम करने के लिए वेतन सहित हर महीने 3 लाख रुपए वापस करने का वादा किया था। गोपी और सोमैया ने कई महीनों तक प्रदीप को पैसा वापस नहीं किया और बाद में पैसा वापस करने से इनकार कर दिया।

प्रदीप ने भुगतान के लिए अपना घर बेचा

सुसाइड नोट में बताया गया कि प्रदीप ने ब्याज चुकाने के लिए कई लोन लेने पड़े और भुगतान करने के लिए अपना घर और खेत बेचने पड़े। कई मिन्नतें करने के बाद भी उन लोगों ने प्रदीप को रुपए नहीं लौटाए। प्रदीप इस मुद्दे को भाजपा विधायक अरविंद लिंबावली के पास ले गए। विधायक ने प्रदीप के पैसे वापस करने के लिए दोनों लोगों से बात की, लेकिन उन्होंने कहा कि वे केवल 90 लाख रुपए लौटाएंगे।

अचानक नहीं हुई थी नोटबंदी : छह महीने से चल रही थी तैयारी

सुप्रीम फैसले के बाद भी ये सवाल बाकी

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने साल 2016 में आठ नवंबर की रात 500 और 1000 रुपए के नोटों को बंद कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद राष्ट्र के नाम संबोधन में इसका एलान किया था। सरकार के इस एलान के बाद देशभर के बैंकों, एटीएम पर लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई दिखी थीं। लोगों ने पुराने नोट बदलकर नए नोट हासिल करने के लिए काफी जद्दोजहद की थी। सरकार के नोटबंदी के फैसले को विपक्ष ने मुद्दा बनाया। केंद्र सरकार पर तमाम तरह के आरोप लगाए थे। विपक्ष ने इसे बिना सोचे-समझे लिया गया फैसला बताया था। यहां तक आरोप लगे थे कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसके लिए संबंधित पक्षों से बात तक नहीं की थी। इसके खिलाफ कोर्ट में 58 अलग-अलग याचिकाएं दाखिल हुईं थीं। इनपर लंबी सुनवाई के बाद कोर्ट ने सात दिसंबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था। नोटबंदी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पांच जजों की बेंच ने अहम फैसला सुनाया। जस्टिस एस अब्दुल नजीर ने इसकी अध्यक्षता की। इस बेंच में जस्टिस नजीर के अलावा जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन और जस्टिस बीवी नागरत्ना शामिल रहे।

कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया?

कोर्ट ने सरकार के नोटबंदी के कदम को सही ठहराते हुए इसके खिलाफ दायर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा है कि यह निर्णय कार्यकारी की आर्थिक नीति होने के कारण उलटा नहीं जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि नोटबंदी से पहले केंद्र और आरबीआई के बीच सलाह-मशविरा हुआ था। इस तरह के उपाय को लाने के लिए दोनों के बीच एक समन्वय था।

कोर्ट ने कहा है कि नोटबंदी की प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। आरबीआई के पास विमुद्रीकरण लाने की कोई स्वतंत्र शक्ति नहीं है और केंद्र और आरबीआई के बीच परामर्श के बाद यह निर्णय लिया गया।

58 याचिकाओं पर हुई सुनवाई

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 नवंबर, 2016 को केंद्र द्वारा घोषित नोटबंदी को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई की है। इन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान 500 रुपये और 1,000 रुपये के करेंसी नोटों को बंद करने को गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण बताते हुए वरिष्ठ वकील चिदंबरम ने तर्क दिया था कि सरकार कानूनी निविदा से संबंधित किसी भी प्रस्ताव को अपने दम पर शुरू नहीं कर सकती है। ये केवल आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश पर किया जा सकता है।

वहीं, 2016 की नोटबंदी की कवायद पर फिर से विचार करने के शीर्ष अदालत के प्रयास का विरोध करते हुए सरकार ने कहा था कि अदालत ऐसे मामले का फैसला नहीं कर सकती है जब 'घड़ी को पीछे करने' से कोई ठोस राहत नहीं दी जा सकती है।

कर्नाटक में कांग्रेस का सीएम उम्मीदवार कौन तय करेगा? प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने दी जानकारी

हुबली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में चुनाव नजदीक आने के बाद कांग्रेस पार्टी में मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर माथापच्ची जारी है। वहीं इस मामले पर अब कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि अप्रैल-मई में संभावित विधानसभा चुनाव में पार्टी के सत्ता में आने की स्थिति में पार्टी आलाकमान तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा? शिवकुमार ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी इसपर फैसला करेंगे। वे जो भी फैसला करेंगे वह हमारे लिए प्रसाद जैसा है। जैसे-जैसे कर्नाटक में चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार परोक्ष रूप से खुद की अपनी दावेदारी पेश करते नजर आते हैं। हालांकि, मीडिया के सामने दोनों नेता इस मामले पर बयानबाजी से बचते नजर आते हैं। कभी-कभी सदन में दोनों गुटों के समर्थकों के बीच मतभेद भी देखा जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में बड़ा हादसा : समुद्र तट के ऊपर टकराए दो हेलीकॉप्टर, चार लोगों की दर्दनाक मौत, कई अन्य घायल

कैनबरा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में दो हेलीकॉप्टरों के बीच टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और तीन लोगों की हालत गंभीर है।

यह घटना ब्रिस्बेन के दक्षिणी भाग पर स्थित समुद्र तट के ऊपर घटी है। क्वींसलैंड के पुलिस निरीक्षक गैरी वॉरिल के अनुसार दोनों हेलीकॉप्टर उस समय आपस में टकरा गए जब वे गोल्ड कोस्ट के मेनबीच के ऊपर से गुजर रहे थे और अचानक इसी दौरान संतुलन बिगड़ गया। अधिकारियों ने कहा कि समुद्र तट पर घटना होने के कारण रेस्क्यू करने में दिक्कत आ रही है।

हालांकि, बचाव दल और डॉक्टर्स किसी तरह वहां पहुंच गए हैं। देश के पसंदीदा पर्यटन स्थलों में एक गोल्ड कोस्ट पर छुट्टियों के दौरान काफी भीड़ रहती है।

दोनों हेलीकॉप्टर्स में 13 लोग सवार थे

क्वींसलैंड एम्बुलेंस सर्विस के जेनी शियरमैन के अनुसार, दो हेलीकॉप्टरों में 13 लोग सवार थे। उनमें से चार लोगों की मौत हो गई, तीन को गंभीर चोटें आईं और छह को मामूली चोटें आईं, जिसमें कांच के टुकड़े भी शामिल थे। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

एक हेलीकॉप्टर उतर रहा था तो एक भर रहा था उड़ान

साइट की तस्वीरों में रेत की एक पट्टी पर मलबा पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है, जिसमें जमीन पर कर्मचारी और आसपास के पानी में कई जहाज हैं।वॉरिल ने कहा कि हालांकि दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाना जल्दबाजी होगी, शुरुआती पूछताछ से पता चलता है कि जब वे टकराए तो एक हेलीकॉप्टर उड़ान भर रहा था और दूसरा उतर रहा था।

एक हेलीकॉप्टर सुरक्षित उतारा गया

एक हेलीकॉप्टर की विंडस्क्रीन हटा दी गई है, और यह द्वीप पर सुरक्षित रूप से उतरा है। दूसरा (हेलीकॉप्टर) दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और वह उल्टा हो गया था। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद, आस-पास की पुलिस और जनता के सदस्य हेलीकॉप्टर के अंदर मौजूद लोगों को निकालने और प्राथमिक उपचार करने की कोशिश कर रहे थे।

कॉलेज कैंपस में युवक ने छात्रा को चाकू मारा, मौत

बेंगलुरु, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु के प्रेसिडेंसी कॉलेज में एक स्टूडेंट ने छात्रा की चाकू मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने खुद को भी चाकू मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने बताया कि दोनों कोलार के एक ही गांव के रहने वाले हैं। वारदात की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कॉलेज कैंपस में तैनात सुरक्षाकर्मी घायल छात्रा को उठाकर एम्बुलेंस तक ले जा रहे हैं। आगे चल रहा सिक्योरिटी गार्ड सीटी बजाकर सामने खड़े लोगों को रास्ता बनाने के लिए कहता है। उसके पीछे कुछ सुरक्षाकर्मी छात्रा को लेकर आ रहे हैं।

हमलावर ने खुद को भी चाकू घोंपा

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना 2 जनवरी की दोपहर 1 बजे की है। प्रेसिडेंसी कॉलेज के परिसर में बीटेक के स्टूडेंट पवन कल्याण ने 19 साल की छात्रा लयस्मिथा पर चाकू से हमला कर दिया। इससे छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद पवन ने खुद को चाकू मारकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हमलावर की हालत भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि आरोपी पवन और छात्रा कोलार शहर के एक ही गांव में रहते हैं। दोनों अलग-अलग कॉलेज में पढ़ते हैं, लेकिन पवन ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह पता नहीं चली है।

कार ने लड़की को 4 कि.मी तक घसीटा, मौत

हड्डियां तक छिल गईं; मां बोली-इतने कपड़े पहने थे, फिर तन पर कुछ क्यों नहीं मिला

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के जश्न के बीच राजधानी दिल्ली में 20 साल की लड़की को करीब 4 किमी तक सड़क पर घसीटने के मामले में दिल्ली पुलिस की थ्योरी सवालों के घेरे में आ गई है। पुलिस का कहना है कि ये जानलेवा एक्सीडेंट है, लेकिन परिवार वाले इसे मर्डर कह रहे हैं। पीड़ित की मां का कहना है कि वह बहुत सारे कपड़े पहने थी, लेकिन जब उसकी बॉडी मिली तो वह पूरी तरह नेकेड थी। एक भी कपड़ा नहीं था। ये कैसा एक्सीडेंट है?

दरअसल, दिल्ली के कंझावला इलाके में 31 दिसंबर को कार सवार 5 युवकों ने 20 साल की एक युवती को टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक कार लेकर भागने लगे। लड़की कार के नीचे फंसी रही और करीब 4 किलोमीटर तक सड़क पर घिसटती रही। पुलिस के मुताबिक, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पांचों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। इन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

घिसटने से हड्डियां टूटीं, मांस निकल आया

जो सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। उनमें कार के नीचे युवती को घिसटते देखा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चार किमी तक युवती कार में फंसी रही। घसीटे जाने की वजह से युवती की पीठ और सिर की हड्डियां बुरी तरह से घिस गईं। मांस निकल गया। दोनों पैरों की हड्डियां भी टूट गईं, जिससे उसकी बेहद दर्दनाक मौत हुई। कपड़े फट गए। जब उसकी लाश मिली तो उसके शरीर पर एक भी कपड़ा नहीं बचा।

आप विधायक की कार में तोड़-फोड़ की

आप विधायक और दिल्ली विधानसभा की डिप्टी स्पीकर राखी बिड़लान प्रदर्शन कर रहे अंजलि सिंह के परिवार से मिलने पहुंची। राखी ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा- 'आरोपी बीजेपी कार्यकर्ता हैं। इन्हें पुलिस बचा रही है। पुलिस बीजेपी के दबाव में काम कर रही है। ये क्या तरीका है। परिवार को लड़की का शव क्यों नहीं दिखाया जा रहा।' उधर, जब राखी लड़की की मां से मिलने पहुंची तो परिवार वालों ने उनकी गाड़ी को रोक दिया और तोड़फोड़ की।

पीड़ित लड़की का नाम अंजलि सिंह है। वह 20 साल की है और अमन विहार में रहती है। परिवार में मां और दो भाई और चार बहने हैं। वह अकेली कमाने वाली थी और एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में काम करती थी। न्यू ईयर पर एक इवेंट में काम के लिए घर से निकली थी। ऐसा बताया कि शनिवार-रविवार की रात वह ऐसे ही एक फंक्शन से लौट रही थी।

'ऐसे लोगों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए'

सीएम केजरीवाल बोले-बेहद शर्मनाक

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के कंझावला में हुई घटना को लेकर दिल्ली पुलिस पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं. वहीं आम आदमी पार्टी इस शर्मनाक घटना को लेकर बीजेपी पर कई तरह के सवाल उठा रही है. इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप मुखिया अरविंद केजरीवाल का भी इस घटना को लेकर बयान सामने आ गया है. कंझावला में हुई इस शर्मनाक घटना को लेकर सीएम केजरीवाल ने कहा कि ऐसे लोगों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

कंझावला मामले को सीएम केजरीवाल ने बेहद शर्मनाक घटना बताया और कहा कि हमारा समाज किस तरफ जा रहा है. कुछ लड़कों ने कई किलोमीटर तक घसीटा एक लड़की को ये बेहद दर्दनाक है. पोस्टमार्टम अभी चल रहा है सच जल्द पता चलेगा. चाहे आरोपी कितने भी रसूख वाले क्यों ना हों उनको सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिये। वहीं इस घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है और सुल्तानपुरी पुलिस स्टेशन के बाहर लोगों ने जाम लगा दिया है।

एमपी में कांग्रेस विधायक ने बर्थडे पर किया फायर

मैं हूं डॉन... गाने पर रिवॉल्वर लहराई; सफाई में बोले-खिलौने वाली बंदूक थी

अनूपपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में कोतमा से कांग्रेस विधायक सुनील सराफ अपने जन्मदिन के कार्यक्रम में रिवॉल्वर से फायरिंग कर विवादों में घिर गए हैं। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद उनके खिलाफ कोतमा थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

जितने कारतूस मुझे इश्यू हुए उन सबका रिकॉर्ड मेरे पास

सुनील सराफ ने अपनी सफाई में कहा है कि खिलौने वाली बंदूक से फायर किया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी हर जगह जल्दबाजी दिखाती है। मैं जांच के लिए तैयार हूं। जितने कारतूस मुझे इश्यू हुए उन सबका रिकॉर्ड मेरे पास है।

घर पर ही हो रहा था कार्यक्रम

वीडियो 1 जनवरी का है। विधायक ने अपने जन्मदिन पर घर पर कार्यक्रम रखा था। इसमें आम लोग और कई कांग्रेस नेता मौजूद थे। फिल्मी गानों पर डांस हो रहा था। जैसे ही 'मैं हूं डॉन' गाना बजा, विधायक सुनील नाचते हुए मंच पर पहुंचे और अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर निकालकर हर्ष फायरिंग कर दिया। किसी ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

पिछले साल ही मिला रिवॉल्वर का लाइसेंस

विधायक सराफ जिस रिवॉल्वर से फायर करते दिखाई दे रहे हैं वह लाइसेंसी है। उन्हें एक साल पहले ही रिवॉल्वर का लाइसेंस मिला है। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेता दिलीप जायसवाल और अन्य नेताओं ने इसकी शिकायत पुलिस से की। जब विधायक ने फायर किया उस समय मंच पर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष मनोज सोनी और कोतमा नगर पालिका के उपाध्यक्ष के पति बद्री ताम्रकार भी मौजूद थे।

गृहमंत्री बोले-पिस्टल लहराकर डांस करना गलत

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कांग्रेस विधायक का इस तरह पिस्टल लहराकर डांस करना गलत है। उन्होंने अनूपपुर एसपी जितेंद्र सिंह पवार को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एसपी ने कहा कि स्थानीय लोगों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। शुरुआती तौर पर वीडियो में फायरिंग होते दिखाई दे रही है। इस पर कोतमा थाने में केस दर्ज किया गया है। पवार ने बताया कि कोतमा टीआई अजय बैगा को वीडियो की जांच के निर्देश दिए हैं।

महादयी नदी जल विवाद : कर्नाटक में बांधों के लिए डीपीआर की मंजूरी का विरोध

पीएम से मिलेगा गोवा का प्रतिनिधिमंडल

पणजी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महादयी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर गोवा और कर्नाटक सरकार के बीच मतभेद कम होता नजर नहीं आ रहा है। इस मामले पर अब गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि वह कर्नाटक को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए केंद्र द्वारा दी गई मंजूरी का विरोध करते हुए जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिलने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

सावंत ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की घोषणा के बाद इस मुद्दे पर चर्चा के लिए एक विशेष कैबिनेट बैठक बुलाई थी, जिसमें केंद्र ने महादयी नदी पर दो बांधों की डीपीआर को मंजूरी दे दी थी। सावंत ने कहा कि गोवा सरकार महादयी नदी के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगी। कलसा और भांडुरा में बांधों के निर्माण से उत्तरी गोवा जिले में रहने वाले लोगों की पेयजल आवश्यकता प्रभावित होगी। सावंत ने कहा कि सभी को एकजुट होना चाहिए।

कोरोना में पत्नी को खोया, अब बनवाई सिलिकॉन की प्रतिमा

गहने पहनाते हैं और बातें भी करते हैं; 2.5 लाख में बनी

कोलकाता, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कोलकाता के 65 साल के तपस शांडिल्य ने अपनी दिवंगत पत्नी की सिलिकॉन स्टैच्यू बनवाई है। दरअसल, कोरोना की दूसरी लहर में उनकी पत्नी इंद्राणी की मौत हो गई थी। इसके बाद तपस ने 2.5 लाख रुपए खर्च कर पत्नी की प्रतिमा बनवाई।

तपस इस स्टैच्यू का अपनी पत्नी की तरह ही ख्याल भी रखते हैं। रोज उसे तैयार करते हैं, सोने के गहने पहनाते हैं और उससे बातें भी करते हैं। पूरे इलाके में तपस का पत्नी के लिए प्रेम और इंद्राणी की मूर्ति चर्चा का विषय बनी हुई है। शहर के कैखाली इलाके में रहने वाले तपस सिंह रिटायर्ड केंद्रीय कर्मचारी हैं। वे बताते हैं कि वे करीब 10 साल पहले पत्नी के साथ मायापुर के इस्कॉन मंदिर गए थे। यहां दोनों ने ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी की सजीव प्रतिमा देखी, जिससे वे काफी प्रभावित हुए। तभी इंद्राणी ने तपस से कहा कि अगर मेरी मौत हो जाती है तो आप मेरी ऐसी ही प्रतिमा बनवा लेना।

कोरोना से पत्नी की मौत हो गई थी

इंद्राणी ने यह बात मजाक में कही थी, लेकिन तपस ने तभी सोच लिया था कि अगर मेरे जिंदा रहते ऐसा होता है तो मैं इंद्राणी की यह इच्छा जरूर पूरी करूंगा। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में इंद्राणी संक्रमित हुईं, फिर 4 मई 2021 को उनकी मौत हो गई। इस हादसे ने तपस को अंदर तक हिला दिया। फिर तपस ने पत्नी की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए इंटरनेट पर सिलिकॉन की प्रतिमा बनाने वालों लोगों के बारे में सर्च करना शुरू किया।

तपस की तलाश 2022 की शुरुआत में खत्म हुई। उन्होंने मूर्तिकार सुबीमल दास को पत्नी की प्रतिमा बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। इंद्राणी की मूर्ति बनाने के लिए सुबीमल ने तपस से उनकी तस्वीरें मांगी। सुबीमल बताते हैं कि सबसे पहले उन्होंने मिट्टी का मॉडल बनाया, फिर फाइबर मोल्डिंग और सिलिकॉन कास्टिंग की गई।

6 महीने और 2.5 लाख रुपए में बना स्टैच्यू

इस काम में 6 महीने का समय और 2.5 लाख रुपए खर्च हुए। अब कोई भी तपस के घर आता है तो उसे यह नहीं लगता कि इंद्राणी अब उनके साथ नहीं हैं। प्रतिमा का वजन 30 किलो है, तपस उसे अपनी पत्नी की तरह सोने के गहने पहनाकर रखते हैं। तपस बताते हैं कि शुरुआत में मेरे कई रिश्तेदार इस फैसले के खिलाफ थे। हालांकि बाद में सभी मेरी जिद के आगे झुक गए।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 3 जनवरी, 2023

नशीले जहर में गर्क होती जिंदगी

शराब पर प्रतिबंध के ज्यादातर उपायों के नाकाम रहने के दो कारण हैं। पहली वजह यह है कि वे ज्यादातर अव्यावहारिक होते हैं और दूसरी वजह है कि सरकारें इस समस्या को तात्कालिक नजरिए से देखती हैं, दीर्घकालिक नजरिए से नहीं। शराबबंदी की सबसे अहम अव्यावहारिकता यही है कि इसमें कमजोर वर्ग और निचले तबके के उन लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज किया गया है, जिनके लिए शराब एक राहत का काम करती है। गांव-देहात, उपेक्षित पिछड़े इलाकों और सीमांत दुर्गम जंगली क्षेत्रों में बनी जहरीली अवैध, सस्ती शराब पीने वाले अनगिनत लोग गाहे-बगाहे अस्पताल पहुंचते रहते हैं। जिन पर इसके जहर का ज्यादा असर होता है, वे तो अस्पताल की देहरी भी नहीं छू पाते। मगर अवैध शराब की बिक्री रोकने को लेकर शासन-प्रशासन का रवैया हर जगह कमोबेश एक जैसा है।

किसी बड़ी घटना के बाद चंद दिनों तक सरकार की सख्ती इस रूप में दिखाई देती है कि मरने वालों के परिजनों को मुआवजे के तौर पर कुछ रकम थमा दी जाती है। अवैध शराब भट्टियों की तोड़फोड़ और इक्का-दुक्का शराब माफिया की गिरफ्तारियों की रस्मी कवायद के बाद एक बार फिर किसी और जगह यह किस्सा दोहराए जाने तक पूरा तंत्र पहले की तरह सो जाता है।

अहम सवाल यह है कि जहरीली शराब के ऐसे हादसे अक्सर देश के पिछड़े और उपेक्षित इलाकों में ही क्यों होते हैं? गरीब-मजदूर तबका ही इसका शिकार क्यों बनता है? इसका एक आसान जवाब तो हर कोई जानता है कि सरकारी ठेकों के बजाय सामान्य परचून की दुकानों और ढाबों आदि पर बिकने वाली ऐसी देसी शराब की गुणवत्ता जांचने का चलन अपने देश में नहीं है। यह धंधा पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत से चलने वाले शराब माफिया के लंबे-चौड़े नेटवर्क की देन है। मगर इसकी निगरानी से जुड़े तंत्र का हर पुर्जा इसे देखकर भी तब तक अनजान बना रहता है, जब तक कि कोई बड़ा हादसा न हो जाए। आखिर यह माफिया बिहार जैसे शराबबंदी वाले राज्यों के बड़े इलाके में भी लोगों को सस्ती शराब कहां से और कैसे मुहैया करा पाता है। साफ है कि पुलिस और आबकारी विभाग के कारिंदों की रिश्वतखोरी और पैसे-रसूख के बल पर हासिल राजनीतिक संरक्षण के चलते यह नेटवर्क जैसे चाहे, जहां चाहे शराब खपाने में समर्थ है। क्या सरकारों ने कभी इस सवाल पर विचार किया है कि सस्ती शराब के जहर का शिकार झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाला मजदूर-गरीब तबका ही क्यों होता है?

चूंकि गरीब की ही शराब जहरीली होती है, लिहाजा कुछ दिनों तक ऐसी घटनाओं पर मातमपुर्सी के लिए तंत्र की लापरवाही, शराब माफियाओं की ऊंची पहुंच और उसके लालच का जिक्र होता है, जो शराब में मेथेनाल की जानलेवा मिलावट कर अपना मुनाफा बढ़ाना चाहता है। आम लोग भी ऐसी घटनाओं पर अक्सर ऐसी उपदेशात्मक टीका-टिप्पणी करके खामोश हो जाते हैं कि ये बेचारे लोग क्यों शराब पीना छोड़ नहीं देते या सरकारी ठेके पर कतार में लग कर महंगी शराब क्यों नहीं खरीदते। या फिर 'पीओगे, तो मरोगे' ही। जबकि बात इस मुद्दे पर होनी चाहिए कि एक उपभोक्ता के रूप में गरीबों को भी कम कीमत वाली, लेकिन सुरक्षित और मुहरबंद शराब खरीदने और उसके सेवन का हक है।

गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में तमाम उपभोक्ता वस्तुओं की तरह शराब भी एक उत्पाद है, लिहाजा वहां इसकी गुणवत्ता, कीमत आदि की निगरानी खानपान की दूसरी वस्तुओं की तरह होती है। जबकि हमारे देश में सरकारें इसे सामाजिक नैतिकता से जोड़ कर देखती हैं। बिहार में वर्ष 2016 में घोषित की गई और अब तक लागू शराबबंदी के पीछे यही नैतिकतावाद का फलसफा नहीं, तो और क्या था!

विडंबना है कि हमारा समाज भी इससे होने वाले हादसों को देख कर एक द्वंद्व में फंस जाता है और पूर्ण शराबबंदी जैसे उपायों की मांग कर बैठता है। यही वजह है कि देश के कई हिस्सों में शराबबंदी को लेकर महिलाओं तक ने आंदोलन चलाए और इनके असर से गुजरात, बिहार, मिजोरम, नगालैंड, मणिपुर और लक्षद्वीप में सरकारों ने शराबबंदी कर रखी है। पर इसकी एक सच्चाई यह है कि तमाम प्रतिबंधों के बावजूद हमारे समाज में आधुनिकता के नाम पर शराब की स्वीकार्यता बढ़ी है।

वर्ष 2019 में केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा 186 जिलों में दो लाख से ज्यादा घरों में कराए गए साझा सर्वे में पता चला था कि देश में शराब का सेवन करने वालों की संख्या सोलह करोड़ है। शराब पीने वाले दस से पचहत्तर साल आयु वर्ग के ऐसे लोगों का प्रतिशत 14.6 निकलता है, जो साबित करता है कि अगर लोगों को वैध ढंग से सस्ती और गुणवत्ता वाली मुहरबंद शराब मिले तो इससे होने वाले हादसों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

असल में, शराबबंदी के प्रयास और ऐसे संकल्प व्यावहारिक समस्याओं के कारण ज्यादा नहीं टिक पाते हैं, जिससे समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। यहां उल्लेखनीय है कि पाबंदी के बावजूद बिहार में राज्य आबकारी निगम के तहत बनाई और बेची जाने वाली विदेशी किस्म की शराब छूट के दायरे में है। इससे यह मत बनता है कि सामाजिक रूप से देसी शराब ही ज्यादा नुकसान की वजह बनती रही है। निस्संदेह आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोग सस्ते में मिलने वाली देसी शराब का सेवन करते रहे हैं, जिससे पारिवारिक कलह और उनके आर्थिक नुकसान जैसी समस्याएं तो पैदा हुई ही हैं, मौतों का आंकड़ा भी काफी रहा है।

यही नहीं, देखा जा रहा है कि जिन राज्यों में पहले से ऐसे प्रतिबंध लागू किए गए हैं, वहां सीमावर्ती इलाकों के दूसरे राज्यों से देसी शराब की निर्बाध आपूर्ति होती रही है। गुजरात में शराबबंदी लागू है, लेकिन पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से सटे सीमावर्ती इलाकों में शराब की खपत काफी है। यही समस्या बिहार में देखने को मिल रही है। नेपाल के अलावा झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश से सटे सीमाई इलाकों से होने वाली शराब की तस्करी ऐसे प्रतिबंध को बेमानी साबित करती है। इसी तरह रसूख और ऊंचे राजनीति संपर्कों के बल पर चलती शराब की अवैध भट्ठियों को बंद कराना एक बड़ा सिरदर्द है।

शराब पर प्रतिबंध के ज्यादातर उपायों के नाकाम रहने के दो कारण हैं। पहली वजह यह है कि वे ज्यादातर अव्यावहारिक होते हैं और दूसरी वजह है कि सरकारें इस समस्या को तात्कालिक नजरिए से देखती हैं, दीर्घकालिक नजरिए से नहीं। शराबबंदी की सबसे अहम अव्यावहारिकता यही है कि इसमें कमजोर वर्ग और निचले तबके के उन लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज किया गया है, जिनके लिए शराब एक राहत का काम करती है।

शहरों-कस्बों के दुर्गंधयुक्त मैनहोल साफ करने वाले कर्मचारी प्रायः शराब पीकर ही गटर में उतरते हैं, ताकि वे दुर्गंध से बच सकें और यह काम कर सकें। उन्हें शराब पीने से रोका जा सकता है, बशर्ते उन्हें दुर्गंध से बचाने वाले मास्क दिए जाएं और इस काम के लिए अतिरिक्त मेहनताना मिले। ऐसे लोगों को अगर शराब वैध तरीकों से नहीं मिलेगी, तो वे इसके लिए अवैध रास्ते अपनाएंगे, जिससे चोरी-छिपे शराब का कारोबार बढ़ेगा और सस्ती शराब ज्यादा महंगे दामों में बिकेगी।

इसलिए लगता है कि शराबबंदी लागू करने और संकल्प लेने के पीछे परोक्ष भाव उपदेशात्मक है, यानी लोग खुद शराब छोड़ दें या विदेशी शराब महंगे दामों पर खरीदें। इससे यह लग रहा है कि सिर्फ गरीबों को शराब से वंचित किया जा रहा है, जबकि अमीरों को विदेशी शराब पहले की तरह आसानी से मिलती रहेगी। दिल्ली में खुले सरकारी ठेके इसका प्रतीक हैं।

जानलेवा दवाएं

एक फैशन हो गया है कि जब कोई साधारण मर्ज दिखे तो खुद ही डाक्टर बन कर मरीज अपना इलाज शुरू कर देता है। अक्सर देखा गया है कि ऐसी दवाइयां ही मरीजों की जान तक ले लेती हैं। फिर भी ऐसा इलाज करने से कोई चूक नहीं रहा है। यही कारण है कि पिछले तीन महीने के अंदर यह दूसरी बार है, जब खांसी से आराम के लिए दी गई दवा से कई बच्चों की मौत की खबर आई। अब सबसे बडा सवाल भारत में बनी उस सिरप पर उठाया जा रहा है जिसने बच्चों की जान ली है। खबरों के अनुसार उज्बेकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अठारह बच्चों की मौत के लिए भारत में बनने वाली खांसी की दवा को ही जिम्मेदार ठहराया है। अब उजबेकिस्तान के मामले को देखा जाए तो सिरप के असर से ही इतनी संख्या में बच्चों की मौत हुई है, जो बेहद चिंताजनक है। उज्बेकिस्तान से आई खबरों पर विश्वास करते हुए भारत में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण की टीम की ओर से दवा निर्माता कंपनी का निरीक्षण किया गया, उसके बाद संबंधित कंपनी की नोएडा इकाई में सभी उत्पादन गतिविधियों को ठप कर दिया गया है। हालांकि इस मामले में जांच की प्रक्रिया के किसी नतीजे पर पहुंचने के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि अगर बच्चों की जान जाने की वजह यह दवा थी, तो उसमें मिलाए गए कौन-से रसायन इसके लिए जिम्मेदार थे। गौरतलब है कि करीब तीन महीने पहले अफ्रीकी देश गांबिया में भी भारत की एक कंपनी की खांसी की दवा लेने से साठ से ज्यादा बच्चों की मौत की खबरें आई थीं। हालांकि उस घटना के बाद दवा के ही घातक होने को लेकर कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आ सका था। लेकिन किसी दवा के असर से कई मरीजों के भीतर समान प्रतिक्रिया होती है, तब इस बात की आशंका पैदा होती है कि क्या इसे किसी रासायनिक मिश्रण का दुष्परिणाम माना जा सकता है! उस समय विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ ने इसे लेकर एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक आरोपों के घेरे में आई खांसी की कुछ दवाएं इंसान के लिए जहर की तरह हैं। डब्लूएचओ का कहना है कि इथिलेन ग्लाइकाल दरअसल 'कार्बन कंपाउंड' है, जिसमें न खुशबू होती है और न कोई रंग। यह मीठा होता है, जिसे बच्चों के लिए तैयार खांसी की दवा में इसलिए मिलाया जाता है, ताकि उसे पीने में वे ज्यादा ना-नुकुर न करें। लेकिन अगर किन्हीं वजहों से इसकी मात्रा में असंतुलन हो जाता है, तो यही दवा जानलेवा साबित हो सकती है। यही वजह है कि ये दवाएं विकसित अमेरिका, आस्ट्रेलिया और यूरोप के कई देशों में प्रतिबंधित हैं। ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्या दवा तैयार करने से पहले इसके रसायन के संतुलित प्रयोग का ध्यान नहीं रखा गया? या फिर बच्चों को यह दवा देते समय मात्रा और खुराक की सीमा का खयाल रखने में चूक हो जाती है? बहरहाल, इन पहलुओं पर जांच की जा रही है जिसका जवाब विस्तृत जांच के बाद ही सामने आ पाएगा। मगर यह तथ्य है कि ऐसी कई प्रतिबंधित दवाएं कुछ देशों में खुलेआम उपलब्ध होती हैं और कई बार खुद चिकित्सक भी उसे लेने की सलाह दे देते हैं। आखिर किसी दवा पर पाबंदी की वजह यही होती होगी कि उसमें मौजूद कोई रसायन या तत्त्व मरीजों की सेहत या जान तक के लिए जोखिम भरा या जानलेवा साबित हो सकता है! सही है कि लोग किसी तकलीफ से निजात के लिए बिना चिकित्सीय सलाह के भी कोई दवा खरीद लेते हैं, जो घातक हो सकती है। लेकिन पूरी दुनिया में कहीं भी प्रतिबंधित कोई दवा खुले बाजार में कैसे बेची जाती है? जरूरत यह है कि एलोपैथी दवाओं के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ कंपनियों के दवा निर्माण से लेकर उसके कारोबार तक पर भी सख्त निगरानी रखी जाए, ताकि जिंदगी बचाने या कोई तकलीफ दूर करने की हड़बड़ी में ली गई कोई दवा जानलेवा न हो जाए। उम्मीद है आगे से दवा निर्माता कंपनियां इसके फार्मूले पर विशेष ध्यान देंगी।

शी जिनपिंग लगातार सत्ता में तीसरी बार

संजीव ठाकुर

द रिपब्लिकन ऑफ चाइना के मुखिया सी जिनपिंग अब अपनी सत्ता के तीसरे दौर में पहुंच चुके हैं। चीन की बागडोर फिर पहले से ज्यादा ताकतवर सी जिनपिंग ने संभाल रखी है। पड़ोसी देश होने के नाते भारत पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ने वाला है। वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी कि लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल में चीन की गतिविधियां विगत एक वर्ष से लगातार भारत को बेचैन करने वाली रही है, अब शी जिनपिंग के फिर से चीन के सदर हुक्मरान होने से ना सिर्फ भारत की विदेश नीति बल्कि अमेरिका, रूस, पाकिस्तान, श्रीलंका, उत्तर, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, तालिबान और अन्य पड़ोसी देशों पर भी इसका प्रभाव ज्यादा पड़ने वाला है। शी जिनपिंग के फिर से सत्ता में आने तथा उनकी आक्रामक नीति का असर भारत चीन संबंधों पर निश्चित तौर पर पड़ेगा, क्योंकि भारत चीन के साथ लगभग 3500 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा लगी हुई है। यह सीमा जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरती है, और दोनों देशों के बीच कभी भी सीमा का निर्धारण नहीं हो सकता है। सीमा निर्धारण के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा बनाई गई है पर इस वास्तविक नियंत्रण रेखा का कोई अपना बहुत गहरा प्रभाव नहीं है। शी जिनपिंग के विस्तार वादी मंसूबों और उसकी आक्रामक शैली के कारण सीमा पर विवाद बढ़ने की संभावना नजर आती है, यह तो तय है कि दोनों देश युद्ध नहीं करना चाहेंगे। भारत ने चीन की सीमा कानून को एक सिरे से खारिज कर उसकी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कड़ी निंदा की है। अब सी जिनपिंग की तीसरी पारी में भारत को यह बात खटक रही होगी कि चीन की वास्तविक नियंत्रण रेखा यथा स्थिति बदलने के कदम को सही ठहराने के लिए सीमा कानून नियम का उपयोग न करें, इसके अलावा दक्षिण चीन सागर तथा हिंद महासागर में चीन तथा अमेरिका के बीच सामरिक टकराव बढ़ने की आशंका है। शी जिनपिंग के फिर से सत्ता में आने से अमेरिका के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है क्योंकि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के पास 8 लाख सक्रिय सैनिक हैं, चीन ने सेना में खर्च होने वाला बजट भी 4 गुना कर दिया है, ऐसे में चीन आगामी वर्षों में ताइवान को अपने कब्जे में लेने का प्रयास करेगा। ताइवान की आजादी के लिए अमेरिका कृतसंकल्पित एवं कटिबद्ध है और यदि चीन ताइवान की आजादी में खलल डालने का प्रयास करेगा तो अमेरिका पीछे नहीं हटने वाला,फल स्वरूप चीन और अमेरिका में तनाव बढ़ने की पूरी संभावना है। चीन पहले से ही उत्तर कोरिया के मिसाइल कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने में लगा हुआ है ऐसे में अमरीकी प्रशासन के लिए यह विषय चिंता का होगा। शी जिनपिंग के फिर से सत्ता में आने से चीन, तालिबान, पाकिस्तान गठबंधन मजबूती प्राप्त कर वैश्विक शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन सकते हैं एवं आतंकवाद को नई बयार मिलने की संभावना है। म्यानमार में पहले से ही लोकतंत्र का गला दबाया जा चुका है। उत्तर कोरिया की सैन्य हुकूमत ने म्यानमार में तानाशाही हुकूमत काबिज करके रखी है। शी जिनपिंग के ताकतवर होने से जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई काफी कमजोर पड़ सकती है।

हीरा का लाल

कीर्ति राणा

घर से श्मशान तक के रास्ते से लेकर मुखाग्नि देने तक जरा भी नहीं लगा कि किसी वीवीआयपी की मां की शवयात्रा है, या कि प्रधानमंत्री अंतिम यात्रा में शामिल हैं। अर्थी को कांधा देते प्रधानमंत्री मोदी पर वीडियोग्राफर ने फोकस नहीं किया होता तो यह अंदाज लगाना भी संभव नहीं होता कि नरेंद्र मोदी को गढ़ने और देश काम के लिए समर्पित करने वाली उनकी मां हीरा बेन की शवयात्रा है।

देश के प्रधानमंत्री की मां का निधन होने के बाद बेहद सादगी से शवयात्रा निकल सकती है, इस असंभव को संभव होते देखा है उसी भारत ने, जिसने एक चाय वाले को देश का प्रधान सेवक बनाया है। डिजिटल इंडिया वाले इस जमाने में जब शवयात्रा और शोकसभा मेगा इंवेट में शामिल हो चुकी हैं, ऐसे में इस सादगीपूर्ण शवयात्रा में बेहद सामान्य बेटे नजर आते रहे मोदी ने एक तरह से यह संदेश भी दिया है कि वे गुजरात के सामान्य नागरिक या चाय वाले ही होते तो भी मां को बिना तामझाम के ही तो ले जाना पड़ता।

आम बोलचाल में कहा जाता है ना कि नेताजी के पालतू की मौत हो जाए तो मुंह दिखाने के लिए शवयात्रा में शहर उमड़ पड़ता है, यहां तो सारे केंद्रीय मंत्रियों से लेकर मुख्यमंत्रियों को पहले ही मैसेज पहुंच गया था कि अपने काम में लगे रहें, आने की जरूरत नहीं है। न्यूज चैनल तो इसलिए शोक में डूबे हैं कि उनके हाथ से भी राष्ट्र रुदन का प्राइम टाइम फिसल गया। संजय दत्त की यरवदा जेल से रिहाई और घर पहुंचने तक चैनलों के रिपोर्टर हांपते-दौड़ते-लपकते रहे थे, सुशांत सिंह की असामयिक मौत से लेकर कोर्ट तक का आंखों देखा हाल सुनाने में पूरी ताकत झोंक दी थी। शाहरुख के बेटे के ड्रग केस में भी अखंड कीर्तन किया था।

प्रधानमंत्री की मां का निधन कब हुआ, यह सच तो अस्पताल ही जानता है लेकिन निधन की खबर भी देर रात (3.30 बजे)जारी होने से शोक संदेश की अतिवृष्टि भी नहीं हो सकी। अंतिम यात्रा को देखने-सुनने के लिए टीवी स्क्रीन पर लोग ठीक से आंख भी नहीं गड़ा पाए, उससे पहले तो मां की अंतिम

विदाई का फर्ज पूरा कर नरेंद्र मोदी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के साथ रूटीन काम करने लगे थे। उनकी इस कर्म-निष्ठा ने एक बार फिर साबित किया है कि 'व्यक्ति' से बड़ा 'राष्ट्र' और 'मां' से पहले 'भारत माता' होती है। इससे पहले तक ऐसा शायद ही कोई मौका रहा हो, जब मोदी अपनी मां से मिलने, जन्मदिन की बधाई देने गए हों और जलकुकड़ों को मां से मिलने आए बेटे के इस स्नेह में नाटकबाजी नजर ना आई हो। विरोधियों को मौका मिल जाता था, मां-बेटे के उस मिलन में एक्टिंग, एक्शन और कैमरे के एंगल तलाशने का। कद-पद के भार से मुक्त एक बेटा मां को विदा करने पहुंचा तो उन लम्हों में कहीं आभास तक नहीं हुआ कि हीरा बेन को ग्लोबल लीडर कांधा देने आया है।

बेटा चाहे जितना बड़ा हो जाए, लेकिन मां के लिए वह सिर्फ बेटा ही रहता है-यह संदेश मोदी ने पूरे विश्व को दिया है। पद पर पहुंचने के बाद भी संस्कार नहीं भूले। यह भी याद दिलाया है कि मां को अंतिम विदाई देने का वक्त कठिनतम होता है किंतु ऐसे समय भी संयम रखना जरूरी है। उनकी इस सादगी ने अपरोक्ष रूप से यह संदेश भी दिया है कि दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना के साथ कर्म पथ पर चलना भी जरूरी है। मां के प्रति स्नेह-समर्पण के साथ देश के प्रति अपना कर्तव्य भी उन्होंने याद रखा है।

युवा मतदाता जो मोदी की हर बात को फॉलो करता हो, वह भला उनके इस संदेश को कैसे याद नहीं रखेगा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा यदि कल तक देश में चर्चा का कारण रही तो मां को अंतिम विदाई देते हुए प्रधानमंत्री की यह सहजता लोग भला कैसे याद नहीं रखेंगे। मोदी ने एकाधिक बार जब यह कहा कि इतना काम है कि वो अवकाश तक नहीं ले पाते। उनकी इस बात का खूब मजाक भी उड़ाया गया। खिल्ली उड़ाने वाले अब क्या कहेंगे?

भारतीय संस्कृति में कम से कम तीन दिन तो सूतक माना ही जाता है, यहां तो तीन घंटे बाद ही वो सक्रिय हो गए। मां तो हीरा बेन हैं ही, बेटे को दिए संस्कारों का ही प्रताप है कि दुःख की बेला में भी कर्म को प्रधान मानने वाले नरेंद्र मोदी की चमक एक बार फिर हीरे सी तो हो ही गई है, उन्होंने राजनीति के सूरमाओं के लिए मिसाल भी कायम की है। मां को नमन!

नए साल के शुभकामनाओं का गणित

रामविलास जांगिड़

शुभ कामनाओं पर गणित लगा रहा हूं कि इसे दूं या नहीं दूं? दूं तो फिर किसे दूं और मेरे देने से उस अगले बंदे का हो क्या जाएगा? शुभकामनाएं कैसे दूं? कितनी दूं? किस तरह की दूं? यह सब गपड़चौथ हुआ जा रहा है। वास्तव में शुभकामनाओं का एक बड़ा कारोबार है। एक इंडस्ट्री है। एक व्यवसाय है। एक भारी सी फैक्ट्री है, जो मौके-बेमौके चलती ही रहती है। किसे शुभकामनाएं देनी है और कितनी शुभकामनाएं देनी है। जिस बंदा-बंदी को मैं शुभकामनाएं भेज रहा हूं उसका कितना रिटर्न मुझे मिलेगा? इन शुभकामनाओं का मुझे क्या लाभ मिलेगा? इसका हिसाब लगा रहा हूं। जिससे मेरी जितनी गरज है, जिससे मेरा जितना स्वार्थ जुड़ा हुआ है, उसकी कैलकुलेशन जमा रहा हूं। यही शुभकामनाओं की केमिस्ट्री है। कमबख्त नया वर्ष हर वर्ष सामने आ जाता है और आकर कहता है कि मुझे मनाओ। मेरे बारे में शुभकामनाएं भेजो। मेरे बारे में नए-नए संकल्प लो। शुभकामनाएं भेजो और संकल्प भी लो। कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि शुभकामनाएं भेजूं या संकल्प ले लूं। और संकल्प ले भी लूं तो कौन-कौन से संकल्प ले लूं। और उन्हें कितनी देर में तोड़ दूंगा, फिर उन्हें मरोड़ दूंगा या फिर किसी और काम से जोड़ दूंगा। कमबख्त बड़ी भेजा-मारी है। सारी दुनिया को शुभकामनाओं की एक बीमारी है। मन कह रहा है कि एक शुभकामना सबके लिए चेप दूं। कोई दुख ना हो, कोई गम ना हो। कोई आंख कभी नम ना हो। कोई दिल किसी का ना तोड़े। कोई किसी का साथ ना छोड़े। बस प्यार का दरिया बहता हो। वर्ष 2023 बस ऐसा ही हो। लेकिन यह भी कोई शुभकामना हुई? अगर कोई दुख नहीं होगा, कोई गम नहीं होगा तो फिर यह पुलिस-वकील और थाने-कोर्ट कचहरी वाले क्या मजीरे कूटेंगे? आपसी लड़ाई-झगड़े नहीं होंगे तो बेचारे थाने और कोर्ट वाले अपने बच्चों को कैसे पढ़ाएंगे? महंगी दारू पीकर न्यू ईयर कैसे मनाएंगे? किस तरह से अपने कुत्तों को घुमाने के लिए लंदन की टेम्स नदी के किनारे जाएंगे? बहुत भारी बेरोजगारी हो जाएगी। अगर किसी के दुख नहीं हुआ, कोई गम नहीं हुआ तो बड़ी दुर्घटना हो जाएगी। अगर कोई किसी का दिल नहीं तोड़ेगा, बस प्यार ही प्यार जताएगा तो फिर अमेरिका ने इतने गोला बम बारूद यूं ही बनाए हैं क्या?

चीन ने अपनी मिसाइल है यूं ही गड़गड़ाई हैं क्या? तोप-तमंचों के कारखानों का क्या होगा? दिल तोड़ने से लेकर दल तोड़ना हमारा राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का क्या होगा? नफरत ही तो जीवन का आधार है। लड़ाई-झगड़ों से ही तो दुनिया चल रही है। खून-खराबों से ही तो राजनीतिक पार्टियां पल रही है।

लूट-खसोट से ही तो पूरा व्यापार चल रहा है। बिजनेस का मूल मंत्र ही झूठ, अन्याय और स्वार्थ पर टिका है।

बिहू ना देखा तो क्या देखा?

आइए, आज गुवाहाटी की एक साप्ताहिक बाजार का नजारा करते हैं। यह साप्ताहिक बाजार गुवाहाटी के एकदम कोने के इलाके पंजाबाड़ी में लगी है। इन दिनों मैं यहीं पर हूं। हरी-भरी सब्जियां देखने में जरूरत से ज्यादा हष्ट-पुष्ट हैं। जितनी भीड़ सब्जी के सामने है, उतनी ही भीड़ मछली की भी दुकान के सामने है। बाजार में इन दिनों संतरे खूब हैं, मगर नागपुर जैसे इलाकों से असम आते-आते इनमें कोई आकर्षण नहीं बचा। केला यहां घर-घर में होता है, फिर भी बाजार में सौ रुपये दर्जन बिक रहा है। इसी बीच हमें साबुन की दुकान दिखी। क्रिकेट बॉल जैसा साबुन, जिससे यहां अस्सी-नब्बे के दशक में पैदा हुए लगभग हर बच्चे की याद जुड़ी है। इसका नाम है जयश्री। स्थानीय लोग इसे घेला साबुन कहते हैं। घेला यानी पत्थर। आगे बढ़े तो तरह-तरह की

पहला ईनाम बकरी, दूसरा ईनाम बत्तख, तीसरा ईनाम एक बड़ी मछली, चौथा ईनाम एक देसी मुर्गी, पांचवा छोटी मछली, छठां बॉयलर मुर्गी और सांत्वना के लिए ढेर सारे अंडे। बिहू तो मैं यहां नहीं मना पाऊंगा, फिर भी मैंने एक टिकट ले ही लिया। अब चूंकि लॉटरी का टिकट ले लिया है तो सारे के सारे असमिया दोस्त पीछे पड़ गए हैं कि बिना बिहू नाचे वे मुझे दिल्ली वापस नहीं आने देंगे।

सूखी मछलियां थीं। यहां भीड़ न के बराबर थी, इसकी वजह से दुकानदार झल्लाया बैठा था।

असम का बिहू नृत्य

कुछ और आगे बढ़े तो कत्थई रंग का गुड़ दिखा। इन्हें मैं अच्छे से पहचानता हूं। आखिर मैंने अमिताभ बच्चन और नूतन की फिल्म सौदागर जो देख रखी है। यह खजूर से बना गुड़ है। फिल्म में नूतन के बनाए खजूर के गुड़ पर पूरा बाजार टूट पड़ता था, मगर यहां लोग उसकी जगह गन्ने से बने गुड़ पर टूटे पड़ रहे हैं। आगे तरह-तरह के चाकू बिक रहे हैं। तांबूल छीलने वाले चाकू, घास काटने वाली तलवार, आड़े-तिरछे, लंबे-छोटे गड़ासे तो हैं ही, खुखरी भी खूब है। मैंने एक खुखरी उठा ली और उसकी मूठ के पास बने खांचे को दिखाकर अपने दोस्त भास्कर को बता रहा हूं कि इसी से खिंचकर आंतें बाहर आ जाती हैं। मेरा असमिया दोस्त भास्कर गर्व से कहता है कि कारगिल की लड़ाई में हमने इन्हीं से पाकिस्तानियों को मार भगाया था। पाकिस्तानी सैनिकों की कल्पना में खुखरी तो थी, पर खुखरी का यथार्थ हम लोगों ने ही उनको दिखाया था। उसका दावा है कि आज भी पाकिस्तानी सेना के लोग खुखरी के नाम से कांपते हैं।

कुछ और आगे बढ़े तो शनि मंदिर दिखा। शनि मंदिर अभी तक दिल्ली-एनसीआर में लोगों में अंधविश्वास बढ़ाने के काम आता है। पर जिस तरह से यहां सुदूर मैदानों से संतरे पहुंच रहे हैं तो शनि महाराज का भी यहां आना कोई बड़ी बात नहीं है। मंदिर के सामने हमने पेड़ से तुरंत तोड़ी सुपारी खाई, जिसे यहां तांबूल कहते हैं। मुंह में तांबूल सेट करके हम आगे बढ़े, तो लॉटरी की दुकान लगी थी। बीस रुपये की लॉटरी भोगाली बिहू के दिन खुलेगी।

पहला ईनाम बकरी, दूसरा ईनाम बत्तख, तीसरा ईनाम एक बड़ी मछली, चौथा ईनाम एक देसी मुर्गी, पांचवा छोटी मछली, छठां बॉयलर मुर्गी और सांत्वना के लिए ढेर सारे अंडे। बिहू तो मैं यहां नहीं मना पाऊंगा, फिर भी मैंने एक टिकट ले ही लिया। अब चूंकि लॉटरी का टिकट ले लिया है तो सारे के सारे असमिया दोस्त पीछे पड़ गए हैं कि बिना बिहू नाचे वे मुझे दिल्ली वापस नहीं आने देंगे। और तो और, बाजार के दुकानदार भी कह रहे हैं कि यहां वाला बिहू ना देखा तो क्या देखा?

जनवरी महीने के खास त्यौहार

साल 2023 आने वाला है और इस नए साल के जनवरी माह के समय से ही त्यौहारों का आरंभ हो जाएगा। आपको बता दें कि नए साल के पहले महीने यानी जनवरी में मकर संक्रांति, लोहणी, मासिक शिवरात्रि, पुत्रदा एकादशी, बसंत पंचमी और पोंगल जैसे कई महत्वपूर्ण पर्व मनाए जाएंगे। जी हाँ और अब हम आपको बताते हैं जनवरी 2023 के महीने में आने वाले महत्वपूर्ण दिनों, व्रत और त्योहारों की पूरी लिस्ट।

4 जनवरी 2023 , बुधवार प्रदोष व्रत (शुक्ल)- प्रदोष व्रत को हम त्रयोदशी व्रत के नाम से भी जानते हैं। जी हाँ और यह व्रत भगवान शिव को समर्पित है। वहीं पुराणों के अनुसार इस व्रत को करने से उत्तम स्वास्थ्य और लंबी उम्र की प्राप्ति होती है। इसके अलावा शास्त्रों के अनुसार प्रदोष व्रत साल में कई बार आता है तथा महीने में दो बार आता है।

6 जनवरी 2023 , शुक्रवार पौष पूर्णिमा व्रत- पूर्णिमा तिथि का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। पूर्णिमा की तिथि के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होता है। कहा जाता है पौष पूर्णिमा के दिन सूर्य देव को दान, स्नान और अर्घ्य देने का विशेष महत्व हिंदू धर्म ग्रंथों में बताया गया है।

10 जनवरी 2023 , मंगलवार संकट चौथ- संकष्टी चतुर्थी यानी संकट को हरने वाली चतुर्थी व्रत होगा। जी हाँ और इस दिन व्यक्ति अपने दुखों से मुक्ति पाने के लिए गणपति की पूजा करता है। पुराणों के अनुसार चतुर्थी के दिन श्री गणेश की पूजा करना अत्यंत फलदायी होता है। कहा जाता है इस दिन सूर्योदय के समय से लेकर चंद्रोदय के समय तक उपवास रखते है।

15 जनवरी 2023 , रविवार मकर संक्रांति- हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है।

आपको बता दें कि इस बार सूर्य धनु राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए 14 जनवरी की रात को 08 बजकर 20 मिनट पर मकर राशइ में प्रवेश कर जाएंगे। ऐसे में साल 2023 में मकर संक्रांति का पुण्य काल का शुभ मुहूर्त 15 जनवरी को सुबह 06 बजकर 48 मिनट से शुरू होगा और समापन शाम 05 बजकर 41 मिनट पर होगा।

21 जनवरी 2023 शनिवार मौनी अमावस्या- 21 जनवरी 2023 को मौनी अमावस्या पड़ रही है। जी हाँ और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 21 जनवरी को अमावस्या तिथि सुबह 6 बजकर 17 मिनट से शुरू होकर अगले दिन 22 जनवरी 2022 को प्रातः 2 बजकर 22 मिनट पर समाप्त होगी।

26 जनवरी 2023 बुधवार वसंत पंचमी , सरस्वती पूजा- पंचांग के अनुसार जनवरी 2023 में 26 जनवरी 2023 को वसंत पंचमी पड़ रही है। 26 जनवरी को पंचमी तिथि सुबह 10 बजकर 28 मिनट से शुरू होगी।

तिरुपति बालाजी मंदिर की ये चौकाने वाली बातें

भगवान वेंकेटेश्वर भगवान विष्णु का ही एक रूप है। जी हाँ और ये मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित है।

हमारे देश में भगवान विष्णु के अनेक प्राचीन मंदिर हैं। इन सभी के बारे में आप सभी जानते ही होंगे। हालाँकि इन मंदिरों में भगवान विष्णु की पूजा अलग-अलग रूपों व नाम से की जाती है। इस लिस्ट में शामिल है एक प्राचीन मंदिर तिरुपति बालाजी का। तिरुपति बालाजी वह मंदिर है जो भगवान वेंकेटेश्वर को समर्पित है। भगवान वेंकेटेश्वर भगवान विष्णु का ही एक रूप है। जी हाँ और ये मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित है। श्री वेंकटेश्वर का यह मंदिर वेंकटाद्रि पर्वत की चोटी पर है, जो श्री स्वामी पुष्करणी नामक तालाब के किनारे स्थित है। इसी कारण यहाँ पर बालाजी को भगवान वेंकटेश्वर के नाम से जाना जाता है। आपको बता दें कि तिरुपति बालाजी मंदिर को देश का सबसे अमीर मंदिर कहा जाता है।

इस मंदिर में बालाजी के दिन में तीन बार दर्शन होते हैं। इनमे पहला दर्शन विश्वरूप कहलाता है, जो सुबह के समय होते हैं। दूसरे दर्शन दोपहर को और तीसरे दर्शन रात को होते हैं। इनके अलावा अन्य दर्शन भी हैं, जिनके लिए विभिन्न शुल्क निर्धारित है। हालाँकि पहले तीन दर्शनों के लिए कोई शुल्क नहीं है।

भगवान बालाजी की पूरी मूर्ति के दर्शन केवल शुक्रवार को सुबह अभिषेक के समय ही किए जा सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में स्थापित काले रंग की दिव्य मूर्ति किसी ने बनाई नहीं बल्कि वह खुद ही जमीन से प्रकट हुई थी। वेंकटाचल पर्वत को भी लोग भगवान का ही स्वरूप मानते है और इसलिए उस पर जूते लेकर नहीं जाया जाता।

भगवान तिरुपति के दर्शन करने से पहले कपिल तीर्थ पर स्नान करके कपिलेश्वर के दर्शन करना चाहिए। फिर वेंकटाचल पर्वत पर जाकर बालाजी के दर्शन करें। वहां से आने के बाद तिरुण्चानूर जाकर पद्मावती के दर्शन करने की परंपरा मानी जाती है। आपको यह भी बता दें कि इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां आने वाले दर्शनाथी अपने बाल भगवान बालाजी को दान करते हैं यानी सिर मुंडवाकर अपने बाल यहीं छोड़ जाते हैं।

स्त्री हो या पुरूष, बच्चे हों या बूढ़े, अधिकांश लोग इस परंपरा का निर्वहन करते हैं। ये परंपरा कैसे शुरू हुई, इसके बारे में कई मान्यताएं प्रचलित हैं। ऐसा कहते हैं कि जो व्यक्ति तिरुपति बालाजी में अपने बाल दान करता है, वो अपने बालों के रूप में पापों और बुराइयों को भी इसी जगह पर छोड़ जाता है।

क्यों मिला अग्निदेव को सबकुछ जलाकर राख कर देने का श्राप?

पांच तत्वों में से एक, अग्नि का एक विशेष गुण है कि वह अंगिकार करते हुए यह नहीं देखती कि वह किसी राजमहल की महंगी छत को राख कर रही है या किसी तिनके से बनी हुई छप्पर को। क्या आप जानते हैं कि किसी भी वस्तु को जला कर राख कर देने की अग्निदेव की यह शक्ति किसी वरदान की वजह से नहीं अपितु एक श्राप की वजह से है। आइए आज बताते हैं आपको अग्निदेव को मिले इस श्राप की कथा।

पुलोमन ने बनाया साधु का रूप

पंडित रामचंद्र जोशी बताते हैं कि ब्रह्मा जी के पुत्र कहे जाने वाले महर्षि भृगु एक दिन संध्या उपासना करने के लिए अपने आश्रम से गंगा तट की ओर जाने लगे। रास्ते में पुलोमन नाम के एक राक्षस ने उन्हें जाते हुए देखा तो वह एक साधु का भेष बनाकर उनके आश्रम गया। वहां उसने भिक्षाम देही ! की आवाज़ लगाई, जिसे सुनकर भृगु जी की गर्भवती पत्नी पुलोमा बाहर आईं और उन्होंने साधु के रूप में आए राक्षस को प्रणाम किया और भोजन का न्योता देकर अंदर बुलाकर भोजन परोसा।

पुलोमन हुआ पुलोमा पर मोहित

वह राक्षस पुलोमा को देखने आया था क्योंकि बचपन में ही पुलोमा का वाग्दान संस्कार उनके पिता ने पुलोमन के साथ कर दिया था। पुलोमा की खुबसूरती देखकर पुलोमन को दुख हुआ परंतु उसने कुछ भी अनुचित नहीं किया, बस भोजन ग्रहण किया और कुटिया से बाहर निकल आया। कुटिया के बाहर ही हवन कुंड में अग्नि प्रजवल्लित थी, जिसे प्रणाम करके पुलोमन ने कहा, "हे अग्निदेव ! आपको आपके धर्म की सौगंध है, कृपया मेरे प्रश्नों का सत्य-सत्य उत्तर दें"। अग्निदेव बोले, "पूछो वत्स !"।

दुविधा में आए अग्निदेव

इस पर पुलोमन ने प्रश्न किया, "यह जो पुलोमा है, इसके पिता इसका विवाह बचपन में ही मेरे साथ कर चुके थे पर युवा होने पर इसका विवाह भृगु ऋषि के साथ करा दिया गया, तो अब आप ही बताइए यह किसकी पत्नी है?" यह सुनकर अग्निदेव हिचकिचाए तो पुलोमन बोला, "देखिये प्रभु ! अगर आप कहते हैं कि यह मेरी ही पत्नी है तो मैं अभी इसे लेकर यहां से चला जाऊंगा और यदि आपने झूठ बोला तो मैं आपको श्राप दे दूंगा"। अब अग्निदेव असमंजस में पड़ गए और कुछ देर रुक कर बोले, "सुनो पुलोमन ! यह सत्य है कि पुलोमा का विवाह पहले तुम्हारे साथ ही हुआ था परंतु तुम्हारे साथ हुआ विवाह केवल वाणी के आधार पर था परंतु महर्षि भृगु के साथ हुआ विवाह समस्त रीती-रिवाज को पूर्ण करते हुए हुआ था।"

अग्निदेव को मिला श्राप

यह सुन पुलोमन क्रोधित हो उठा और जबरदस्ती पुलोमा को उठाकर ले जाने लगा, जिसके कारण उसी समय पुलोमा ने एक पुत्र को जन्म दिया, जिसके तेज से पुलोमन जल गया, यह सब देख पुलोमा डरकर रोने लगीं। तभी महर्षि भृगु आए और उन्हें समस्त घटना का पता लगा, जिससे क्रोधित हो उन्होंने अपने हाथ में जल लेकर अग्निदेव को श्राप दिया कि अगर तटस्थता ही तुम्हारा स्वभाव है तो आज मैं तुम्हें श्राप देता हूं कि अब से तुम सही गलत के चुनाव किये बिना हर वस्तु का भक्षण करोगे"।

हिंदू शास्त्रों के अनुसार 8 तरह के होते हैं विवाह

हिंदू धर्म में विवाह को पवित्र संस्कार माना गया है। ये 16 प्रमुख संस्कारों में से एक है। जिसके विधि व विधान के अलावा शास्त्रों में आठ प्रकार भी बताए गए हैं। विवाह के ये प्रकार ब्रह्म, दैव, आर्ष, प्राजापत्य, असुर, गन्धर्व, राक्षस व पैशाच है। इनमें ब्रह्म विवाह को सबसे अच्छा माना गया है। पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार भविष्य पुराण सहित कई धर्म शास्त्रों में विवाह की रीति व नीति के बारे में बताया गया है। उनमें बताए गए विवाह के आठ प्रकार यूं समझे जा सकते हैं।

हिंदू धर्म में विवाह के 8 प्रकार

1. ब्रह्म विवाह : अच्छे शील स्वभाव व उत्तम कुल के वर से कन्या का विवाह उसकी सहमति व वैदिक रीति से करना ब्रह्मा विवाह कहलाता है। इसमें वर व वधु से किसी तरह की जबरदस्ती नहीं होती। कुल व गोत्र का विशेष ध्यान रखकर ये विवाह शुभ मुहूर्त में किया जाता है।

2. देव विवाह : यज्ञ में सही प्रकार से कर्म करते हुए ऋत्विज को अलंकृत कर कन्या देने को देव विवाह कहते हैं। कन्या की सहमति से इस विवाह में उसे किसी उद्देश्य, सेवा, धार्मिक कार्य या मूल्य के रूप में वर को सौंपा जाता है।

3. आर्ष विवाह : धर्म के लिए वर से एक या दो जोड़े गाय व बैल के लेकर कन्या को पूरे विधि विधान से उसे सौंपना आर्ष विवाह कहलाता है। यह ऋषि विवाह से संबंध रखता है।

4. प्रजापत्य विवाह : पूजन के बाद पिता ये कहते हुए कन्या दान करे कि 'तुम दोनों एक साथ

गृहस्थ धर्म का पालन करो' तो ये विवाह प्रजापत्य विवाह कहलाता है।याज्ञवल्क्य के अनुसार इस विवाह से उत्पन्न संतान अपनी पीढ़ियों को पवित्र करने वाली होती है।

5. असुर विवाह : कन्या के पिता या परिवार को धन या अन्य संपत्ति देकर मनमर्जी से कन्या को ग्रहण करना आसुरी विवाह कहता है। इसमें कन्या की मजी या नामर्जी का ध्यान नहीं रखा जाता।

6. गांधर्व विवाह : कन्या व वर की आपसी इच्छा से जो विवाह होता है उसे गांधर्व विवाह कहते हैं। यह वर्तमान प्रेम विवाह की तरह है।

7. राक्षस विवाह : जब कन्या से मारपीट करते हुए उसका जबरदस्ती अपहरण कर उससे विवाह रचाया जाए तो वह राक्षस विवाह होता है। रावण ने सीता के साथ इसी तरह विवाह का प्रयास किया था।

8. पैशाच विवाह : सोई हुई, नशे में मतवाली, मानसिक रूप से कमजोर कन्या को उसकी स्थिति का लाभ उठाकर ले जाना और फिर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाकर विवाह करना पैशाच विवाह कहलाता है। ये विवाह सबसे निम्न कोटि का बताया गया है।

घर में नहीं होने चाहिए दो-दो शिवलिंग शालिग्राम और तीन गणेश मूर्तियां

हिंदू घरों में मंदिर होना आम बात है, जिसमें लोग कई देवी-देवताओं की मूर्तियां बड़े चाव से सजाकर रखते हैं। सुबह-शाम उनकी पूजा-अर्चना भी करते हैं, पर कम ही लोग जानते हैं कि घर के मंदिर की मूर्तियों के आकार, रचना व संख्या को लेकर भी वास्तु शास्त्र सहित कई ग्रंथों में कुछ नियम बताए गए हैं। आज हम कुछ प्रमुख नियम आपको बता रहे हैं।

दो शिवलिंग व तीन गणेश अशुभ

पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार घर के मंदिर में कभी भी दो-दो शिवलिंग, शालिग्राम व तीन गणेश मूर्तियां नहीं होनी चाहिए। इस संबंध में आचारेन्दु ने लिखा है कि:—

'गृहे लिंगद्वयं नार्च्यं गणेशत्रितयं तथा।
शंखद्वयं तथा सूर्यो नार्च्यो शक्तित्रयं तथा।।
द्वे चक्रे द्वारकायास्तु शालग्रामशिलाद्वयम।
तेषां तु पूजनेनैव उद्वेगं प्राप्नुयाद् गृही।।'

यानी घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य प्रतिमा, तीन देवी प्रतिमा, दो द्वारका के गोमती चक्र और दो शालिग्राम का पूजन नहीं होना चाहिए। ऐसा करने पर घर में अशांति हो सकती है।

घर की मूर्ति की धातु व आकार

पंडित जोशी के अनुसार कुछ वास्तुशास्त्री घर में पत्थर की मूर्तियों के लिए मना करते हैं, पर वास्तव में पत्थर का उपयोग घर में मूर्ति को छोड़कर अन्य जगह नहीं होने का विधान बताया गया है। यानी घर की मूर्ति पत्थर की हो सकती है, पर वह एक बित्ते यानी हाथ के अंगूठे के सिरे से लेकर कनिष्ठिका उंगली के छोर तक की ऊंचाई तक की होनी चाहिए।

वृद्ध पाराशर ग्रंथ के अनुसार पत्थर, काष्ठ यानी लकड़ी, सोना या अन्य धातुओं की मूर्तियों की प्रतिष्ठा घर या मंदिर में करनी चाहिए। घर में एक बित्ते से बड़ी मूर्ति होने पर गृहस्वामी के संतानहीन होने की आशंका रहती है।

पूजा घर की दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में मंदिर हमेशा ईशान यानी उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। बेडरूम में तथा रसोई व बाथरूम के पास पूजा घर नहीं होना चाहिए। मंदिर की ऊंचाई इतनी हो कि भगवान के चरण पूजा करने वालों के ह्रदय तक पहुंच सके।

आलिया ने की मदरहुड पर बात : करियर के पीक पर मां बनने के फैसले पर तोड़ी चुप्पी

बोलीं- राहा को जन्म देने का नहीं होगा पछतावा

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लाइफ के डिसीजन्स के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि वो दिल को ही अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के फैसले लेने देती हैं। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि बॉलीवुड में करियर के पीक के दौरान बेटी राहा के होने के फैसले पर उनको कभी पछतावा नहीं होगा। दरअसल आलिया ने पिछले साथ 2022 में अपने करियर के पीक में शादी करने और मां बनने का फैसला लिया था।

आलिया ने कहा, 'लाइफ में कोई सही या गलत नहीं होता है। मेरे लिए जो काम करता है वो किसी और के लिए काम नहीं कर सकता है। मैं हमेशा से ऐसी इंसान रही हूं, जो अपने दिल की सुनता है। आप लाइफ की प्लानिंग नहीं कर सकते हैं। लाइफ खुद प्लान्स बनाती है और आपको बस उस रास्ते पर चलना होता है। चाहे वो फिल्में हों या कुछ और, मैंने हमेशा अपने दिल को फैसला करने दिया।'

आलिया ने आगे कहा, 'हां, अपने करियर के पीक पर, मैंने शादी करने और बच्चा पैदा करने का फैसला लिया। लेकिन कौन कहता है कि शादी या मां बनने से मेरे काम में कोई बदलाव आएगा? भले ऐसा होता हो, लेकिन मुझे परवाह नहीं है। मुझे पता था कि लाइफ में, मैं बच्चा पैदा करने के फैसले पर कभी पछतावा नहीं करूंगी। ये मेरा आज तक का सबसे अच्छा डिसीजन था। मैं कभी भी इससे ज्यादा खुश नहीं हुई।'

आलिया कहती हैं, 'एक मां के रूप में हर पल और मीनिंगफुल होता है। साथ ही मैं एक एक्टर के रूप में खुद पर विश्वास करती हूं। अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं, आप एक अच्छे एक्टर हैं और अगर लोग आपके साथ काम करना चाहते हैं, तो आपके पास काम आएगा। और अगर ऐसा नहीं होता है, तो समझ लीजिए कि शायद ये सही समय नहीं है। मैं इन चीजों के बारे में ज्यादा नहीं सोचती हूं। मैं अपने काम को बहुत महत्व देती हूं, लेकिन मैं इसके अलावा अपनी लाइफ को भी महत्व देती हूं और मैं दोनों के बीच बैलेंस बनाती हूं। इसलिए आपके भी दिल में जो आता है वो करिए।

क्या सिर्फ 'मलाइका अरोड़ा के बॉयफ्रेंड' बनकर रह जाएंगे अर्जुन कपूर?

अर्जुन कपूर एक ऐसे बॉलीवुड एक्टर हैं जो अपने काम से कम और अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से ज्यादा चर्चा में रहते हैं. अर्जुन अपने काम को लेकर वैसे तो काफी कंसिस्टेंट हैं और लगभग हर साल नई फिल्म लेकर आते हैं लेकिन उनकी कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म नहीं कर पाती है. लगातार फ्लॉप फिल्में देने वाले ये एक्टर आज के समय में सिर्फ अपनी गर्लफ्रेंड के पार्टनर के रूप में पहचाने जाते हैं! अर्जुन कपूर की आइडेंटिटी क्या सिर्फ मलाइका के पार्टनर के रूप में रह गई है?

अर्जुन कपूर एक ऐसे एक्टर हैं जिन्होंने साल दर साल फिल्में की हैं और सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिट गई हैं. अर्जुन ने पिछले साल 'एक विलेन रिटर्न्स' की लेकिन वो चल न सकी. 'संदीप और पिंकी फरार', 'पानीपत'। 'इंडियाज मोस्ट वॉन्टेड', 'पानीपत', 'मुबारकां', 'हाफ गर्लफ्रेंड'... अर्जुन कपूर की फ्लॉप फिल्मों की लिस्ट उनकी हिट फिल्मों से बहुत ज्यादा लंबी है. उनकी प्रोपे हिट फिल्म आठ साल पहले 2014 में, '2 स्टेट्स' के रूप में आई थी.

पिछले कुछ समय से अर्जुन अगर हेडलाइन्स और सुर्खियों में हैं तो वो इसलिए क्योंकि वो एक्ट्रेस और अरबाज खान की एक्स वाइफ मलाइका अरोड़ा के बॉयफ्रेंड हैं. अपने रिश्ते को लेकर जब से अर्जुन ने खुलकर बात की है, केवल यही उनकी पहचान है. एक एक्टर होने के बावजूद क्या अर्जुन हमेशा अपने पार्टनर की वजह से चर्चा में रहेंगे? क्या अपनी फिल्मों और एक्टिंग की बदौलत वो अपने लिए नाम बना पाएंगे? लगातार फ्लॉप फिल्में देने के अपने रिकॉर्ड को आखिर कब तोड़ेंगे अर्जुन कपूर!

टीवी की 'नागिन' मौनी रॉय ने इतनी ज्यादा हॉट फोटो शेयर कर दी कि तस्वीर मिनटों में वायरल

नए साल पर कई सितारे न्यू ईयर सेलिब्रेशन की ऐसी-ऐसी फोटोज शेयर कर रहे हैं कि तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं. इन सबके बीच टीवी की 'नागिन' मौनी रॉय ने इतनी ज्यादा हॉट फोटो शेयर कर दी कि उनकी तस्वीर मिनटों में वायरल हो गई. इस फोटो में मौनी रॉय काउच पर बैठकर ऐसे-ऐसे पोज दे रही हैं कि फोटोज देख कड़ाके की ठंड में भी फैंस के पसीने छूट गए. इन तस्वीरों में मौनी रॉय ब्लैक कलर की ब्रालेट पहनी हुई हैं और ऐसे किलर पोज दे रही हैं कि वो तेजी से वायरल हो गईं. इन तस्वीरों में मौनी रॉय व्हाइट कलर की हद से ज्यादा छोटी मिनी स्कर्ट पहनी हुई हैं. इस स्कर्ट के साथ मौनी ने ब्लैक कलर का ब्रालेट पहना है. इस ब्रालेट का गला इतना ज्यादा डीप है कि सब कुछ कैमरे में नजर आ रहा है. वहीं मौनी भी कैमरे के सामने झुककर पोज देती हुई काउच पर नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में मौनी रॉय काउच पर बैठी हुई हैं. काउच पर बैठी मौनी का लुक इतना ज्यादा कातिलाना है कि फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.अपने लुक को पूरा करने के लिए मौनी ने बालों को बांधा हुआ हैं और गोल सिल्वर वाले इयररिंग्स पहने हुए हैं जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं. खास बात है कि मौनी ने इन तस्वीरों को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर खुद शेयर किया है. फोटोज शेयर कर मौनी ने लिखा- 'पति ऑफिस कॉल पर हैं और वाइफ हॉलीडे पर.' मौनी ने इन तस्वीरों को जैसे ही शेयर किया तो वो तेजी से वायरल होने लगीx. वहीं यूजर्स कमेंट सेक्शन में एक्ट्रेस के इस बोल्ड लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे.

पाकिस्तान के एक गाने का कॉपी है 'बेशर्म रंग'!

सिंगर ने वीडियो शेयर कर खोला राज

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान आए दिन विवादों में गिरी रहती हैं. पठान का गाना बेशरम रंग का विवाद तो काफी तूल पकड़ा था, इस गाने में बिकिनी पहनने पर जमकर बावल मचा था. वहीं अब इस फिल्म के इसी गाने पर फिर से आरोप लग रहे हैं कि ये चुराया हुआ है. अगर आपक याद ना हो तो बता दें कि इस गाने के भारी विवाद के बाद सीबीएफसी ने इस गाने में बदलाव की सलाह मेकर्स को दी थी. अब पाकिस्तानी सिंगर सज्जाद अली ने इस गाने को लेकर बॉलीवुड पर तंज कस दिया है. दरअसल उन्होंने अपने गाने से इसे जोड़ेकर देखा है. सज्जाद अली ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें वो कह रहे हैं कि वो आने वाली एक फिल्म का गाना सुन रहे थे. इसे सुनते हुए उन्हें अपना गाना याद आ गया, जिसे उन्होंने सालों पहले लिखा था. हालांकि सज्जाद अली ने खुलकर ये नहीं बताया है कि फिल्म का गाना चोरी का है. सज्जाद अली अपना 'अबके बिछड़े हम' गाना गाते हैं, जिसे उन्होंने 25-26 साल पहले लिखा था. गाना सुनकर यूजर्स इसे 'बेशरम रंग' से जोड़ रहे हैं और कयास लगा रहे हैं कि सिंगर इसी गाने के बारे में बात कर रहे हैं.

हालांकि, सज्जाद अली ने नाम तो शाहरुख खान का नाम लिया, ना पठान का और ना ही बेशरम रंग का. उन्होंने इशारे-इशारे में मेकर्स पर चोरी का इल्जाम लगाया है. वीडियो देखने के बाद सज्जाद के फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि सिंगर ने बिना नाम लिए पठान के गाने बेशरम रंग की ओर इशारा किया है. कई यूजर्स ने कॉमेंट करते हुए सज्जाद से इस बारे में जानना चाहा है. हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब पाकिस्तानी इंडस्ट्री की ओर से बॉलीवुड पर ऐसा आरोप लगाया गया है. इससे पहले भी कई बार पाकिस्तानी सिंगर, बॉलीवुड पर धुन चुराने का आरोप लगा चुके हैं.

उर्फी जावेद ने नेता से कहा- 'अपनी प्रॉपर्टी का करो खुलासा, मैं जेल जाने को तैयार हूं'

एक्ट्रेस और मॉडल उर्फी जावेद अपने अतरंगी कपड़ों को लेकर सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में रहती हैं. हालांकि अपने आउटफिट को लेकर उन्हें कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, ट्रोलर्स से परेशान होकर वो कई लोगों पर पुलिस केस भी कर चुकी हैं. हालांकि आज का मामला कुछ अलग है, इस बार उर्फी जावेद के खिलाफ पुलिस में एक शिकायत की गई है, जिसे लेकर एक्ट्रेस ने अपना पक्ष सबके सामने रखा है. उर्फी के खिलाफ ये शिकायत महाराष्ट्र महिला मोर्चा की अध्यक्ष चित्रा किशोर वाघ ने की है, जिसे लेकर एक्ट्रेस ने पलटवार किया है.

'मुझे खुद पर बहुत गर्व है'

उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में चित्रा की एक तस्वीर के साथ एफआईआर की कॉपी भी शेयर की है. उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मुझे खुद पर बहुत गर्व है. गुड जॉब चित्रा वाघ.' हालांकि बाद में उन्होंने अपनी स्टोरी डिलीट कर दी. बता दें कि चित्रा ने उर्फी के खिलाफ अश्लीलता फैलाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. इस्टाग्राम पर चित्रा को जवाब देते हुए उर्फी ने लिखा, 'मैं ट्रायल या बकवास भी नहीं चाहता, अगर आप अपनी और अपने परिवार के सदस्यों की संपत्ति का खुलासा करते हैं तो मैं अभी जेल जाने के लिए तैयार हूं. दुनिया को बताएं कि एक राजनेता कितना और कहां से कमाता है.'

'बस असली काम नहीं होता इनसे'

उर्फी ने आगे लिखा, 'समय-समय पर आपकी (चित्रा) पार्टी के कई पुरुषों पर उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगे. मेरे नए साल की शुरुआत एक और राजनेता की पुलिस शिकायत के साथ हुई! बस असली काम नहीं है इन नेताओं के पास? क्या ये राजनेता, और वकील बेवकूफ हैं? संविधान में ऐसा कोई अनुच्छेद नहीं है जिसकी वजह से मुझे जेल जाना पड़े, जब तक कि मेरे गुप्तांग न दिखाई दें. ये लोग केवल मीडिया अटेंशन के लिए ऐसा कर रहे हैं. मैं मुंबई में मानव तस्करी और सेक्स ट्रैफिकिंग के खिलाफ हूं, जो अब भी बहुत ज्यादा है. उन अवैध डांस बार और वेश्यावृत्ति को बंद करने के बारे में क्या ख्याल है जो फिर से मुंबई में हर जगह मौजूद हैं.'

हनी सिंह ने गर्लफ्रेंड के साथ सेलिब्रेट किया न्यू ईयर

सिंगर और रैपर यो यो हनी सिंह ने नए साल की शुरुआत अपनी गर्लफ्रेंड टीना ठडानी के साथ की है। इस खास मौके पर हनी ने टीना के साथ एक रोमांटिक वीडियो शेयर कर फैंस को न्यू ईयर विश किया है। इस वीडियो में हनी सिंह अपनी लेडी लव टीना के लिए 'मेरी जान...मेरी जान' गाना गाते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं टीना भी हनी पर जमकर प्यार लुटाती हुई दिखाई दे रही हैं।

ये लवर्स का सीजन है, हेटर्स का नहीं

हनी सिंह ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'सभी लवर्स को हैप्पी न्यू ईयर। ये लवर्स का सीजन है, हेटर्स का नहीं।' हनी के इस वीडियो को देखने के बाद फैंस से लेकर सेलेब्स तक हनी को न्यू ईयर की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

हनी के पेरिस सॉन्ग में नजर आ चुकी हैं टीना

टीना, हनी सिंह के नए गाने पेरिस का ट्रिप में नजर आई थीं। पिछले साल दिसंबर में दिल्ली के एक इवेंट में दोनों को साथ में स्पॉट किया गया था, तब से दोनों के अफेयर की चर्चा होने लगी। हालांकि हनी ने कुछ समय बाद अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया था।

पिछले साल मार्च में हुई थी हनी की टीना से मुलाकात

हनी सिंह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में टीना के बारे में खुलकर बात की थी। हनी ने बताया था कि वो टीना से पिछले साल मार्च में मिले थे। साथ ही उन्होंने ये भी खुलासा किया था कि टीना को अपनी लाइफ में लाने के लिए उन्हें महीनों तक टीना का पीछा करना पड़ा था। हनी ने कहा था कि वो टीना के साथ बहुत खुश हैं, जब उन्होंने टीना को देखा था तो उन्हें लगा था कि टीना उनके लिए ही बनी हैं। आपको बता दें हनी सिंह का 2021 में शालिनी तलवार से तलाक हुआ है।

सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लंदन में साथ मना रहे हैं छुट्टियां? तस्वीरों से मिला फैंस को हिंट

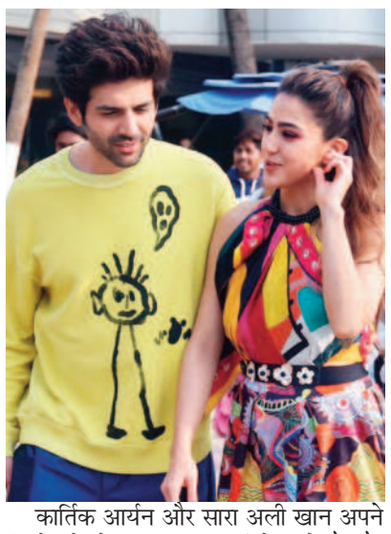

कार्तिक आर्यन और सारा अली खान अपने रिश्तो को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं और हाल ही में करण जौहर के शो में खुलासा हुआ था कि कार्तिक और सारा फिल्म लव आजकल के दौरान करीब आए थे और दोनों ने करीब एक साल तक डेटिंग की थी. हालांकि अब दोनों का ब्रेकअप हो गया है और खबरें ऐसी थी कि इन दिनों कार्तिक आर्यन की ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन को डेट करने की खबरें आ रही हैं, तो सारा अली खान अपने भाई के साथ वेकेशन एंजॉय कर रही हैं. लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि सारा और कार्तिक न्यू ईयर पर साथ में ही छुट्टियां मना रहे हैं.

दरअसल, क्रिसमस के आसपास कार्तिक आर्यन और सारा अली खान अलग-अलग जगह पर छुट्टियां मना रहे थे, लेकिन अब ऐसी फोटोज आई हैं जो देखकर लगता है कि दोनों जगह पर क्लिक की गईं और लगभग एक ही समय पर इंस्टाग्राम पर शेयर भी की गई. ऐसे में फैंस के मन में ये सवाल आ रहा है कि क्या दोनों साथ में हैं? बता दें कि सारा अपने भाई इब्राहिम अली खान और लंदन के दोस्तों के साथ तस्वीर शेयर कर रही थीं, वहीं कार्तिक पेरिस से अपने वेकेशन की तस्वीरें शेयर कर रहे थे.

सारा अली खान ने रविवार को कांच से बने क्रिसमस ट्री के अंदर खड़े होकर अपनी एक तस्वीर साझा की थी और फैंस को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी थीं. लगभग उसी समय कार्तिक ने एक रेस्तरां में किसी के साथ चाय पीते हुए तस्वीर साझा की, उन्होंने इसे कैप्शन दिया, 'केवल मेरे लिए ब्लैक टी।' इसके साथ ही दोनों ने जिस लोकेशन को मार्क किया है वह एक ही है. बता दें कि पिछले साल जुलाई में, फिल्म मेकर करण जौहर ने कंफर्म किया था कि कार्तिक और सारा ने 2018 में 'कॉफ़ी विद करण' में अपनी प्रेजेंस के बाद 'डेटिंग' शुरू की थी. अगस्त में एक इंटरव्यू में, कार्तिक ने अपने ब्रेकअप के बारे में कंफर्फ किया था क्योंकि उन्होंने कहा कि वह 1.25 साल से सिंगल हैं. अपने रिलेशनशिप के स्टेट्स के बारे में पूछे जाने पर, कार्तिक ने पिछले साल अगस्त में फिल्म कंपैनियन से कहा था, "मैं पिछले सवा साल से सिंगल हूं, बाकी मुझे कुछ नहीं पता."

टेलीप्राम्टर से जोक्स पढ़कर सुना रहे थे कपिल शर्मा!

पॉपुलर कॉमेडियन कपिल शर्मा के जोक्स तो आपने सुने ही होंगे. उनके चुटकुलों और हाजिर जवाबी की दुनिया दीवानी है. अक्सर टीवी स्टार्स जब कैमरे के सामने होते हैं तो वो अपनी लाइन्स बोलने के लिए टेलीप्राम्टर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या कपिल शर्मा भी अपने जोक्स टेलीप्राम्टर से पढ़कर सुनाते हैं? सोशल मीडिया पर ऐसे ही एक दावे के साथ कपिल शर्मा का वीडियो वायरल हो रहा है, जो उन्हीं के पॉपुलर शो 'द कपिल शर्मा शो' का है. वीडियो में दावा किया जा रहा है कि कपिल TP से पढ़कर अपनी लाइनें बोल रहे हैं.

कपिल शर्मा की खुली पोल?

ओजस्वा वर्धन नाम के इंस्टाग्राम यूजर ने 'द कपिल शर्मा शो' का एक छोटा का स्किप शेयर किया है, जिसमें कपिल स्टेज पर अकेले खड़े होकर जोक्स सुना रहे हैं. इस तरह अक्सर कपिल अपने शो की शुरुआत करते हैं. जब वीडियो जूम होता है तो उनके पीछे खिड़की के शीशी में एक परछाई नजर आ रही है, जो किसी टेलीप्राम्टर की है. वीडियो देखने के बाद लोग कयास लगा रहे हैं कि कपिल शर्मा को जोक्स याद नहीं रहते, इसलिए वो टीपी से पढ़कर चुटकुले सुनाते हैं. कई लोगों के लिए ये कपिल शर्मा का बड़ा राज खुलने जैसा होगा.

हैरान होने वाली कोई बात नहीं

हालांकि इसमें कोई हैरान होने वाली बात नहीं है, अगर कपिल शर्मा टेलीप्राम्टर से पढ़कर लाइने बोलते हैं तो ये बड़ी कॉमन चीज है. अक्सर कई बड़ी लाइनों को याद करना आसान नहीं होता, इस वजह से कैमरे के सामने उसे TP की मदद से बोला जाता है. कई बार शो के बीच-बीच में कैरेक्टर के ब्रेक लेने से भी सामने बैठी दर्शक का मजा किरकिरा होता और टाइम-पैसा भी बर्बाद होता है. अगर आप नहीं जानते तो बता दें कि 'द कपिल शर्मा शो' राइटर्स का एक पूरा ग्रुप है, जो अलग-अलग कैरेक्टर्स के लिए जोक्स लिखते हैं. बाद में कपिल और उनकी टीम उन्हीं जोक्स के साथ प्रेक्टिस करती है.

उर्वशी ने पहनी क्रोकोडाइल थीम्ड ज्वैलरी

ट्रोलर्स बोले- इनको ऋषभ के एक्सीडेंट का क्या दुख होगा, यहां तो मगरमच्छ के आंसू बहाए जा रहे हैं

उर्वशी रौतेला आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में जरूर रहती हैं। उन्होंने हाल ही में फोटो पोस्ट की है जिसमें वो क्रोकोडाइल थीम्ड नेकलेस और ब्रेसलेट पहनी नजर आ रही हैं। आंखों में बड़ा सनग्लास और ग्लूमी मेकअप में वो काफी खूबसूरत दिख रही हैं। हालांकि उर्वशी का ऐसे फोटोज पोस्ट करना लोगों को रास नहीं आ रहा है। सोशल मीडिया ट्रोलर्स का कहना है कि ऋषभ पंत हॉस्पिटल में हैं और उर्वशी फोटोज पर फोटोज पोस्ट कर रही हैं।

ट्रोलर्स का कहना है कि ऐसा देख के लगता नहीं है कि उर्वशी को पंत के एक्सीडेंट का थोड़ा भी दुख है।

सोशल मीडिया पर जमकर हुई किरकिरी

उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती हैं। इस बार उन्होंने मगरमच्छ के शेप वाला ज्वैलरी पहना हुआ है। उनके इस यूनिक फैशन सेंस की कुछ यूजर्स तारीफ भी कर कर रहे हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों का कहना है कि उर्वशी इस बात की तरफ इशारा कर रही हैं कि उन्हें ऋषभ पंत के एक्सीडेंट से कोई फर्क नहीं पड़ा है। ट्रोलर्स का कहना है कि उर्वशी बस घड़ियाली आंसू बहा रहीं हैं। एक ट्रोलर ने लिखा- 'और उनको लगता है कि दीदी को ऋषभ के एक्सीडेंट का दुख होगा, यहां तो मगरमच्छ के आंसू बहाए जा रहे हैं।'

आर्थिक जीवन

सिंह राशि के अनुसार, यह साल आपके आर्थिक जीवन के लिए अच्छा रहेगा क्योंकि इस दौरान आपको अपनी मेहनत और प्रयासों का मनमुताबिक फल मिलेगा। आपके पंचम भाव के स्वामी नौवें भाव में राहु के साथ युति कर रहे हैं और पांचवें भाव पर दृष्टि डाल रहे हैं इसलिए इस बात की प्रबल संभावना है कि आप शेयर मार्केट जैसे जोखिम भरे क्षेत्रों से धन कमाने में सफल रहेंगे।

साल के शुरुआत में आपको पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे में आपकी आर्थिक स्थिति सालभर अच्छी बनी रहेगी। साथ ही, आप इस साल अन्य कई स्रोतों से भी धन कमाने में सफल होंगे। आपको जितना भी धन लाभ होगा, उससे आप जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति हासिल करने में सक्षम होंगे।

स्वास्थ्य

सिंह राशि के अनुसार, यह साल आपकी सेहत में कुछ बदलाव लेकर आ सकता है क्योंकि इस दौरान दो बड़े ग्रह बृहस्पति और शनि की दृष्टि आपकी राशि पर पड़ रही है। इसलिए इस समय का उपयोग सेहत को बेहतर बनाने के लिए करें। आपको अपने खानपान की आदतों का विशेष ध्यान रखना होगा। साथ ही अपनी दिनचर्या में ध्यान और व्यायाम दोनों को शामिल करना होगा। इसके अलावा आपको सलाह दी जाती है कि अधिक मीठा, चिकनाई युक्त भोजन और शराब आदि के सेवन से परहेज़ करें अन्यथा आपको कुछ स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

करियर

करियर के लिहाज से देखा जाए तो यह साल आपके करियर के लिए शानदार रहेगा, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो एमएनसी, राजनीति और मेडिकल आदि क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। हालांकि, आपको अपने करियर में शीर्ष पर पहुंचने के लिए कई प्रयास और कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता होगी। इसके बाद आपके लिए प्रमोशन और वेतन में वृद्धि होने के योग बनेंगे। आपको सलाह दी जाती है कि कार्यस्थल पर अपने सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध और तालमेल बनाए रखें।

सिंह राशि के अनुसार, जिन लोगों का अपना व्यापार है, वे इस वर्ष किसी नई पार्टनरशिप में आ सकते हैं। लेकिन आपको बिज़नेस के लिए लोन लेने से बचने की सलाह दी जाती है। लोन लेने की बजाय बेहतर होगा कि आप बिज़नेस को चलाने के लिए बिज़नेस फंड का इस्तेमाल करें। साथ ही किसी भी तरह के फैसले को जल्दबाज़ी में लेने से भी बचें और अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को स्पष्ट और मज़बूत रखें।

शिक्षा

शिक्षा के लिहाज़ से सिंह राशि के छात्रों के लिए अनुकूल रहेगा, विशेष रूप से अप्रैल के बाद, जब पांचवें भाव के स्वामी बृहस्पति 22 अप्रैल 2023 को मेष राशि में नौवें भाव में गोचर करेंगे और इनकी नौवीं दृष्टि आपके पांचवें भाव पर पड़ेगी। उस दौरान जो छात्र उच्च शिक्षा के उद्देश्य से मास्टर्स और पीएचडी की पढ़ाई करना चाहते हैं, उन्हें सकारात्मक फल प्राप्त होंगे।

सिंह राशि के अनुसार जो छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयार कर रहे हैं, उनके लिए भी ये साल अच्छा रहेगा। आप अपने लक्ष्यों में

सफलता हासिल करने में सक्षम होंगे। मन लगाकर पढ़ाई करें और किसी भी तरह की गलती करने से बचें अन्यथा आपको शिक्षा में अच्छे अंक पाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन की बात करें तो, साल की शुरुआत आपके लिए फलदायी साबित होगी। आपके घर-परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। साथ ही आपको हर कदम पर अपने परिवार के सदस्यों का साथ मिलेगा, जिसके चलते पारिवारिक वातावरण खुशहाल रहेगा। पांचवें भाव पर बृहस्पति की सकारात्मक दृष्टि होने के कारण आपको अपने बच्चों की तरफ से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। साथ ही आपके घर में नन्हा मेहमान के आने की भी संभावना है।

सिंह राशि के अनुसार बृहस्पति की सातवीं दृष्टि तीसरे भाव पर पड़ रही है, जिसके परिणामस्वरूप आपके सामाजिक जीवन का दायरा बढ़ेगा। ऐसे में आपको अपने छोटे भाई-बहनों और दोस्तों का पूरा समर्थन मिलेगा और आप उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताते नज़र आएंगे, जिससे कि आपका उनके साथ रिश्ता मज़बूत होगा।

बृहस्पति के गोचर और नौवें भाव पर शनि की दृष्टि पड़ने के कारण, आपका झुकाव धार्मिक गतिविधियों में ज़्यादा रहेगा। इस दौरान आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ किसी तीर्थ स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं। नवम भाव गुरु का भाव होता है और इस भाव में बृहस्पति के विराजमान होने से आपको अपने पिता और गुरु का समर्थन तथा आशीर्वाद प्राप्त होगा। लेकिन नौवें भाव में शनि की तीसरी दृष्टि और आपके नौवें भाव में राहु के बैठे होने के कारण आपको अपनी सेहत को लेकर सावधान रहना होगा, साथ ही किसी तरह की बहस या विवाद में पड़ने से भी बचना होगा।

वैवाहिक जीवन

सिंह राशि के अनुसार, जो लोग हाल ही में विवाह बंधन में बंधे हैं, उन लोगों को अपना शादीशुदा जीवन थोड़ा मुश्किल लग सकता है क्योंकि ये जीवन वैसा नहीं होगा जैसा कि आपने उम्मीद की थी। आपके सातवें भाव में शनि मौजूद होगा, जिसके कारण आपके रिश्ते में मतभेद होने की आशंका है और ये मतभेद आपके अस्थायी रूप से अलग होने का कारण बन सकते हैं इसलिए सलाह दी जाती है कि मतभेदों को जल्द से जल्द सुलझाने का प्रयास करें।जो जातक विवाहित हैं,

वे इस वर्ष अपने रिश्ते को बरकरार रखने के लिए पार्टनर के साथ किसी भी तरह के विवाद या मतभेद से बचने की कोशिश करते दिखाई देंगे। कुल मिलाकर शादीशुदा जातकों के लिए यह साल राहत की सांस लेकर आएगा क्योंकि आप अपने जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लेकिन इस वर्ष आपका व्यवहार ही आपके रिश्ते के भविष्य को निर्धारित करेगा इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि अपने रिश्ते से अहंकार को दूर रखते हुए साथी के प्रति ईमानदार रहें।

उपाय

प्रतिदिन सुबह सूर्य को अर्घ्य दें।

प्रतिदिन सुबह 108 बार गायत्री मंत्र का जाप करें।

रोज़ गुड़ का सेवन करें।पर्स या जेब में लाल रंग का रुमाल रखें।

पिता का सम्मान करें और घर से निकलते समय उनका आशीर्वाद लें।

स्वास्थ्य

कन्या राशि के अनुसार, कुंभ राशि के छठे भाव में शनि के विराजमान होने और अप्रैल माह में बृहस्पति के मेष राशि में गोचर होने से आपका आठवां और बारहवां भाव सक्रिय होगा। साथ ही राहु-केतु भी आपके 8/2 अक्ष पर स्थित होंगे, जिसके चलते यह अवधि आपके लिए बहुत अच्छी साबित नहीं हो सकती है, विशेष रूप से सेहत के लिहाज से।

कन्या राशि आपको सलाह है कि अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें और समय-समय पर रूटीन चेकअप भी करवाएं। फिटनेस को बनाए रखने के लिए रोज़ व्यायाम करें, लेकिन जरूरत से ज्यादा नहीं। तनाव को दूर करने के लिए हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें, स्वस्थ भोजन खाएं और चिकनाई वाला खाना एवं मदिरा के सेवन से दूरी बनाए रखें। इस समय किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए सावधान रहें, विशेष रूप से सड़क पर चलते समय या वाहन चलाते समय ट्रैफिक के सभी नियमों पालन ज़रूर करें।

करियर

कन्या राशि के अनुसार, इस साल के दौरान करियर के क्षेत्र में आपको किसी दूर स्थान या फिर विदेश से नए अवसर मिलेंगे और अगर आप नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे हैं तो यह साल इसके लिए उपयुक्त है। लेकिन आपको अपनी तरफ से कम से कम जोखिम उठाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह गोचर आपके लिए अनुकूल नहीं है। इसलिए आपके जीवन में अचानक से चुनौतियां पैदा होने की आशंका है।

अक्टूबर 2023 तक केतु आपके दूसरे भाव में स्थित होगा, जो वाणी का भाव है इसलिए आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत करते समय शब्दों का चुनाव बहुत सोच-समझकर करना होगा अन्यथा आपकी छवि ख़राब हो सकती है।

कन्या राशि के व्यापारी जातकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी तरह की गलतफहमी से बचने के लिए अपने पार्टनर के साथ बातचीत में स्पष्टता रखें। साथ ही जो फैसले आपने लिए हैं, उन पर दृढ़ रहें। इसके अलावा इस दौरान आप जो भी फैसले लें, उन्हें सोच-विचार और रिसर्च करने के बाद ही लें। काम को लेकर आपके और पार्टनर के बीच चल रहे मतभेदों को सुलझाने के लिए अपने अहम को एक तरफ रख दें वरना ये आपके काम को प्रभावित कर सकता है।

आर्थिक जीवन

कन्या राशि के अनुसार, इस वर्ष 22 अप्रैल 2023 को मेष राशि में बृहस्पति के गोचर के कारण आपका आठवां भाव (मेष राशि) और बारहवां भाव सक्रिय हो जाएगा। आर्थिक रूप से यह समय आपके लिए औसत रूप से फलदायी रहेगा क्योंकि इस दौरान आपको धन से जुड़े मामलों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। कुंडली में चल रही दशा के प्रतिकूल होने पर नुकसान होने की भी आशंका है इसलिए आपको अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर सचेत रहने की आवश्यकता होगी।

इस दौरान आपको धन से जुड़े बड़े फैसले लेने से बचना होगा अन्यथा ये फैसले गलत साबित हो सकते हैं इसलिए आपको पैसों का इस्तेमाल सोच-समझकर एवं योजना बनाकर करना होगा। ऐसे में आर्थिक स्थिति को सही बनाए रखने के लिए आपको बेकार के खर्चों को कम करना होगा। पैसों को कब, कहाँ खर्च किया जाना चाहिए इसकी योजना बनाना आपके लिए बेहद ज़रूरी होगा।

शिक्षा

कन्या राशि के अनुसार यह साल उन छात्रों के लिए काफ़ी अच्छा रहेगा, जो मास्टर डिग्री और पीएचडी की पढ़ाई करने के लिए विदेश जाना चाहते हैं। इस दौरान आपकी सारी समस्याएं और कंफ्यूजन दूर होंगे, जिससे लक्ष्यों को पाने के प्रति आपका नज़रिया स्पष्ट होगा।

कन्या राशि के जो जातक क्रिएटिव राइटिंग या कविता लेखन से जुड़े हैं, वो साल भर रचनात्मक विचारों से भरे रहेंगे। अगर आप गुप्त विज्ञान जैसे वैदिक ज्योतिष आदि सीखने की योजना बना रहे हैं तो ऐसा करने के लिए यह साल अच्छा साबित होगा। लेकिन इस समय पढ़ाई में किसी भी तरह की समस्या से बचने के लिए आपको अपना ध्यान पूरी तरह पढ़ाई की ओर केन्द्रित करना होगा। कुल मिलाकर, 2023 कन्या राशि के छात्रों के लिए अनुकूल रहेगा।

जीवन

कन्या राशि के अनुसार, किसी संबंध या रिश्तेदारी के चलते इस राशि के जातकों के पारिवारिक जीवन का दायरा बढ़ सकता है। इस दौरान आप नई-नई चीज़ों को सीखेंगे, जिनके बारे में आपको पहले जानकारी नहीं थी। घर में नन्हा मेहमान आने की ख़ुशी या पार्टनर के साथ बिताए आनंदमय लम्हें आपको रोज़मर्रा की बोरिंग ज़िन्दगी से बाहर आने में मदद करेंगे। जीवन में आने वाले हर परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए तैयार रहें। कुल मिलाकर, यह साल पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा रहेगा और इस दौरान आप नई-नई चीज़ों का अनुभव करेंगे।

वैवाहिक जीवन

वैवाहिक जीवन की बात करें तो कन्या 2023 राशिफल के अनुसार इस साल आपको मिले-जुले परिणाम प्राप्त होंगे। 2023 के दौरान आपको साथी की सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा क्योंकि आशंका है कि उन्हें कोई लंबे समय तक चलने वाला रोग परेशान कर सकता है जैसे डायबिटीज आदि। इसलिए आपको उनके टेस्ट और चेकअप समय-समय पर करवाने की सलाह दी जाती है।

इस वर्ष आपका और साथी का रिश्ता भावनात्मक रूप से मज़बूत होगा और आपको अपने ससुराल पक्ष के लोगों के साथ घूमने के कई अवसर प्राप्त होंगे, जिससे परिवार में आप अपनी जगह बनाने में सफल होंगे। साथ ही आप किसी लंबी दूरी की यात्रा या विदेश यात्रा की भी योजना बना सकते हैं। हालांकि इन योजनाओं को नवंबर या दिसंबर में बनाने से बचें क्योंकि अंतिम समय में आपको यात्रा रद्द करनी पड़ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप आपको और आपके पार्टनर को निराशा महसूस होगी। साथ ही यह बात आप दोनों के बीच मतभेद का कारण भी बन सकती है।

उपाय

भगवान गणेश का पूजन करें और उन्हें दूर्वा चढ़ाएं।प्रतिदिन गायों को हरा चारा खिलाएं।शुभ फलों की प्राप्ति के लिए, बुधवार के दिन 5-6 कैरेट का पन्ना पंचधातु या सोने की अंगूठी में धारण करें।प्रतिदिन तुलसी के पौधे को पानी दें और रोजाना एक तुलसी के पत्ते का सेवन करें।बुध बीज मंत्र का जाप करें।

शिक्षा

तुला राशि के अनुसार, शनि आपके पांचवें भाव में विराजमान होगा और आपकी राशि के योग कारक ग्रह अपनी ही राशि में गोचर करेंगे, जिससे आपको अपने कार्यों में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। लेकिन परीक्षा में सफलता पाने के लिए आपको मन लगाकर पढ़ाई करनी होगी। संकेत मिल रहे हैं कि साल 2023 में आप नई-नई चीज़ों को सीखेंगे। आप सेल्फ लर्निंग के महत्व को समझते हुए नए-नए तरीकों (जैसे कि यूट्यूब वीडियो के द्वारा या किसी कोर्स में दाखिला लेकर) से नई-नई चीज़ों को सीखने की आदत अपने भीतर विकसित करेंगे। तुला राशि के कुछ छात्रों में ऊर्जा की कमी देखने को मिल सकती है, जिसके चलते वे एकाग्रचित्त होकर पढ़ाई करने में सक्षम नहीं होंगे। इसलिए सलाह दी जाती है कि शुक्रवार के दिन देवी सरस्वती की पूजा करें।

करियर

करियर के लिहाज़ से देखा जाए तो तुला राशि के अनुसार, आपके दसवें भाव के स्वामी चंद्रमा तीव्र गति से चलने वाले ग्रह हैं, जो किसी व्यक्ति के प्रोफेशन से उसके भावनात्मक जुड़ाव का कारक होते हैं। इस साल आपको अपने पिछले तीन सालों की मेहनत का फल मिलेगा। अगर हम रास्ते में आने वाली छोटी-मोटी समस्याओं को हटा दें तो इस साल आपके प्रमोशन होने के योग बन रहे हैं, जो आपको और अच्छे से काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

शनि और बृहस्पति की आपके ग्यारहवें भाव पर दृष्टि होगी, जिसके फलस्वरूप आप मनचाहा धन लाभ कमाने में सफल होंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें इस साल नौकरी मिल सकती है। यह समय अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त है इसलिए आप नौकरी बदलने के बारे में विचार कर सकते हैं। जिन लोगों का अपना व्यापार है, वे अपने बिज़नेस से जुड़े नए आइडिया लागू कर सकते हैं। साथ ही आपने जो जोख़िम उठाएं हैं, उनमें आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इसके अलावा आप लंबे समय से जिस पार्टनरशिप और डील का इंतज़ार कर रहे थे उसमें आपको नए अवसर की प्राप्ति होगी। कुल मिलाकर देखें तो यह साल आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा और आप स्थिर जीवन का आनंद लेंगे इसलिए शांति का परिचय देते हुए सही समय आने का इंतज़ार करें।

आर्थिक जीवन

तुला राशि कि यह साल आर्थिक दृष्टि से आपके लिए वरदान साबित होगा क्योंकि आपको पैसा कमाने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। ग्यारहवें भाव पर ग्रहों की दृष्टि दर्शा रही है कि धन के प्रवाह को सुगम बनाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार रहना होगा क्योंकि आपको धन कमाने के कई नए स्रोतों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

इस अवधि में कुछ लोगों के खर्चों में बढ़ोतरी होने की आशंका है। हालांकि व्यापार या फिर किसी पुराने निवेश से लाभ प्राप्त होने की भी संभावना अधिक है। साथ ही आपके वेतन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। 2023 राशिफल संकेत दे रहा है कि साल के आखिरी महीनों में आपको धन लाभ अर्जित करने के कई अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि के अनुसार, इस साल आपकी सेहत आपके हाथों में होगी। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि रोज योग और व्यायाम करें और संतुलित आहार का सेवन करें। इस वर्ष अधिक मीठा और चिकनाईयुक्त खाना खाने से बचें अन्यथा आपका वजन बढ़ सकता है क्योंकि बृहस्पति की सातवीं दृष्टि आपकी राशि पर होगी। इससे आपको डायबिटीज, फैटी लीवर और अपच जैसी बीमारियां भी परेशान कर सकती हैं।

आपको सुझाव दिया जाता है कि अपने आपको स्वस्थ बनाए रखने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और पौष्टिक आहार को डाइट में शामिल करें। दिन को अच्छा बनाने के लिए सुबह की शुरुआत मेडिटेशन के साथ करें। शनि आपके पांचवें भाव में स्थित होगा, जिसके परिणामस्वरूप किसी भी काम को लेकर बच्चों में आलस और सुस्त रवैया देखने को मिलेगा, इसलिए बच्चों के खानपान और सेहत का भी ख़्याल रखें।

पारिवारिक जीवन

तुला राशि भविष्यवाणी के अनुसार, तुला राशि के जातकों का पारिवारिक जीवन इस साल सुखमय होगा। हालांकि फरवरी में आपके आसपास का वातावरण उदासी और निराशा से भरा हो सकता है। ऐसे में ससुराल पक्ष के लोग आपके आसपास के वातावरण को खुशनुमा बनाने की कोशिश करते नज़र आएंगे। साथ ही आप अपने परिवार के साथ किसी लंबी दूरी की यात्रा या धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

मार्च से जुलाई के दौरान, जब शनि आपके चौथे भाव से अगले भाव में प्रवेश करेंगे तब आपको महसूस होगा कि आपकी खुशियों की चाबी आपके घर में ही है। अक्टूबर माह के दौरान आप अपने परिवारजनों के जीवन को बेहतर बनाने के मकसद से कोई महंगी खरीदारी करेंगे जैसे वाहन, संपत्ति या कोई अन्य वस्तु आदि। कुल मिलाकर, साल के अंतिम महीने आपके पारिवारिक जीवन के लिए अच्छे रहेंगे चूंकि इस दौरान आपके परिवार में किसी नए सदस्य के आने की भी संभावना अधिक है।

वैवाहिक जीवन

वैवाहिक जीवन की बात करें तो तुला राशि Rashifal के अनुसार, राहु पहले से आपके सातवें भाव में बैठे होंगे, जो अक्टूबर के आखिरी तक इसी भाव में रहेंगे। अप्रैल 2023 में बृहस्पति भी इसी भाव में आ जाएंगे और गुरु चांडाल योग का निर्माण करेंगे। साथ ही शनि अपनी तीसरी दृष्टि आपके सातवें भाव पर डालेंगे। इसके परिणामस्वरूप जो लोग शादी करना चाहते हैं, उनके लिए ये समय अच्छा साबित होगा। लेकिन आपको सलाह दी जाती है कि शादी की योजना साल के अंत में बनाएं जब राहु आपके सातवें भाव से अन्य भाव में प्रवेश करेंगे अन्यथा आपको कई समस्याओं और परेशानियों का अचानक से सामना करना पड़ सकता है।

तुला राशि के अनुसार, इस राशि के विवाहित जातकों को अपने पार्टनर के साथ आनंददायक लम्हे बिताने के कई अवसर मिलेंगे। इस वर्ष आप दोनों के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिलेगा, जिससे रिश्ते में मिठास और प्रेम बढ़ेगा। मार्च से लेकर जून के दौरान साथी के साथ किसी भी तरह की बहस या विवाद करने से बचें। साथ ही इस समय वजन बढ़ने और अस्वस्थ जीवनशैली के कारण पार्टनर के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव आने की आशंका है। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि जीवनसाथी की सेहत का पूरा ध्यान रखें और उन्हें बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

उपाय

देवी लक्ष्मी की पूजा करें और शुक्रवार के दिन उन्हें 5 लाल फूल अर्पित करें।

शुक्र होरा के दौरान प्रतिदिन शुक्र मंत्र का जाप करें।

शुभ परिणामों की प्राप्ति के लिए सोने की अंगूठी में हीरा या ओपल, दाहिने हाथ की सबसे छोटी उंगली में धारण करें।क्वार्ट्ज को अपने बेडरूम में रखें।अपने आसपास के वातावरण को सुगंधित रखें।

आर्थिक जीवन

वृश्चिक 2023 राशि के अनुसार, इस साल अप्रैल में जब बृहस्पति आपके छठे भाव में गोचर करेंगे, उस समय आपके ऊपर कर्ज़ और लोन का भार बढ़ने की आशंका है। हालांकि आप यह कर्ज़ किसी अच्छे काम के लिए लेंगे जैसे कि बिज़नेस बढ़ाने या फिर प्रॉपर्टी खरीदने के लिए। छठे भाव में राहु पहले से विराजमान होंगे, इसलिए आपको लोन लेने से पहले सावधान रहने की सलाह दी जाती है अन्यथा अनजाने में हानि होने और खर्चों में वृद्धि होने आशंका है।

वर्ष 2023 में आप नई-नई चीज़ों को सीखने का प्रयास करेंगे, जो आय के प्रवाह को सुगम बनाते हुए बचत करने में आपको सक्षम बनाएगी। विदेशी निवेश जैसे बिटकॉइन और विदेशी शेयर मार्केट आदि में निवेश करना इस साल थोड़ा मुश्किल साबित हो सकता है। एक गलत कदम आपकी आर्थिक स्थिति पर भारी पड़ सकता है। निवेश और संपत्ति की खरीद को लेकर आप जो भी निर्णय लें, उनमें सतर्क रहें।

स्वास्थ्य

वृश्चिक राशि के अनुसार, साल के शुरू में वृषभ राशि में मंगल स्थित होगा और मिथुन राशि में आठवें भाव में इसकी चाल आपकी सेहत के लिए प्रतिकूल साबित हो सकती है। अप्रैल माह में बृहस्पति का मेष राशि में गोचर भी इस बात को दर्शा रहा है कि वृश्चिक राशि के जातकों को अपनी सेहत को लेकर बेहद सावधान रहना होगा क्योंकि उन्हें कुछ स्वास्थ्य समस्याओं जैसे अपच, पेट का इन्फेक्शन, खांसी और मोटापे आदि का सामना करना पड़ सकता है। आपको सलाह दी जाती है कि अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें और तनाव से बचने के लिए योग, व्यायाम जैसी शारीरिक गतिविधियां करें, ताकि आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहे।

इस दौरान आपको तला-भुना और बाहर का खाना खाने से भी बचना होगा, वरना इसका असर सेहत पर पड़ सकता है। इसलिए आपको घर का बना खाना और फल-सब्ज़ी आदि का सेवन करने की सलाह दी जाती है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की कोशिश करें।

करियर

वृश्चिक राशि के अनुसार, इस साल आपके करियर में परिवर्तन आने की संभावना है। आपको कार्यस्थल पर कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन अपनी कड़ी मेहनत और योग्यता के बल पर आप इन सभी परेशानियों से बाहर निकलने में सक्षम होंगे। इससे आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। साथ ही सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर बने रहेंगे। जो जातक अपना व्यापार कर रहे हैं, उन्हें इस साल के दौरान लाभ होने की संभावना अधिक है, जिसके परिणामस्वरूप आप अपने व्यापार का विस्तार करने के बारे में भी विचार करेंगे। हालांकि इसके लिए आपको लोन पड़ सकता है। जो लोग नए व्यापार की शुरूआत करना चाहते हैं, उनके लिए ये साल अनुकूल है। आपको बिज़नेस में धन लगाने के लिए निवेशक मिल सकते हैं।

अंत में, आपको यही सलाह दी जाती है कि सकारात्मक सोच और नज़रिये वाले लोगों के साथ रहें। साल 2023 के मध्य में कोई भी नया काम लेने से बचें। साथ ही थोड़ा सावधान रहें क्योंकि आपको आगे कई नए अवसर प्राप्त होंगे। साल 2023 के दौरान रियल स्टेट बिज़नेस से जुड़े लोगों को भी काफ़ी मुनाफा होगा।

शिक्षा

वृश्चिक राशि के अनुसार, वृश्चिक राशि के जो छात्र पुलिस या सेना में शामिल होने के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयार कर रहे हैं, उनके लिए यह साल अनुकूल रहेगा। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें इसमें सफलता मिलने की प्रबल संभावना है।

उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने वाले छात्र इस साल बुलंदियां हासिल करेंगे। जो छात्र एथलेटिक्स या अन्य गतिविधियों से जुड़े हैं, उनके लिए 2023 फलदायी सिद्ध होगा। बस आपको केवल यह सलाह दी जाती है कि बेकार के कामों में समय बर्बाद करने से अच्छा है कि अपना सारा ध्यान पढ़ाई में केंद्रित करें

पारिवारिक जीवन

वृश्चिक राशि यह वर्ष आपके पारिवारिक जीवन के लिए औसत रहेगा। आशंका है कि आपके परिवार में किसी बात या मामले को लेकर असंतोष की भावना दिखाई देगी क्योंकि शनि आपके चौथे भाव में मौजूद होंगे। ये परिस्थितियां साल के शुरूआती कुछ दिनों को छोड़कर पूरे वर्ष बनी रहने की संभावना है। सिंह राशि के दसवें भाव के सक्रिय होने के कारण, यह साल करियर के लिहाज़ से अनुकूल रहेगा लेकिन आपको पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। काम के ज्यादा बोझ की वजह से आपको पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच संतुलन बनाए रखने में परेशानी महसूस हो सकती है। साथ ही आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिसके चलते आपको अपने परिवार से दूरी का अनुभव होगा।

वैवाहिक जीवन

वृश्चिक राशि के अनुसार, वैवाहिक जीवन से जुड़े सभी मसले आपके नियंत्रण में होंगे लेकिन आपको जीवनसाथी के साथ बहस या वाद-विवाद करने से बचना होगा क्योंकि इन मतभेदों और विवादों के कारण रिलेशनशिप में उतार-चढ़ाव आने की आशंका है। साथ ही पार्टनर की सेहत को लेकर भी आपको सावधान रहना होगा। आपको सलाह दी जाती है कि समय-समय पर उनका चेकअप कराएं और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें। जो लोग अपने परिवार का विस्तार करने के बारे में सोच रहे हैं, उनके लिए साल का दूसरा भाग अनुकूल रहेगा क्योंकि कुंडली में संतान प्राप्ति के योग बन रहे हैं, इसलिए इस समय का फायदा उठाएं।

उपाय

वृश्चिक राशि के अधिपति देव कार्तिकेय जी और हनुमान जी की पूजा करें। साथ ही, कार्तिकेय स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ करें।छोटे भाई-बहनों की मदद करें एवं उनकी देखभाल करें।

शनिवार को गुड़ से बनी मिठाई गरीबों में दान करें।लाल रंग के रुमाल अपनी जेब में रखें। प्रतिदिन सुबह उठते ही सबसे पहले शहद का सेवन करें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केंद्र, हैदराबाद व सिकंदराबाद

2023 के पहले कारोबारी दिन बाजार में तेजी

सेंसेक्स 327 अंक बढ़कर 61,167 पर बंद, मेटल शेयर्स सबसे ज्यादा भागे

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में साल 2023 के पहले कारोबारी दिन, यानी सोमवार (2 जनवरी) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 327 अंक बढ़कर 61,167 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 92 अंक की तेजी के साथ 18,197 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयरों में तेजी रही। वहीं 8 शेयरों में गिरावट देखने को मिली।

टाटा स्टील-हिंडाल्को टॉप गेनर

टाटा स्टील, हिंडाल्को, ओएनजीसी, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, एक्सिस बैंक समेत निफ्टी-50 के 31 शेयरों में तेजी रही। डिविस लैब, टाइटन, एशियन पेंट्स,

बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा कंज्यूमर, टेक महिंद्रा, अपोलो हॉस्पिटल समेत निफ्टी के 18 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं एक शेयर में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मेटल सेक्टर में 2.43% की तेजी

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 10 में तेजी रही। मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.43% की तेजी आई। मीडिया और रियल्टी सेक्टर में 1% से ज्यादा की तेजी रही। बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, आईटी, पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक में भी तेजी रही। सिर्फ फार्मा सेक्टर में गिरावट देखने को मिली।

2022 के आखिरी कारोबारी दिन गिरा था बाजार

इससे पहले शेयर बाजार में साल 2022 के आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (30 दिसंबर) को गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 293 अंक गिरकर 60,840 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी 85 अंक की गिरावट के साथ 18,105 के स्तर पर आ गया था।

16 महीने के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बेरोजगारी

दिसंबर में बेरोजगारी दर 8.30% पर पहुंची

शहरों में ज्यादा हालत खराब

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। देश में बेरोजगारी की दर दिसंबर 2022 में बढ़कर 8.30% पर पहुंच गई। यह 16 महीने में सबसे ज्यादा है। इससे पहले अगस्त 2021 में बेरोजगारी दर 8.32% थी। दिसंबर 2021 में यह 7.91% और नवंबर-22 में 8% थी। बेरोजगारी दर में बढ़ोतरी मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़ने से हुई है।

शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी ज्यादा

दिसंबर में शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 10.09% पर पहुंच गई। यह नवंबर में 8.96% थी। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र की बेरोजगारी दर मामूली घटी है। यह दिसंबर में 7.44% रही, जो नवंबर में 7.55% थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के एमडी महेश व्यास ने कहा कि बेरोजगारी दर में वृद्धि उतनी बुरी नहीं, जितनी आगे दिख सकती है। बीते महीनों में श्रम भागीदारी की दर में बढ़ोतरी देखी गई है। यह दिसंबर में बढ़कर 40.48% पर पहुंच गई, जो 12 महीनों में सबसे ज्यादा है।

जुलाई-सितंबर में बेरोजगारी की दर घटकर 7.2% रह गई थी

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि दिसंबर में रोजगार दर बढ़कर 37.1% हो गई, जो जनवरी 2022 के बाद से सबसे अधिक है। आगामी महीनों में महंगाई रोकना और लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। एन

एसओ द्वारा नवंबर में आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर में बेरोजगारी की दर घटकर 7.2% रह गई थी। यह इससे पिछली अप्रैल-जून तिमाही में 7.6% के स्तर पर थी।

कैसे तय होती है बेरोजगारी दर?

दिसंबर में बेरोजगारी दर 7.6% रहने का मतलब यह है कि काम करने को तैयार हर 1000 वर्कर में से 76 को काम नहीं मिल पाया। सीएमआई हर महीने 15 से अधिक उम्र के लोगों का घर-घर जाकर सर्वे करता है और उनसे रोजगार की स्थिति की जानकारी लेता है। इसके बाद जो परिणाम मिलते हैं उनसे रिपोर्ट तैयार की जाती है।

इकोनॉमी की हेल्थ को दर्शाती है बेरोजगारी दर

सीएमआई के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत को बेरोजगारी दर सही तरह से दर्शाती है, क्योंकि यह देश की कुल जनसंख्या में कितने बेरोजगार हैं, इसको बताती है। थिंक टैंक को उम्मीद है कि रबी फसल की बुआई की शुरुआत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसका मतलब है कि चालू वित्त वर्ष में एग्री सेक्टर एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करेगा। इससे प्रवासी मजदूर खेतों की ओर वापसी करेंगे।

2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए और अधिक चुनौतीपूर्ण

आईएमएफ प्रमुख ने चीन पर कही ये बड़ी बात

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2023 के लिए वैश्विक विकास के अनुमानों में कटौती की है। यह स्थिति रूस-यूक्रेन युद्ध, बढ़ती महंगाई और इस पर काबू पाने के लिए केंद्रीय बैंकों जैसे यूएस फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में वृद्धि के कारण पैदा हुई है। नया साल पिछले वर्षों के की तुलना में आर्थिक दृष्टि से और कठिन साबित होने वाला है। आईएमएफ के प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जियोर्जिएवा ने सीबीएस संडे के फेस द नेशन कार्यक्रम के दौरान ये बातें कही है। आईएमएफ एमडी ने रविवार को कहा कि वर्ष 2023 में वैश्विक विकास के प्रमुख इंजन अमेरिका, यूरोप और चीन की अर्थव्यवस्थाओं में कमजोरी दिख रही है। उन्होंने बताया है कि दुनिया की तीनों बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका, ईयू और चीन में सुस्ती दिख रही है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2023 के लिए वैश्विक विकास के अनुमानों में कटौती की है। यह स्थिति रूस-यूक्रेन युद्ध, बढ़ती महंगाई और इस पर काबू पाने के लिए केंद्रीय बैंकों जैसे यूएस फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में वृद्धि के कारण पैदा हुई है।

चीन में जीरो कोविड पॉलिसी की समाप्ति और अर्थव्यवस्था के खोलने के बावजूद कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए उपभोक्ताओं में चिंता है। कोविड पॉलिसी में परिवर्तन के बाद नये साल पर अपने पहले संबोधन में शनिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि हम एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, इसके लिए और अधिक प्रयास और एकता की जरूरत होगी। जियोर्जिएवा ने कहा है कि 40 वर्षों में पहली बार वर्ष 2022 में चीन का विकास वैश्विक विकास के बराबर या कम रह सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में कोविड संक्रमण की एक और लहर चीन की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक विकास दोनों प्रभावित होने की आशंका है। बता दें आईएमएफ प्रमुख ने पिछले महीने के अंत में चीन की यात्रा की थी।

नोटबंदी के बावजूद मुद्रा का चलन छह साल में दोगुना

देश में 32.42 लाख करोड़ की करेंसी मौजूद

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार देश में चलन में मौजूद मुद्रा (सीआईसी) चार नवंबर 2016 को 17.74 लाख करोड़ रुपये थी जो 23 दिसंबर 2022 को बढ़कर 32.42 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आरबीआई के अनुसार ऑनलाइन भुगतान का चलन बढ़ने के बावजूद नकदी का इस्तेमाल लगभग दोगुना हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नोटबंदी पर सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। हालांकि सरकार के आंकड़े ही बताते हैं कि 2016 के नवंबर महीने में हुई नोटबंदी का देश में चलन में मौजूद मुद्रा (सीआईसी) पर कोई स्पष्ट प्रभाव नहीं पड़ा। यह फैसला उन लक्ष्यों को बहुत हद तक नहीं हासिल कर सका जिसके कारण इसे लिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ नवंबर 2016 को 500 और 1,000 रुपये के पुराने नोटों को चलन से बाहर करने की घोषणा की थी। सरकार की ओर से अभूतपूर्व फैसले का एक मुख्य उद्देश्य डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना और काले धन के प्रवाह पर अंकुश लगाना बताया गया था।

हालांकि सच्चाई यह है कि ऑनलाइन भुगतान का चलन बढ़ने के बावजूद देश में नकदी का इस्तेमाल बढ़कर दोगुना हो गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार देश में चलन में मौजूद मुद्रा (सीआईसी) चार नवंबर 2016 को 17.74 लाख करोड़ रुपये थी जो 23 दिसंबर 2022 को बढ़कर लगभग दोगुनी यानी 32.42 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार हालांकि नोटबंदी के ठीक बाद चलन में मौजूद करेंसी छह जनवरी 2017 को घटकर करीब नौ लाख करोड़ रुपये पर आ गई। यह चार नवंबर 2016 को चलन में मौजूद मुद्रा 17.74 लाख करोड़ रुपये की तुलना में करीब 50 प्रतिशत था। 500 और 1,000 रुपये के पुराने नोटों पर बैन के बाद चलन में मौजूद मुद्रा का यह पिछले छह साल में यह सबसे निम्नतम स्तर रहा। 6 जनवरी, 2017 की तुलना में अब तक सीआईसी (चलन में मौजूद मुद्रा) में लगभग तीन गुना या 260 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है। 4 नवंबर 2016 की तुलना में इसमें लगभग 83 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नोटबंदी का असर जैसे-जैसे कम होता गया सीआईसी सप्ताह दर सप्ताह बढ़ता गया और वित्त वर्ष के अंत तक यह 74.3 प्रतिशत शिखर पर पहुंच गया। इसके बाद यह जून 2017 के अंत में नोटबंदी से पहले के अपने उच्चतम स्तर के लगभग 85 प्रतिशत पर पहुंच गया। नोटबंदी के कारण सीआईसी में लगभग 8,99,700 करोड़ रुपये (6 जनवरी, 2017 तक) की गिरावट आई, जिसके परिणामस्वरूप बैंकिंग प्रणाली के पास सरप्लस लिक्विडिटी में बड़ी वृद्धि हुई। वहीं दूसरी ओर, नकद आरक्षित अनुपात (आरबीआई के पास जमा राशि का प्रतिशत) में लगभग 9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यह रिजर्व बैंक के तरलता प्रबंधन संचालन के लिए एक चुनौती की तरह था। केंद्रीय बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता को अवशोषित करने के लिए तरलता समायोजन सुविधा के तहत अपने साधनों विशेष रूप से रिवर्स रेपो की नीलामी का उपयोग किया।

टाइम डिपॉजिट स्कीम बनाम बैंक एफडी

निवेश करने से पहले जान लें कहां मिल रहा ज्यादा रिटर्न, यहां देखें नई ब्याज दरें

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार ने टाइम डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। टाइम डिपॉजिट स्कीम में 1 से 5 साल तक की अवधि के लिए 6.6 से 7% तक ब्याज दिया जा रहा है। इससे पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ,आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा ने हाल ही में फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। अगर आप एफडी कराने का प्लान बना रहे हैं तो आपको इससे पहले पोस्ट ऑफिस के नेशनल सेविंग्स टाइम डिपॉजिट अकाउंट सहित इन बैंकों की ब्याज दरों के बारे में जरूर जानना चाहिए। हम आपको इन फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दर और टाइम डिपॉजिट अकाउंट के बारे में बता रहे हैं। ताकि आप अपने हिसाब से सही जगह निवेश कर सकें।

यह एक तरह की एफडी ही है। इसमें एक

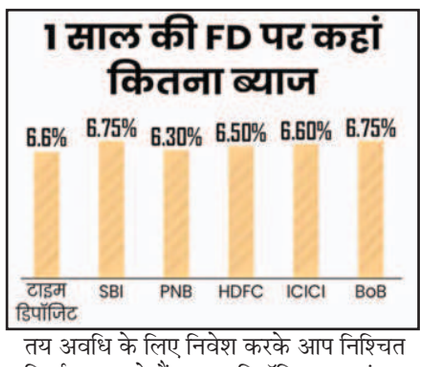

तय अवधि के लिए निवेश करके आप निश्चित रिटर्न पा सकते हैं। टाइम डिपॉजिट अकाउंट 1 से 5 साल तक की अवधि के लिए 6.6 से 7% तक ब्याज दर की पेशकश करता। इसमें 1000 रुपए का मिनिमम निवेश करना होता है। वहीं अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। एफडी से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह से टैक्सेबल होता है। आप एक साल में FD पर जो भी ब्याज कमाते हैं, वो आपकी एनुअल इनकम में जुड़ता है। कुल आय के आधार पर, आपका टैक्स स्लैब निर्धारित किया जाता है। चूंकि एफडी पर अर्जित इंटरेस्ट इनकम को ₹इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज₹ माना जाता है, इसलिए इसे टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स या टीडीएस के तहत चार्ज किया जाता है। जब आपका बैंक आपकी ब्याज आय को आपके अकाउंट में जमा करता है, तो उसी समय टीडीएस काट लिया जाता है।

यदि आपकी कुल आय एक वर्ष में 2.5 लाख रुपए से कम है, तो बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट पर टीडीएस नहीं काटता है। हालांकि, इसके लिए आपको फॉर्म 15जी या 15एच जमा करना पड़ेगा। ऐसे में अगर आप टीडीएस बचाना चाहते हैं तो फॉर्म 15जी या 15एच जरूर जमा करें।

एक्सपर्ट से जानें 2023 में बाजार का हाल

डर के माहौल में पैसा लगाने से होगी बढ़िया कमाई, इस साल सेंसेक्स 70,000 पहुंच सकता है

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नया साल 2023 शुरू हो चुका है। बीते साल रूस-यूक्रेन वॉर समेत अन्य कई वैश्विक विपरीत परिस्थितियों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी ने नए रिकॉर्ड बनाए। जहां ज्यादातर ग्लोबल मार्केट्स में 10 से 20% की गिरावट दर्ज की गई तो वहीं भारतीय बाजार में करीब 2% की तेजी रही। अब साल 2023 में भारतीय बाजार कैसा रह सकता है? निवेशकों को कहां और कब पैसा डालना चाहिए? रूस-यूक्रेन वॉर और चीन में फैल रहे कोरोना संक्रमण का बाजार पर क्या असर होगा? इन सवालों के जवाब यहां हम एक्सपर्ट से बातचीत के जरिए बता रहे हैं...

मार्केट आउटलुक

फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी एडलवाइज के फंड मैनेजर ने कहा, 'मार्केट को दो हिस्सों में देखना होगा। ग्लोबल कॉन्टेक्स्ट में देखें तो बाजार 20-25% करेक्ट हो चुके हैं। वहीं भारतीय मार्केट लाइफ टाइम हाई के करीब है। ग्लोबल कॉन्टेक्स्ट में हमारा वैल्यूएशन महंगा है। इंडियन कॉन्टेक्स्ट में देखे तो बीते 10 सालों में बाजार 20 के PE पर ट्रेड होता रहा है। अभी 21 के मल्टीपल पर ट्रेड हो रहा है। इसलिए 20 और 21 को ज्यादा महंगा नहीं बोला जा सकता। खास तौर पर ऐसे समय में जब बाहर काफी अनिश्चितता है और हमारे यहां स्टेबिलिटी है।'

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी और करेंसी) ने कहा, 'अगला साल 2023 काफी उतार-चढ़ाव वाला हो सकता है लेकिन कुछ पॉजिटिव खबरों का भी बाजार को सपोर्ट मिलेगा। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस साल रूस-यूक्रेन जंग खत्म हो सकती है। ऊर्जा की कीमतों में भी कमी आ सकती है। चीन में कोविड खत्म होने से ग्लोबल इकोनॉमी को बूस्ट मिल सकता है। गुप्ता के अनुसार आने वाला साल फिर से भारतीय बाजार के लिए अच्छा साल होगा। RBI के साथ-साथ यूएस फेड पॉलिसीज का बाजार की चाल में अहम रोल होगा।

सेंसेक्स 70000 तक पहुंच सकता है

भारत में रिटेल महंगाई दर 5.88% पर है और इसके और नीचे आने की उम्मीद है। कच्चे तेल की कीमतें नीचे आ रही हैं जो भारत के लिए

पॉजिटिव है। 2023 में हम रबी और खरीफ फसलें जैसे गेहूं, चावल, गन्ना, रमसीड, सोयाबीन, दलहन और ताड़ की अच्छी पैदावार की उम्मीद करते हैं। एफपीआई के निवेश में भी बढ़ोतरी की उम्मीद की जा सकती है।

अगले साल के लिए हम उम्मीद कर रहे हैं कि निफ्टी और सेंसेक्स आउटपरफॉर्म कर सकते हैं। निफ्टी 22000 से 23000 के स्तर को टेस्ट कर सकता है और सेंसेक्स 68000 से 70000 तक जा सकता है। पॉजिटिव इकोनॉमिक एक्टिविटी, कम महंगाई, राजनीतिक स्थिरता और ग्लोबल मार्केट में सुधार रिकवरी के प्रमुख कारक होंगे।'

डर के माहौल में पैसा लगाएं

'बहुत से लोग मार्केट को टाइम करने की कोशिश करते हैं। 2020 में भी जब 23 मार्च को लॉकडाउन अनाउंस हुआ था तो मार्केट में लोअर सर्किट लग गया था। लेकिन हम देखेंगे कि जिस दिन लॉकडाउन अनाउंस हुआ उसी दिन मार्केट का बॉटम बन गया। 23 मार्च की निफ्टी की क्लोजिंग 7600 थी और साल खत्म होते-होते निफ्टी 15000 के आस-पास आ गया। यानी की जब आपके सामने बहुत सारे नेगेटिव इवेंट है, लोग डरे हुए है तो उस समय पैसा डालने से बड़ा पैसा बनेगा। जितना पैसा लोग करेक्शन में नहीं खोते उससे ज्यादा करेक्शन के इंतजार में खो देते हैं। इसलिए जब-जब डर का माहौल होगा तब-तब पैसा लगाना चाहिए।' साल 2023 के लिए कुछ स्टॉक्स चुने हैं, जो निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकते हैं।

एसआईपी पैसा लगाने का सबसे बढ़िया तरीका

'बाजार में रिटेल निवेशकों को लमसम पैसा डालने की जरूरत नहीं है। SIP पैसा लगाने का सबसे बढ़िया तरीका है। जब-जब बाजार में गिरावट आए तो एसआईपी को डबल-ट्रिपल कर सकते हैं। वहीं उन्होंने कहा कि इक्विटी मार्केट में उतना ही पैसा डालना चाहिए जिसे आपको अगले 5 साल तक हाथ न लगाना पड़े। आप सोचेंगे कि 1-2 साल में पैसा बनाकर निकल जाऊंगा तो हो सकता है एक-दो साल बाजार आपको फेवर में न हो, लेकिन 5 साल तक बाजार के आपके फेवर में न होने के चांस कम है। लंबे समय में आपको एक्चुअल वेल्थ क्रिएशन दिखाई देगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु---	05-34 बजे
चंद्र-	वृष	में	मकर-	07-34 बजे
मंगल	वृष	में	कुंभ -	09-35 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	10-59 बजे
गुरु-	मीन	में	मेष--	12-38 बजे
शुक्र-	मकर	में	वृष--	14-24 बजे
शनि-	मकर	में	मिथुन..	16-25 बजे
राहु-	मेष	में	कर्क...	18-36 बजे
केतु-	तुला	में	सिंह...	20-49 बजे
			कन्या..	21-59 बजे
			तुला	01-05 बजे
			वृश्चिक	03-16 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **22 -02** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - पौष शुक्ल पक्ष , मंगलवार **Jan 03**
नक्षत्र - कृत्तिका - **16 -25** तक उपरान्त रोहिणी
योग - साध्य **-06 - 52** - तक उप शुभ
करण- बव. - **09 - 10** - तक उप- बालव
विशेष:- सर्वार्थ सिद्ध योग-**07-30** से
व्रत -त्योहार-

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:07 से 16:30 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग.	06:50 - 08:11 अशुभ	काल	17:50 - 19:30 अशुभ
उत्पात	08:11 - 09:34 अशुभ	लाभ	19:30 - 21:07 शुभ
चंचल	09:34 - 10:57 शुभ	उत्पात	21:07 - 22:44 अशुभ
लाभ.	10:57 - 12:21 शुभ	शुभ.	22:44 - 00:21 शुभ
अमृत.	12:21 - 13:44 शुभ	अमृत.	00:21 - 01:58 शुभ
काल.	13:44 - 15:07 अशुभ	चंचल	01:58 - 03:35 शुभ
शुभ.	15:07 - 16:30 शुभ	रोग	03:35 - 05:11 अशुभ
रोग.	16:30 - 17:50 अशुभ	काल	05:11 - 06:50 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो आ)

गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है।आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं।जो कुछ आपने सोचा है वो सब करने की कोशिश करें।आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो)

आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे। यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ झ के को हा)

दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है। घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा। आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी। अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते। इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ।इधर -उधर की हांकना आपकी आदत नही है

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी।आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है।आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं।अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है।

तुला (स री रु रे से ता तू ते)

आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें। पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें। आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी। इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू)

आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी।वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है। आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा। अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे।आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है।

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी)

आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है। अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा।आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं।प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए।

मीन (दी दू ध ञ ञ दे दो घ घी)

आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं। आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है। इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे।

आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं।अपने सामने आने वाली

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अफगान तालिबान की पाक को दो टूक

हमारी सरजमीं पर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे झूठे इल्जाम लगाना बंद करे पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद के बाद अब आतंकी हमलों को लेकर भी तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान के होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने धमकी दी है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की अफगानिस्तान में मौजूद पनाहगाहों पर हमला किया जा सकता है।

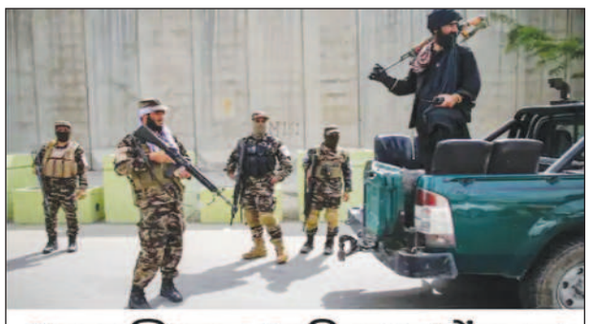

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में तनाव

इसके जवाब में अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत ने कहा है कि इस तरह के हमले किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। अफगान डिफेंस मिनिस्ट्री ने अलग से जारी बयान में कहा- पाकिस्तान हमारी सरकार पर झूठे इल्जाम लगाना बंद करे।

हमलों की मंजूरी किसी को नहीं

अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को पाकिस्तान के होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह की धमकी का जवाब दिया। मुजाहिद ने कहा- अफगानिस्तान की सरजमीं पर हमले की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी। यह बात सही है कि हम सभी पड़ोसियों से अच्छे रिश्ते चाहते हैं, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए।

तालिबान प्रवक्ता ने कहा-अगर पाकिस्तान को कोई दिक्कत है तो वो इस बारे में हमारी सरकार को जानकारी दे सकता है। किसी मुल्क को यह हक नहीं है कि वो दूसरे देश के इलाकों पर हमला करे। हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान इस बारे में हमसे बातचीत करेगा। हमारी फौज के पास इतनी ताकत और काबिलियत है कि वो हमलों का जवाब दे सकती है। अफगान डिफेंस मिनिस्ट्री ने सनाउल्लाह के बयान को बेबुनियाद और भड़काउ बताते हुए कहा- इस तरह के मामले बातचीत से सुलझाए जाने चाहिए।अफगान तालिबान की पाक को दो टूकःकहा- हमारी सरजमीं पर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे, झूठे इल्जाम लगाना बंद करे पाकिस्तान पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद के बाद अब आतंकी हमलों को लेकर भी तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान के होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने धमकी दी है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की अफगानिस्तान में मौजूद पनाहगाहों पर हमला किया जा सकता है। इसके जवाब में अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत ने कहा है कि इस तरह के हमले किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। अफगान डिफेंस मिनिस्ट्री ने अलग से जारी बयान में कहा- पाकिस्तान हमारी सरकार पर झूठे इल्जाम लगाना बंद करे।

हमलों की मंजूरी किसी को नहीं

अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को पाकिस्तान के होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह की धमकी का जवाब दिया। मुजाहिद ने कहा- अफगानिस्तान की सरजमीं पर हमले की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी। यह बात सही है कि हम सभी पड़ोसियों से अच्छे रिश्ते चाहते हैं, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए।

सिरसा में तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, बच्चे सहित पांच की मौत, दो घायल

सिरसा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा जिले के गांव मेहनाखेड़ा के पास सोमवार दोपहर के समय सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में एक बच्च सहित पांच लोगों की मौत हो गई। दो घायल हो गए। घायलों को नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। हादसे के कारणों का खुलासा अभी नहीं हो पाया है।

बताया जा रहा है गांव मेहनाखेड़ा निवासी एक परिवार कार में सवार होकर निजी काम से जा रहे थे। इस दौरान अचानक कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। दो घायलों का इलाज शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

न्यूयॉर्क में एक महीने में डेड बॉडी बन जाएगी खाद

गवर्नर ने दी ह्यूमन कम्पोस्टिंग की इजाजत, दांत-हड्डियां भी हो जाएंगे मिट्टी

न्यूयॉर्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में अब डेड बॉडी को जलाने या दफनाने की जरूरत नहीं होगी। उसे ईको-फ्रेंडली तरीके से उपजाऊ खाद में बदला जा सकेगा। इस मिट्टी को मृत व्यक्ति के परिवार वाले अपने बगीचे में इस्तेमाल कर सकते हैं। या चाहें तो जंगलों में बिखेरने के लिए दान भी कर सकते हैं। डेड बॉडी को मिट्टी में बदलने के इस तरीके को ह्यूमन कम्पोस्टिंग कहा जाता है। इस प्रक्रिया में डेड बॉडी को स्टेनलेस स्टील के एक सिलेंडर में रखा जाता है। उसके साथ में बायोडिग्रेडेबल मैटेरियल भी डाला जाता है। माइक्रोब डेड बॉडी और दूसरे मटेरियल को तोड़ते हैं। एक महीने के भीतर डेड बॉडी पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी में बदल जाती है।

ह्यूमन कम्पोस्टिंग की अनुमति देने वाला छठा राज्य बना न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क के गवर्नर कैथी होचुल ने ह्यूमन कम्पोस्टिंग कानून को पास कर दिया है। वह ऐसा करने वाला छठा अमेरिकी राज्य बन गया है। 2019 में सबसे पहले वाशिंगटन ने ह्यूमन कम्पोस्टिंग की अनुमति दी थी। इसके बाद 2021 में कोलोराडो और ओरेगन वहीं 2022 में कैलिफोर्निया और वर्मोंट ने इसकी इजाजत दे दी थी।

एक डेड बॉडी से बनती है 36 बैग मिट्टी

ह्यूमन कम्पोस्टिंग करने वाली 'रीकम्पोज' कंपनी के मुताबिक, एक डेड बॉडी से 36 बैग मिट्टी बनती है। इस प्रक्रिया में दांत और हड्डियां भी मिट्टी बन जाते हैं। कंपनी की आउटरीच मैनेजर एना स्वेनसन बताती हैं- परिवार वालों को मिट्टी सौंपने से पहले उसकी जांच की जाती है कि उसमें कोई हानिकारक पैथोजन तो नहीं है। इसके अलावा जिन लोगों की मौत टीबी की बीमारी की वजह से हुई हो या रेडिएशन थेरेपी से इलाज हुआ हो। उनकी डेड बॉडी की ह्यूमन कम्पोस्टिंग नहीं की जाती है।

दफनाने या जलाने की तुलना में कम एनर्जी खर्च होने का दावा

रीकंपोज कंपनी की एना स्वेनसन कहती हैं कि इस प्रक्रिया में पारंपरिक रूप से जलाने या दफनाने की तुलना में आठ गुना कम एनर्जी का इस्तेमाल होता है। इससे वायु प्रदूषित नहीं होती है। साथ ही उपजाऊ मिट्टी भी मिल जाती है। इससे अमेरिका में जगह की समस्या भी दूर हो सकती है। दरअसल, अमेरिका में डेड बॉडीज को दफनाने के लिए जगह लगातार कम हो रही है। कई बड़े क्रबिस्तानों के अगले 10-15 सालों में पूरा भर जाने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में ह्यूमन कम्पोस्टिंग से जगह की समस्या दूर हो सकती है।

पंजाब सीएम आवास के पास जिंदा बम शैल मिला

थोड़ी दूरी पर हैलिपेड भी, चंडीगढ़ में पुलिस ने इलाके को घेरा-आर्मी बुलाई गई

फाइबर के ड्रम में रखा बम शैल

चंडीगढ़, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की सेक्टर 2 स्थित कोठी से कुछ दूरी पर राजिंदरा पार्क में एक जिंदा बम शैल मिला है। बम शैल मिलने वाली जगह से कुछ ही देरी पर हैलिपेड है, जहां पंजाब के सीएम का हेलिकॉप्टर लैंड करता है। बम मिलने की सूचना से चारों तरफ खलबली मच गई। चंडीगढ़ पुलिस की टीमें, बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड मौके पर बुलाया गया। बम को चारों तरफ से कवर कर दिया गया है। वहीं चंडीमंदिर में आर्मी को इसकी जानकारी दे दी गई है। आर्मी की बम डिस्पोजल टीमें यहां पहुंचने वाली हैं।

100 नंबर पर पुलिस को दी जानकारी

जानकारी के मुताबिक राजिंदरा पार्क में आम के बाग में यह बम शैल पड़ा हुआ था। यह क्षेत्र यूटी के अधिकार क्षेत्र में आता है। दोपहर के वक्त कोई राहगीर यहां गया था। उसने बम जैसी कोई चीज देखी। जिसकी सूचना उसने तुरंत 100 नंबर पर पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एरिया डीएसपी भी मौके पर पहुंच गए। वहीं चंडीगढ़ प्रशासन की डिजॉस्टर मैनेजमेंट टीम भी यहां पहुंच गई।

चारों तरफ सेंड बैग रखे

वहीं स्थिति से निपटने के लिए सेक्टर 11 फायर स्टेशन से स्टेशन इंचार्ज अमरजीत सिंह भी पहुंचे। जानकारी के मुताबिक बम शैल एक्टिव था। बम को पूरी सावधानी के साथ फायबर के ड्रम में रख दिया गया है। वहीं इसके चारों तरफ सेंड बैग रख दिए गए हैं। चंडी मंदिर आर्मी को इसकी जानकारी दे दी गई है। वहीं कुछ जवान सुरक्षा के लिए यहां तैनात किए गए हैं।

बम मिलने की सूचना के बाद पुलिस के सीनियर अफसर वहां पहुंच गए। जिसके बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। बम पर आगे की कार्रवाई के लिए आर्मी के आने का इंतजार किया जा रहा है।

यूक्रेन में रूस कर रहा ड्रोन अटैक

कीव में 4 घंटे से सुनाई दे रहे एयर रेड सायरन, नए साल की शाम 400 रूसी सैनिक मारे गए

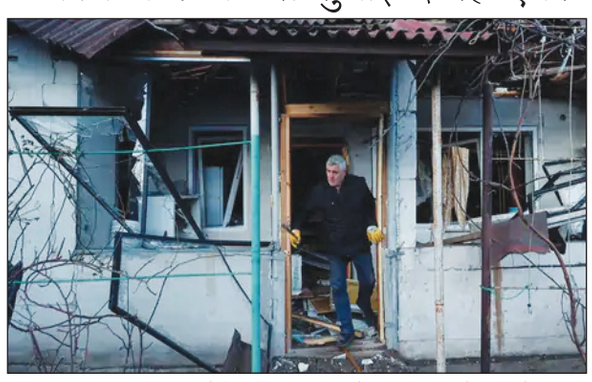

कीव, 2 जनवरी (एजेंसियां)। साल का दूसरे दिन शुरू होने से पहले ही रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन से हमले करना शुरू कर दिया। इन हमलों में यूक्रेन की राजधानी कीव के बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया है। रूसी हमलों की जानकारी गवर्नर ओलेक्सी कल्यूबा ने टेलीग्राम पर दी। हमलों की वजह से डेस्निआनसकी जिले में एक 19 साल का लड़का इमारत का मलबा गिरने से घायल हो गया।

वहीं बीबीसी के मुताबिक यूक्रेन ने नए साल की शाम को डोनटेस्क इलाके में 400 रूसी सैनिकों को मार गिराया। इसकी पुष्टि रूस ने भी की है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया है कि उनके कितने सैनिक मारे गए। कीव में सोमवार को 1 बजे से सायरन सुनाई दे रहे कीव में रूसी हमलों की चेतावनी देने के लिए 4 घंटों से लगातार एयर रेड सायरन बजाए जा रहे हैं। गवर्नर ओलेक्सी कल्यूबा ने लोगों से अपील की है कि वो शेल्टरों में रहें। उन्होंने बताया कि यूक्रेन का एयर डिफेंस इन हमलों को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन डट कर दे रहा रूसी हमलों का जवाब

अलजजीरा के मुताबिक सुबह तीन बजे से यूक्रेन ने कीव के आसमान में मंडरा रही 20 संदिग्ध चीजों को तबाह किया है। इनके रूस की तरफ से भेजे गए शाहीद ड्रोन होने की आशंकाएं थीं। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुताबिक रविवार रात को भी यूक्रेन ने रूस की तरफ से भेजे गए 45 ईरानी ड्रोन्स को तबाह कर दिया था।

नए साल पर पुतिन और जेलेंस्की में जुबानी जंग हुई

नए साल के दिन भी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की में जुबानी जंग हुई। दोनों ने नए साल पर अपने देश को संबोधित किया। पुतिन ने 9 मिनट लंबे संबोधन में कहा हमारी सेना अपनी मातृभूमि, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रही है। हम जंग जीतेंगे, अपने परिवारों के लिए रूस के लिए।

वहीं इसके पलटवार में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने भी वीडियो मैसेज जारी किया है। इसमें जेलेंस्की ने रूस के लोगों को कहा है कि पुतिन उन्हें तबाह कर रहा है। वो अपने सैनिकों का नेतृत्व नहीं कर रहा बल्कि उनकी आड़ में छिप रहा है।

यूक्रेन में साल के आखिरी दिन भी नहीं रुकी जंग

2022 खत्म होते-होते रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर मिसाइलों से हमला किया। न्यू ईयर की शाम को पूरा देश धमाकों की आवाज से गूंज गया। इन हमलों में यूक्रेन की राजधानी कीव में 1 व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हो गए। कड़कड़ाती ठंड में नए साल का जश्न मनाने की तैयारी कर रहे यूक्रेन के लोगों को इससे बड़ा झटका लगा है। यह पिछले तीन दिनों में रूस का यूक्रेन पर दूसरा बड़ा मिसाइल अटैक है।

यूक्रेनी फाइटर पायलट ने सैंटा क्लॉज बनकर मिसाइल दागीं

लोग बोले-सैंटा भी रूस को हराना चाहता है

कीव, 2 जनवरी (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग के 312 दिन पूरे हो चुके हैं। क्रिसमस और न्यू ईयर के मौके पर भी यूक्रेनी सैनिकों ने रूसी हमलों का जवाब दिया। इसके कई वीडियोज और फोटोज भी सामने आए हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक यूक्रेनी फाइटर पायलट को सैंटा क्लॉज के भेष में मिसाइल दागते देखा जा सकता है।

मीग-29 फाइटर जेट से दागीं मिसाइल

इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर यूक्रेन डिफेंस अकाउंट ने पोस्ट किया है। कैप्शन में बताया गया है कि फाइटर पायलट ने यूक्रेन एयर फोर्स के मीग-29 फाइटर जेट के जरिए हमला किया। उसने अमेरिकी मिसाइल AGM-88 HARM को रूसी टारगेट पर दागा। ये एयर टु सरफेस, एंटी रेडिएशन मिसाइल है। Mig-29 जेट में दो AGM-88 मिसाइल और दो R-37 शॉर्ट रेंज मिसाइल मौजूद हैं। R-37 एयर टु एयर मिसाइल है।

वीडियो को दो लाख से ज्यादा बार देखा गया

इस क्लिप को इंस्टाग्राम पर दो लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। पोस्ट को 20 हजार से ज्यादा लोगों ने लाइक भी किया है। कमेंट्स में एक यूजर ने लिखा- इस बार सैंटा के पास दूसरे जरूरी काम थे, इसलिए मुझे गिफ्ट नहीं मिला। दूसरे यूजर ने लिखा- इस सैंटा के सामने कोई नहीं टिक सकता।

लोकसभा 2024 चुनाव

एक बार फिर चाणक्य की भूमिका में अमित शाह

11 राज्यों की यात्रा कर भांपेंगे मिजाज

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह इस महीने अपनी पार्टी के लोकसभा प्रवास कार्यक्रम के तहत 11 राज्यों की यात्रा करेंगे, जिसका उद्देश्य 2024 में आम चुनाव से पहले लक्षित संसदीय क्षेत्रों में इसकी संभावनाओं को बढ़ाना है। लोकसभा चुनाव 2024 के एक साल पहले जिस तरह शाह ने प्लानिंग की है उससे साफ पता चल रहा है कि इस बार एक बार फिर से वे पार्टी के लिए चाणक्य की भूमिका में नजर आएंगे।

ये हो सकता है कार्यक्रम

पार्टी सूत्रों ने कहा कि शाह 5 जनवरी को त्रिपुरा और 6 जनवरी को मणिपुर और नागालैंड में रहेंगे। वह 7 जनवरी को छत्तीसगढ़ और झारखंड और 8 जनवरी को आंध्र प्रदेश की यात्रा करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वह 16 जनवरी को उत्तर प्रदेश, 17 जनवरी को पश्चिम बंगाल और 28 जनवरी को कर्नाटक के हुबली में रहेंगे। वहीं गृह मंत्री 29 जनवरी को हरियाणा और पंजाब के उत्तरी राज्यों में होंगे।

सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार, शाह 2014 से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के विस्तार के केंद्र में हैं। पार्टी ने पहले 160 सीटों की पहचान की थी, जिनमें से अधिकांश 2019 में हार गई थी, जहां उसका मानना है कि वह अपने संगठन और सामाजिक आधार को मजबूत करके जीतने की स्थिति में हो सकती है।

पश्चिम बंगाल के बांकुरा में ट्रक पलटने से चार की मौत

बांकुरा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में सोमवार को एक ट्रक हाइसे का शिकार हो गया। जानकारी के मुताबिक, ट्रक के पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसा रविवार रात बिष्णुपुर-पतरसयार रोड पर जनता मोड़ के पास हुआ।

ट्रक चावल की बोरियों के साथ बांकुड़ा जिले के तलडांगरा से पुरबा बर्धमान जिले के रैना की ओर जा रहा था, तभी उसका एक टायर पंचर हो गया, जिसके बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया। पुलिस ने बताया कि वाहन में चालक समेत छह लोग सवार थे। उन्होंने कहा कि सभी को बचा लिया गया और बिष्णुपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने कहा कि ये सभी रैना के रहने वाले थे।

कलयुगी मां ने तीसरी मंजिल से तीन महीने की बच्ची को फेंका

अहमदाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात में एक मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक कलयुगी मां ने अपनी ही तीन महीने की बीमार बच्ची को तीसरी मंजिल से नीचें फेंककर मार डाला। एफ डिवीजन के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पी.पी. पिरोजिया ने इस घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये दिल दहला देने वाली घटना अहमदाबाद के सिविर अस्पताल में हुई। फिलहाल आरोपी मां को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पी.पी. पिरोजिया ने बताया कि घटना रविवार तड़के अहमदाबाद के असरवा इलाके में स्थित सिविल अस्पताल में हुई थी। शुरुआत में आरोपी मां ने अस्पताल प्रशासन को बच्ची के लापता होने का दावा करके गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन जब सीसीटीवी फुटेज चेक की गई तो स्थिति साफ हुई।

उन्होंने बताया कि मृतक बच्ची का नाम अमरीन है और वह सिविल अस्पताल में पिछले दो सप्ताह से भर्ती थी। घटना का खुलासा करते हुए एसीपी पिरोजिया ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में आरोपी मां अपनी बेटी को लेकर गैलरी की ओर जाती और फिर खाली हाथ वापस आती हुई देखी जा सकती है। इसके बाद अमरीन का शव अस्पताल के कर्मचारियों को ग्राउंड फ्लोर पर मिला था। पूछताछ के बाद महिला ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उन्होंने बताया कि रविवार को शाहीबाग पुलिस थाने में इसे लेकर बच्ची के पिता ने जानकारी दी थी। जिसके बाद मामले में एफआईआर दर्ज की गई।

दर्ज एफआईआर के अनुसार, मृतक बच्ची जन्म के तुरंत बाद बीमार हो गई थी। जिसके कारण वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में उसका ऑपरेशन किया गया।

जहां वह 24 दिनों तक भर्ती रही थी। बच्चे के पिता आसिफ ने पुलिस को बताया था कि वडोदरा के डॉक्टरों ने दूषित पानी के सेवन को बीमारी का कारण बताया था। बाद में जब बच्ची की हालत बिगड़ गई तो उसे 14 दिसंबर को नदियाड के एक अस्पताल में ले जाया गया। जहां से उसे अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया गया था। एफआईर में बताया गया है कि बच्ची की आंत का एक हिस्सा उसके पेट से बाहर निकल आया था।

सरमा बोले-संप्रभुता की मांग छोड़ने पर ही उल्फा के साथ शांति वार्ता संभव

गुवाहाटी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि उल्फा (स्व.) के साथ शांति वार्ता तब तक संभव नहीं होगी, जब तक संगठन के नेता परेश बरुआ संप्रभुता की अपनी मांग को छोड़ नहीं देते। उन्होंने कहा, उल्फा (स्व) के साथ शांति वार्ता के लिए बैठना कोई मुद्दा नहीं है। लेकिन संगठन को वार्ता की मेज पर लाना सबसे कठिन हिस्सा है। एक दिन पहले ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के लोगों से परेश बरुआ पर नैतिक दवाब बनाने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा, जब तक परेश बरुआ संप्रभुता की मांग करते रहेंगे, तब तक उल्फा (स्व.) के साथ किसी भी तरह की शांति वार्ता संभव नहीं है। उल्फा (स्व.) की संप्रभुता की मांग ही विवाद की जड़ है। सरमा ने कहा, उल्फा (स्व.) के साथ बातचीत के रास्ते खुले हैं और असम सरकार मामले को सुलझाने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। दशकों पुरानी उल्फा उग्रवाद समस्या को हल करने में असम के लोगों की बड़ी भूमिका है। उल्फा (स्व.) के प्रमुख परेश बरुआ समय-समय पर संगठन की संप्रभुता की मांग पर जोर देते रहे हैं। उल्फा (स्व.) ने कई मौकों पर कहा है कि शांति वार्ता शुरू करने के लिए संप्रभुता का मुद्दा एजेंडे में शामिल होना चाहिए।

रोहतक में कीर्तन के दौरान फायरिंग

रोहतक, 2 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में भजन कीर्तन के दौरान किसी व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। गोली भजन मंडली के उप प्रधान की बाजू को छूकर निकल गई और वह बाल-बाल बच गया। घायल का पीजीआई में इलाज चल रहा है।

रोहतक की साईंदास कॉलोनी निवासी नितिन मल्होत्रा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर राधा रमन परिवार मंडली पंजीकृत करवाई हुई है। जिसमें वह उपप्रधान है। उनकी मंडली रोहतक शहर में अलग-अलग स्थानों पर जाकर भजन कीर्तन करती है। रविवार रात को भी उनकी मंडली रोहतक के गुरुनानकपुरा में भजन कीर्तन के कार्यक्रम में गई हुई थी। जहां पर भजन कीर्तन का प्रोग्राम चल रहा था।

हैंगओवर उतरा नहीं

नए साल की पार्टी और वेकेशन के हैंगओवर से कैसे बचें

एक्सक्लूसिव डेस्क, 2 जनवरी। क्रिसमस से नए साल तक पार्टी चलती रहती है। लोग वेकेशन पर रहते हैं। यानी पार्टी मोड ऑन, वर्क मोड ऑफ। जाहिर सी बात है कि इस तरह की पार्टी और वेकेशन वाइन-विस्की के बिना कंप्लीट नहीं होती। सेलिब्रेशन के बाद होता है हैंगओवर।

हैंगओवर सिर्फ दारू पीने वालों को नहीं होता। हैंगओवर हॉलीडे का भी होता है। जिसकी वजह से हॉलीडे से वापस आने के बाद लोगों का मन काम पर नहीं लगता।

हैंगओवर क्या होता है?

पार्टी में आप जमकर ड्रिंक करते हैं, दूसरे दिन आपको कुछ ठीक नहीं लगता। कुछ लोगों को सिर दर्द, थकान, आंखों में भारीपन जैसी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। ड्रिंक से होने वाले इन्हीं इफेक्ट्स को हैंगओवर कहते हैं।

इन 4 कारणों से होता है हैंगओवर

खाली पेट अल्कोहल लेने से

बिना पानी मिलाएं ड्रिंक से

शराब में मिलाए जाने वाले कॉन्जेनर्स से कैपेसिटी से ज्यादा ड्रिंक

हैंगओवर उतारने के लिए अपनाएं ये 5 उपाय

केला खाएं- केला शरीर के इलेक्ट्रोलाइट को बेहतर रखता है। जैसे ही हमारे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का स्तर कम होता है, थकान, सिरदर्द, मतली, मांसपेशियों में ऐंठन और ऊर्जा में कमी जैसी समस्या होती है। केला इससे बचाता है।

कॉफी पिएं: थॉमस जेफरसन यूनिसर्विटी के सर्वे के मुताबिक हैंगओवर को कम करने में कॉफी या चाय पीना भी फायदेमंद हो सकता है। थकान और सिरदर्द को दूर करता है।

नींबू पानी पिएं: हैंगओवर को कम करने के लिए नींबू पानी खूब पिएं। यह शराब के नशे को कम कर सकता है। इसके अलावा सिट्रिक फल खाना भी फायदेमंद हो सकता है।

दही खाएं: यह शरीर में मौजूद बैड बैक्टीरिया को गुड बैक्टीरिया में बदल देता है। इससे हैंगओवर का असर कम होता है।

नारियल पानी पिएं: नारियल पानी में भी इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, बॉडी को हाइड्रेट करते हैं। ये जरूरी न्यूट्रिएंट प्रोवाइड करते हैं।

अल्कोहल और अल्कोहल इनटॉलरेंस में क्या अंतर है?

अल्कोहल एलर्जी होने पर शराब को आपका शरीर प्रतिरोधक क्षमता तरह देखता है। इससे अलग तरह के प्रोटीन और हार्मोन बनने लगते हैं। इन हार्मोन्स की वजह से शरीर में एलर्जिक रिएक्शन दिखना शुरू हो जाते हैं।

वहीं अल्कोहल इनटॉलरेंस का मतलब शराब हजम न हो पाना। इसमें शराब पीने के बाद आपका डाइजेस्टिव सिस्टम सही से काम नहीं करेगा। पेट खराब, रैशेज, पेट में जलन, बुखार जैसे सिम्टम्स दिखेंगे। यह अल्कोहल एलर्जी से ज्यादा खतरनाक है।

जब यह फीलिंग डर में बदलने लगे यानी आपको लगे कि ऑफिस नहीं जाते तो अच्छा होता। आपका ध्यान बार-बार उस जगह पर जाएं, जहां आप घूमने गए थे तो इसे ही पोस्ट-वेकेशन ब्लूज या पोस्ट-वेकेशन डिप्रेशन के रूप में जाना जाता है।

सरल भाषा में समझें तो ट्रैवल हैंगओवर को पोस्ट वेकेशन सिंड्रोम कहते हैं।

छुट्टी के बाद काम पर लौटना इन वजहों से लगता है मुश्किल

आपको काम के प्रेशर का डर लगा रहता है। वेकेशन के पहले जो भी काम बीच में छूट गए थे, वापस जाकर वो भी पूरे करने होंगे। जिनके रिलेशन कलीग यानी साथ काम करने वालों के साथ अच्छे नहीं होते, उन्हें काम पर वापस लौटना अच्छा नहीं लगता। जिनके रिश्ते बॉस के साथ अच्छे नहीं, उनके मन में इच्छा होती है कि वेकेशन के दौरान की दूसरी जॉब मिल जाती तो इस वाले बॉस की शक्ल देखनी नहीं पड़ती।

छुट्टियों के दौरान जो काम आपने नहीं किया वो इकट्ठा हो गया होगा। इसलिए अब दोगुना काम करना होगा।

पोस्ट वेकेशन सिंड्रोम?

छुट्टी पर जाना या काम से ब्रेक लेना आपकी रेगुलर लाइफ में एक बड़ा बदलाव हो सकता है। इसलिए जब आप काम, स्कूल और अपनी जिम्मेदारियों पर वापस जाते हैं तो उदास होना और काम पर न लौटने की फीलिंग आती है। यह फीलिंग वैसे तो आम है।

छात्र-छात्राओं को परीक्षा देने से रोका, नाराज साथियों ने किया प्रदर्शन

अंबेडकरनगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अंबडेकरनगर महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के 6 छात्र-छात्राएं गहरे सदमे में हैं। सभी को मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी में भर्ती किया गया है। बताया जा रहा है कि परीक्षा से वंचित किए जाने के कारण इन छात्र छात्राओं को गहरा सदमा लगा है। मेडिकल कॉलेज में एक ही बैच के 46 छात्र-छात्राओं को परीक्षा से वंचित किया गया है। कॉलेज प्रशासन, विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय की कार्रवाई का हवाला दे रहा है। करीब एक महीने पहले सैकडों छात्रज-छात्राओं ने यह आरोप लगाया था कि उनसे अवैध धन उगाही हो रही है। पैसा न देने पर परीक्षा से वंचित किए जाने की धमकी दी जा रही है। जानकारी के मुताबिक जिन छात्रों को परीक्षा से रोका गया है, वे सभी पैरा 21 के छात्र हैं। कॉलेज प्रशासन की नीतियों का काफी दिनों से विरोध कर रहे हैं।

भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत

पिकनिक मनाकर लौट रहा था परिवार, पेड़ से टकराई कार, मृतकों में महिला और बच्ची भी शामिल

जशपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया है। जिसमें 4 लोगों की मौत हुई है। वहीं 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मरने वालों में एक महिला और बच्ची भी शामिल हैं। ये सभी एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये लोग पिकनिक मनाकर आ रहे थे। तभी इनकी कार पेड़ से टकरा गई और ये हादसा हो गया है।

जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर गांव का रहने वाला परिवार नए साल के दिन पिकनिक मनाने के लिए गुल्लु फॉल गया था। सभी ने वहां दिनभर मौज मस्ती की। इसके बाद देर शाम सभी वापस लौट रहे थे। तभी ये हादसा हो गया है।

बताया जा रहा है कि ईको कार में 10 लोग सवार थे। ये लोग अभी गुल्लु फॉल से आगे बढ़कर छुरी फॉल पहुंचे थे। उसी वक्त कार अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकरा गई। जिसके बाद मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई है। कहा जा रहा है कि मरने वालों में पित्रा-पुत्र शामिल हैं।

हादसे के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंच गए थे। इसके बाद घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को भी इस बात की सूचना दी गई थी। फिर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया था। आज ही शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया है। फिलहाल मरने वाले लोगों के

नाम सामने नहीं आ सके हैं।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 3 दिन पहले बड़ा हादसा हो गया था। टीमरलगा गांव के पास पानी से भरे खदान में कार गिरने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में 15 साल की लड़की तैरकर बाहर निकल गई। उसके मुताबिक गाड़ी में 5 लोग सवार थे। पुलिस ने चारों के शव बरामद कर ली है।

हादसे में अकेली बची लड़की को मामूली चोट आई है। उसके मुताबिक कार से परिवार के 5 लोग ओडिशा से वापस टीमरलगा गांव लौट रहे थे। तभी रास्ते पर पत्थर खदान में कार जा गिरी। इस घटना में लड़की तैरकर बाहर निकल आई। फिर राहगीरों की मदद से इस हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचकर पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने पहले तो सरपंच के पिता का शव बरामद किया। फिर गोताखोरों की मदद से 3 और लोगों की लाश निकाल ली गई। टीमरलगा के सरपंच महेंद्र पटेल अपने माता-पिता, पत्नी और 15 वर्षीय बेटी के साथ ओडिशा से लौट रहे थे। तभी ये हादसा हो गया। दो हफ्ते पहले कांकेर जिले में एक कार कुएं में गिर गई थी। हादसे में 4 लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में ओडिशा के नायब तहसीलदार, उनकी पत्नी और साले सहित 4 लोग शामिल थे। शनिवार 10 दिसंबर की रात कांकेर से शादी समारोह में शामिल होकर सभी कार से वापस लौट रहे थे। तभी जंगलवार कॉलेज के पास उनकी कार गायब हो गई थी।

12 दिसंबर को सुबह एनएच-30 पर हाईवे से करीब 15 मीटर दूर कार कुएं में गिरी मिली थी। पुलिस ने कार बाहर निकलवाई, तो उसमें चारों के शव मिले थे।

पारसनाथ को पर्यटन स्थल घोषित करने पर देश भर में विरोध-प्रदर्शन

27 जनवरी से सम्मेद शिखरजी में जुटेंगे जैन श्रद्धालु

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह जिले में अवस्थित पारसनाथ पहाड़ी को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने के खिलाफ देश भर विरोध में प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। पारसनाथ पहाड़ी दुनिया भर के जैन धर्मावलंबियों के बीच सर्वोच्च तीर्थ सम्मेद शिखरजी के रूप में विख्यात है। जैनियों के 24 में से 20 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि होने से यह उनके लिए पूज्य क्षेत्र है। जैन समाज का कहना है कि पर्यटन स्थल घोषित होने से इस पूज्य स्थान की पवित्रता भंग होगी। मांस भक्षण और मदिरा पान जैसी अनैतिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इससे अहिंसक जैन समाज की भावना आहत होगी। इस कारण जैन समाज के लोग पारसनाथ को वैष्णव देवी और वाराणसी की तरह तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग कर रहे है। इस संबंध में झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने भी केंद्र सरकार को पत्र लिखकर पारसनाथ को तीर्थस्थल घोषित करने का आग्रह किया है। राज्य सरकार की ओर से भी भरोसा दिलाया गया है कि पारसनाथ की पवित्रता बरकरार रहेगी।

पूरे इंडिया में जैन समुदाय के लोगों के विरोध प्रदर्शन के बीच नई दिल्ली में भी इंडिया गेट के अलावा देश के अलग-अलग जगहों जैन समुदाय के लोग प्रदर्शन कर रहे है। इस बीच 27 जनवरी से 3 फरवरी तक जैन धर्मावलंबियों का पारसनाथ में धार्मिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा हो सकती है।

देश भर में जैन समुदाय के विरोध पर झारखंड सरकार ने साफ किया गया है कि इस स्थल की पवित्रता और महत्ता बरकरार रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। राज्य के पर्यटन, कला, संस्कृति और खेलकूद विभाग के सचिव मनोज कुमार ने कहा कि जैन धर्मावलंबियों की भावना का ध्यान रखते हुए यहां मांस-शराब पहले से पूरी तरह से प्रतिबंधित है। सरकार ने गिरिडीह जिले के उपायुक्त को निर्देश दिया है कि यह प्रतिबंध प्रभावी तरीके से लागू हो।

झारखंड सरकार के मुताबिक सम्मेद शिखर के रूप में विख्यात पारसनाथ को केंद्रीय वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अगस्त 2019 में ही इको सेंसेटिव जोन के रूप में अधिसूचित किया है। ऐसे क्षेत्र में वन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी नई संरचना का निर्माण नहीं हो सकता है। जबकि पर्यटन स्थल के रूप में नोटिफाई किए जाने के पीछे का उद्देश्य जैन धर्मावलंबियों के लिए इस स्थान पर समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा है।

हेड मास्टर की हत्या कर गाड़ दी लाश

बदमाशों ने पहले डंडे से पीटा, नहीं मरा तो गला घोंटकर मारा, 4 दिन से लापता था

बलौदाबाजार, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले में एक हेड मास्टर की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। पूरा मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा है। जिसके चलते एक बदमाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर पूरी वारदात को अंजाम दिया है। बदमाशों ने टीचर का गला भी घोंट दिया था। इसके बाद उसकी लाश को गड्ढे में दफन कर दिया। हेड मास्टर पिछले 4 दिन से लापता था। मामला कसडोल थाना क्षेत्र का है।

खम्हरिया निवासी शांतिलाल पाटले(45) करदा के प्राथमिक शाला में हेड मास्टर थे। वह गांव में अपनी पत्नी सविता पाटले और 2 बच्चों के साथ रहते थे। बताया जा रहा है कि शांतिलाल 28 दिसंबर की सुबह 11 बजे के आस-पास से लापता थे। उनका कुछ पता नहीं चल रहा था।

शांतिलाल की पत्नी ने पुलिस से बताया कि वह सुबह निकले थे। मगर इसके बाद से उनका कुछ पता नहीं चला। फोन लगाने पर भी बंद आ रहा है। आस-पास के लोगों से भी बात कर ली। मगर उनके संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली रही है। इस पर पुलिस ने हेड मास्टर के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस इस केस में जांच कर रही थी। तभी पुलिस को पता चला कि हेड मास्टर आखिरी बार कसडोल निवासी संजय श्रीवास्तव व श्रीजन श्रीवास्तव के साथ देखा गया था। इसके बाद से ही वह लापता है। इस पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की, लेकिन उन्होंने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। बार-बार यहां-वहां की बातें करते रहे।

उधर, पुलिस को इन्हीं आरोपियों पर शक,था, क्योंकि संजय श्रीवास्तव आदतन बदमाश है। वो कई बार जेल जा चुका है। पुलिस की पूछताछ जारी रही और जब सख्ती से पूछताछ की गई, तब आरोपियों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपी संजय ने बताया कि मैं कई बार जेल जा चुका था। इस पर शांतिलाल मुझसे कहा करता था कि तुम ऐसा क्यों करते हो, क्यों जेल जाते हो। हमारे बीच गाली-गलौज तक हो चुकी थी।

आरोपी ने बताया कि कई बार ऐसा हुआ। जिसके चलते मैं नाराज था। इसलिए मैंने उसे मारने का प्लान बनाया और अपने साथी श्रीजन के साथ उसके पास 28 दिसंबर को पहुंचा था। हमने उसे किसी बहाने से अपने साथ ले गए। इसके बाद हम बात करते करते उसे जंगल की ओर ले गए। यहां हमने डंडे से उसे पीटा। फिर भी उसकी जान नहीं गई, तब हमने स्कार्फ से उसका गला घोंट दिया। बाद में हम बाबा सोनाखान रोड ग्राम पोड़ी के आगे सड़क किनारे पहुंचे। यहां सड़क किनारे गड्ढा था। हमने उसकी लाश को वहीं दफन कर दिया था। फिर मोबाइल को बंद कर अपने पास रख लिया था। इसके बाद अपने एक साथी भागवत दास (23) को बुलाया और उसकी कार को बिलासपुर भेज दिया था। भागवत ने ही हेडमास्टर की कार को बिलासपुर में लावारिस हालत में छोड़ दिया था। पुलिसस ने इस केस में तीनों आरोपयों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर ही रविवार को हेडमास्टर का शव बरामद कर लिया है।

'तेंदुए' का आतंक, चार बच्चों की मौत के बाद शाम ढलते ही कर्फ्यू जैसी स्थिति

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के वन विभाग ने एक तेंदुए को पकड़ने के लिए 50 'ट्रैप' कैमरे, एक ड्रोन और बड़ी संख्या में कर्मचारियों को तैनात किया है। इस तेंदुए ने पलामू प्रमंडल में 10 दिसंबर से अब तक चार बच्चों की जान ले ली है। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग ने तेंदुए को बेहोश कर पकड़ने के लिए हैदराबाद के रहने वाले मशहूर शिकारी नवाब शफत अली खान की भी सेवा ली है। आशंका जताई जा रही है कि गढ़वा जिले के तीन और लातेहार जिले के एक सहित सभी चार बच्चों की इसी तेंदुए ने जान ली है। मारे गये बच्चों की उम्र छह से 12 साल के बीच थी।

तेंदुए ने जिले के तीन ब्लॉक- रामकंडा, रंका और भंडारिया के 50 से अधिक गांवों में आतंक मचाया हुआ है और वन विभाग ने लोगों को सूर्यास्त के बाद घर से बाहर नहीं निकलने को कहा है। रामकंडा ब्लॉक के किसान रवींद्र प्रसाद ने कहा कि तेंदुए के डर से उनकी रातों की नींद उड़ी हुई है। महिलाएं और बच्चे सहमे हुए हैं। शाम को कर्फ्यू जैसी स्थिति बन जाती है।

घूमने गए 4 ठेकेदार एक सप्ताह से लापता

परिजनों ने कहा- नक्सलियों ने किया अगवा, पुलिस को पता नहीं

बीजापुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में चार ठेकेदार करीब एक सप्ताह से लापता हैं। चारों ठेकेदार घूमने के लिए गए थे। परिजनों का आरोप है कि ठेकेदारों को नक्सलियों ने अगवा किया है। ये ठेकेदार कोंडागांव, दंतेवाड़ा और बस्तर जिले के रहने वाले हैं। वहीं पुलिस ने ऐसी किसी भी जानकारी से इनकार किया है। अफसरों का कहना है कि, इस बात की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

जानकारी के मुताबिक, कोंडागांव जिले के ठेकेदार निमेंद्र कुमार दीवान व नीलचंद्र नाग, बस्तर के टेमरू नागर और दंतेवाड़ा जिले के चापड़ी बटैया 25 दिसंबर को बीजापुर घूमने के लिए गए थे। इसके बाद कथित तौर पर लापता हो गए। जब वे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। यह चारों ठेकेदार बीजापुर में ही सड़क निर्माण कार्य में भी लगे हुए थे। लापता ठेकेदारों के परिजनों के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के तहत जिला मुख्यालय से करीब 4 किमी दूर गोरना क्षेत्र से ठेकेदार लापता हुए हैं। परिजनों ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि हो सकता है कि ठेकेदारों को नक्सलियों ने अगवा कर लिया हो।

आरक्षण विधेयक की भेंट चढ़ा पहला दिन

हंगामे के बाद विधान सभा स्थगित

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र का पहला दिन आरक्षण संशोधन विधेयक के हंगामे की भेंट चढ़ गया। आरक्षण के मामले को लेकर विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा के बीच जमकर शोर-शराबा हुआ। इसके बाद अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने विधानसभा की कार्यवाही 3 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। वहीं हंगामा कर रहे विपक्ष के सदस्य गर्भगृह में पहुंच गए और निलंबित हो गए। फिर गांधी प्रतिमा के पास धरना दिया।

दरअसल, सोमवार से शुरू हुए विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आगाज ही हंगामेदार हुआ। आरक्षण संशोधन विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर नहीं होने और कानूनी रूप नहीं लेने के मसले पर सदन में भारी हंगामा हुआ। हालात इतने बिगड़ गए कि सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

वहीं दूसरी ओर प्रश्नकाल में विपक्ष ने जल जीवन मिशन में गड़बड़ी का मामला उठाया। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने इसमें 100 करोड़ रुपये घपले का आरोप लगाया है।

सदन की कार्यवाही शुरू होने बाद शून्यकाल में आरक्षण संशोधन विधेयक पर विपक्ष स्थगन प्रस्ताव लाना चाह रहा था। सत्ता पक्ष के विधायकों ने भाजपा के स्टैंड की आलोचना की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आरक्षण संशोधन विधेयक लागू नहीं होने की वजह से युवाओं की भर्तियां अटक गई हैं। दूसरी ओर भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हमें व्यवस्था का प्रश्न भी नहीं उठाने दिया जा रहा है। क्वांटिफाइबल डाटा आयोग की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाए।

प्रश्नकाल में विपक्ष ने उठाया जल जीवन मिशन के टेंडर का मामला

सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो प्रश्नकाल में विपक्ष के विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने पूछा कि बिलासपुर में 15 जुलाई 2022 से 7 दिसंबर तक जल जीवन मिशन के तहत कितने टेंडर निकले और कितने के लिए रिटेंडर या संशोधित किया गया? ऑनलाइन-ऑफलाइन रिटेंडर के लिए क्या समय सीमा निर्धारित तौर पर अगर विभाग द्वारा नियमों के विरुद्ध टेंडर किए गए तो उस पर क्या क्या कार्यवाही हुई? इन टेंडरों के सम्बन्ध में जिला प्रशासन को कितनी शिकायतें प्राप्त हुई और उन पर क्या कार्यवाही की गई?

201 टेंडर निकाले गए, तीन शिकायतें मिलीं

जवाब में पीएचई मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने बताया कि बिलासपुर जिले में 15 जुलाई 2022 से 7 दिसंबर तक जल जीवन मिशन के तहत 201 टेंडर निकाले गए। इनमें से 80 टेंडर- रिटेंडर और 15 टेंडरों के समय- सीमा में संशोधन किया गया। संशोधित व रिटेंडर के लिए निर्धारित समय सीमा, निविदाकार की जानकारी पुस्तकालय में रखे प्रपत्र अनुसार है। उन्होंने कहा कि कोई भी निविदा ऑफ-लाइन रिटेंडर नहीं की गई है। टेंडरों के संबंध में जिला प्रशासन को 3 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनका निराकरण किया गया।

चर्च में तोड़फोड़, समझाने गए एसपी का सिर फोड़ा

पथराव में थानेदार सहित कई पुलिसकर्मी घायल

नारायणपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में धर्मांतरण को लेकर सोमवार को बवाल हो गया। दो पक्षों के बीच जमकर संघर्ष हुआ। इस दौरान भीड़ ने एक चर्च में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने हंगामा बढ़ते देखा और समझाने पहुंची तो उपद्रवियों ने नारायणपुर एसपी सदानंद कुमार पर हमला कर दिया। उनका सिर फूट गया है। वहीं पथराव में थाना प्रभारी सहित कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। थाना प्रभारी को जगदलपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत एडका के आश्रित गांव गोर्रा में रविवार को इसाई मिशनरी के लोग बैठक कर रहे थे। इस दौरान आदिवासियों से धर्मांतरण को लेकर उनका विवाद हो गया। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। पुलिसकर्मी पहुंचे तो उनपर भी हमला किया गया।

इसे लेकर सोमवार को आदिवासी समुदाय ने बंद बुलाया था। सुरक्षा-व्यवस्था में सुबह से ही इलाके में पुलिस फोर्स तैनात थी। एसपी-कलेक्टर भी मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि अचानक से प्रदर्शन कर रही भीड़ उग्र हो गई और उसने चर्च पर हमला कर दिया। वहां जमकर तोड़फोड़ करने लगे। यह देखकर वहां मौजूद पुलिसकर्मी उन्हें समझाने के लिए पहुंचे। तभी भीड़ ने उन पर भी हमला कर दिया। पथराव किया गया और लाठी-डंडे चलने लगे। इसमें एसपी सदानंद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनके सिर पर टांके लगाए गए हैं।

वहीं कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। उन्हें भी अस्पताल भेजा गया है। सभी की स्थिति फिलहाल ठीक बताई जा रही है। घटना के बाद फोर्स मौके पर है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी भी नारायणपुर के लिए रवाना हो गए हैं। फिलहाल इलाके में हालात सामान्य है। पुलिस ने स्थिति को काबू में कर लिया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा ही है। वहीं आदिवासियों ने धर्मांतरण का आरोप लगाया है।

नशीला पदार्थ के जब्ती में पुलिस को बड़ी सफलता, लाखों की अफीम पकड़ी

हजारीबाग, 2 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग में पुलिस को नशीले पदार्थ के जब्ती मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। हजारीबाग के केरेडारी इलाके में पुलिस ने छापेमारी की और यहां से 18 किलो अफीम पकड़ी, वहीं इसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। साथ ही पुलिस को छापेमारी के दौरान नकद 13 लाख रुपये मिले, जिनको जब्त कर लिया है। हालांकि पुलिस ने अभी इस बारे में कोई बयान जारी नहीं किया, लेकिन माना जा रहा है कि हजारीबाग एसपी मनोज रतन इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया के समक्ष जानकारी सार्वजनिक करेंगे । पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की थी जिसमें यह बड़ी सफलता हाथ लगी है। खबरों की मानें तो चतरा से लाकर केरेडारी के घोल्टावीर में एक व्यक्ति के घर में बड़ी मात्रा में अफीम रखी गयी थी। पुलिस ने जब छापा मारा था तो घर मे सिर्फ महिलाएं थी, पुरुष कोई वहां मौजूद नहीं था।

इस्तीफे वापस मगर नोटिस पाने वाले नेताओं पर निर्णय नहीं

धारीवाल, जोशी और राठौड़ पर फैसला अब भी हाईकमान के लिए चुनौती, नए फार्मूले की तलाश में कांग्रेस

जयपुर, 2 जनवरी(एजेंसियां)। राजस्थान में विधायकों के इस्तीफे वापस लेने की कवायद के साथ ही स्थितियां बेहतर होती नजर आ रही हैं। कांग्रेस के जानकारों का मानना है कि हाईकमान राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट गुट के बीच हालातों को सामान्य कर रहा है। यह भी कहा जा रहा कांग्रेस में दोनों गुटों के बीच सुलह का फार्मूला तैयार हो चुका है। मगर सुलह की शांति के बीच अनुशासनहीता का मसला अब भी हाईकमान के लिए सिरदर्द बना हुआ है।

विधानसभा बजट सत्र से पहले विधायकों के इस्तीफे वापस दिलवाकर जहां कांग्रेस हाईकमान एक कदम मजबूती से उठा लिया है। मगर 25 सितम्बर के घटनाक्रम को लेकर जिन तीन नेताओं को अनुशासनहीनता का दोषी माना गया था उनपर कांग्रेस अब भी निर्णय नहीं कर पाई है। बता दें कि 25 सितम्बर को अनुशासनहीनता के दोषी मंत्री शांति धारीवाल, डॉ. महेश जोशी

और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस दिया गया था।

3 महीने बाद भी नोटिस पर स्थिति साफ नहीं

तीनों नेताओं को 25 सितम्बर को हुए घटनाक्रम का दोषी मानते हुए कांग्रेस हाईकमान ने 10 दिन के भीतर जवाब देने को कहा था। इसपर तीनों नेताओं ने नोटिस का जवाब दिया था। मगर उसके बाद से अबतक तीनों नेताओं पर कार्रवाई को लेकर स्थिति साफ नहीं हुई। इस घटनाक्रम को 3 महीने से ज्यादा बीत चुके हैं। एक ओर जहां इस्तीफों पर निर्णय ले लिया गया है। वहीं दूसरी ओर अनुशासनहीनता पर निर्णय नहीं होना कांग्रेस में चर्चा का कारण बना हुआ है।

कभी माफी की खबर तो कभी नकारा

इस पूरे मामले ने कई बार करवट ली। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान इस तरह की जानकारियां भी सामने आई कि तीनों नेताओं के माफी मांगने पर उन्हें माफ कर दिया गया है। हालांकि बाद में केसी वेणुगोपाल ने इसे खारिज किया। माफी मिलने की बात को इससे भी दम मिला क्योंकि यात्रा के दौरान तीनों नेता यात्रा में शामिल होकर सक्रिय नजर आए। नेता राहुल गांधी के साथ भी चले। मगर उसके बावजूद स्थितियां साफ नहीं हुई।

माफी मिली तो पायलट गुट के नाराज होने का खतरा

तीनों नेताओं पर कोई भी फैसला करना हाईकमान के लिए इसलिए मुश्किल है क्योंकि इस मसले पर जो भी निर्णय होगा उसका असर कांग्रेस की राजस्थान में राजनीति पर देखने को मिलेगा। खास तौर से अगर तीनों नेताओं को माफी मिलती है तो सचिन पायलट गुट इससे नाराज हो सकता है। क्योंकि जब 2020 में पायलट गुट ने बगावत की थी तब हाईकमान ने सभी नेताओं पर कार्रवाई की थी।

कार्रवाई हुई तो गहलोत की साख पर सवाल

वहीं दूसरी ओर तीनों नेताओं पर अगर हाईकमान कार्रवाई करता है तो इसका सीधा असर सीएम अशोक गहलोत की साख पर पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि तीनों नेता सीएम गहलोत के बेहद करीबी हैं। गहलोत इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद भी लगातार बयानों में नेताओं का बचाव भी करते आए हैं। ऐसे में इनपर कार्रवाई करने से गहलोत की साख पर असर पड़ने के साथ-साथ एक नए विद्रोह की संभावना बनती है।

हाईकमान निकालेगा बीच का रास्ता

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इस पूरे मामले में भी हाईकमान अलग से माथापच्ची कर रहा है। इस्तीफों के घटनाक्रम की तरह ही इस मसले पर भी बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा रही है।

किसी भी गुट की तरफ झुकाव दिखाने से बचने और अनुशासनहीनता को लेकर सख्त दिखने के प्रयास हाईकमान कर रहा है। ऐसे में जल्द ही इस मसले को लेकर नया फार्मूला हाईकमान तैयार कर सकता है।

बिजली कट पर बीजेपी का प्रदर्शन

डेढ़ घंटे तक नेशनल हाईवे किया जाम, पुलिस रोड जाम खुलवाने का करती रही मिन्नतें, आमजन परेशान

प्रतापगढ़, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शहर के नेशनल हाईवे 56 बिजली निगम पर आज भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने किसानों को समय पर बिजली नहीं मिलने को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। धरना स्थल पर बैठे भाजपा के कार्यकर्ता पदाधिकारियों की बात सुनने जब अधिकारी समय पर नहीं पहुंचे तो आक्रोशित भाजपा के कार्यकर्ताओं ने नेशनल हाइवे जाम कर दिया। रोड जाम करने से वाहनों की करीब 1 किमी तक लंबी कतारें लग गई।

पुलिस रोड जाम खुलवाने के लिए करती रही मिन्नतें

रोड पर बैठे भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों से रोड जाम खुलवाने का निवेदन करती रही और उन्हें रोड के किनारे साइड में आने के लिए कहा, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने पुलिस की एक नहीं सुनी।

रोड जाम होने से एंबुलेंस को निकलने में भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। ऑफिस दफ्तर आने जाने वाले लोगों को भी बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बिजली निगम के अधिकारियों ने भी की समझाइश

रोड जाम की सूचना मिलने पर बिजली निगम के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से समझाइश करने लगे। लेकिन किसानों की समस्याओं का हाथों-हाथ निराकरण के लिए कार्यकर्ता और पदाधिकारी अड़ गए। पुलिस भी जाम को देखते हुए बेबस खड़ी नजर आई।

बिजली निगम का जड़ा ताला कर्मचारी अंदर ही बंद रहे

जब बात नहीं सुनी तो निगम के कर्मचारियों ने एनएच-56 स्थित बिजली निगम के अधिशासी अभियंता कार्यालय पर ताला जड़ दिया। कुछ अधिकारी कर्मचारी अंदर ही बंद रहे। कहीं देर तक चले हाई वोल्टेज ड्रामा से करीब डेढ़ घंटे तक लोग परेशान रहे।

डीएसपी ने मामला दर्ज करने की कही बात

डीएसपी मुकेश सोनी से जब इस विषय में बात की गई तो उनका कहना है प्रदर्शन करने का अन्य तरीका होता है इस प्रकार से नेशनल हाईवे जाम करना यह गलत तरीका है। रोड जाम करने वाले के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

राहगीरों बोले- पार्टी के लोग हैं इसलिए पुलिस नहीं हटा रही

रोड जाम में खड़े राहगीरों ने कहा यदि कोई अन्य समुदाय जाति विशेष के लोग होते तो पुलिस उन्हें धमका कर रोड से हटा देती लेकिन पार्टी व राजनीतिक लोग होने के चलते पुलिस ने इनके ऊपर किसी प्रकार का कोई हल्का बल प्रयोग नहीं किया। जिससे करीब डेढ़ घंटे तक हम जाम में फंसे रहे।

राजस्थान के 12 शहरों में तेज सर्दी का अलर्ट

शीतलहर की चेतावनी; पाला पड़ने की आशंका, माउंट आबू में पारा -1.5 डिग्री

जयपुर, 2 जनवरी(एजेंसियां)। राजस्थान में अगले 4 से 5 दिन 12 शहरों में तेज सर्दी पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए 20KM की स्पीड से शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की है। शीतलहर के कारण पाला पड़ने की भी आशंका है। इधर, माउंट आबू में सोमवार को तापमान -1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस सीजन में सबसे कम पारा रहा।

जयपुर मौसम केन्द्र के मुताबिक आज बाड़मेर, जैसलमेर, गंगानगर में सर्द हवा के कारण पारा 2 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। बाड़मेर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। उदयपुर में तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर के आस-पास के इलाके में गलन ने लोगों को परेशान किया।

जयपुर ग्रामीण, सीकर, फतेहपुर, सवाई माधोपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर, पिलानी में सुबह कोहरा भी छाया रहा। हालांकि दिन चढ़ने के बाद कोहरा छंटने लगा और हल्की धूप निकली। कोहरे के चलते सुबह-सुबह इन एरिया में विजिबिलिटी 200 मीटर से कम रही।

माउंट में पारा माइनस में जाने से जमी बर्फ

हिल स्टेशन माउंट आबू में तापमान -1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यहां सुबह कड़ाके की सर्दी के कारण मैदानों और झील के किनारे बर्फ जम गई। आबू में सुबह हल्का कोहरा भी छाया रहा। कोहरे और बर्फ के बीच सुबह-सुबह लोग मैदानों में खेलते करते नजर आए। आबू में ये इस सीजन की सबसे ठंडी रात रही। इससे पहले 26 दिसंबर को माउंट आबू में पारा -1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था।

इन जिलों के लिए येलो अलर्ट

मौसम केन्द्र जयपुर ने 5 जनवरी तक अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, झुंझुनूं, करौली, सीकर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर और नागौर जिलों में शीतलहर और अति शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में सुबह-शाम तेज सर्दी के कारण पाला पड़ने की आशंका है। एक्सपर्ट ने छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सुबह-शाम इन शहरों में आने वाले दिनों में सर्दी से बचने के विशेष इंतजाम करने की भी सलाह दी है।

16 रिटायर्ड आईएएस-आईपीएस को सीएम गहलोत ने दी टॉप पोस्टिंग

एक कार्यकाल में ऐसा करने वाले पहले सीएम; मुख्य सचिव-डीजीपी रहे अफसर भी शामिल

जयपुर, 2 जनवरी(एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले चार साल में 16 आईएएस-आईपीएस अफसरों को रिटायरमेंट के बाद भी टॉप पोस्टिंग दी है।

प्रशासनिक कामकाज के लिए रिटायर आईएएस-आईपीएस अफसरों को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बहुत विश्वसनीय और योग्य मानते हैं। वे आईएएस-आईपीएस अफसरों को रिटायरमेंट के बाद किसी न किसी आयोग, बोर्ड, कमेटी आदि की कमान सौंप रहे हैं।

वर्तमान कार्यकाल में उन्होंने पिछले चार सालों में 16 आईएएस-आईपीएस अफसरों को रिटायरमेंट के बाद भी इस तरह की टॉप पोस्टिंग दी है।

रोचक बात यह भी है कि इनमें प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक जैसे शीर्षतम पदों पर रहने वाले अफसर भी शामिल हैं। राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी के अनुभवी जानकारों का कहना है कि संभवतः पूरे देश में गहलोत अकेले सीएम हैं, जिन्होंने एक ही कार्यकाल में इतनी बड़ी संख्या में रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट्स पर इस तरह का विश्वास जताया है।

राजस्थान में तो उनसे पहले किसी भी सीएम ने 5-6 से ज्यादा ब्यूरोक्रेट्स को इस तरह की पोस्टिंग नहीं दी है। दो दिन पहले ही गहलोत ने रिटायर हुए आईएएस अफसर चेतन देवड़ा को राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण का सदस्य बना दिया है।

सूत्रों का कहना है कि दो दिन पहले ही रिटायर हुए आईपीएस अफसर बी. एल. सोनी को भी जल्द ही किसी राजस्थान सूचना आयोग या किसी अन्य आयोग-बोर्ड आदि में चेयरमैन-कमिश्नर बनाया जा सकता है। सोनी पुलिस महानिदेशक के पद से रिटायर हुए हैं। उन्हें राजस्थान कैडर में सीएम गहलोत के सबसे विश्वसनीय आईपीएस अफसरों में से एक माना जाता है। सोनी के अलावा हाल ही रिटायर हुए पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर को भी इस तरह की पोस्टिंग दिए जाने की संभावना है।

राजस्थान कैडर से रिटायर्ड आईपीएस अफसर व पूर्व उप राष्ट्रपति भैंरोसिंह शेखावत के विशेषाधिकारी रहे बहादुर सिंह राठौड़ का कहना है कि आईएएस-आईपीएस अफसरों की प्रशासनिक योग्यताएं बोर्ड-निगम के अनुसार होती ही हैं। पॉलिटिकल लीडरशिप के नजदीक रहने का लाभ भी उन्हें मिलता है। हालांकि यह सब पर्सनल लॉयल्टी से ज्यादा तय होता है। योग्यता पहला कारण है, लेकिन इससे भी ज्यादा पर्सनल लिंक काम करता है।

राजस्थान कैडर में आईएएस रहे ए.के. सिंह का कहना है कि सीएम का विशेषाधिकार होता है। वो जिसे पसंद करे उसे रिटायरमेंट के बाद भी कुछ बना सकते हैं। यह सब आपसी संबंधों पर निर्भर करता है।

पाली में सूर्यनगरी एक्सप्रेस ट्रेन पलटी

24 यात्री घायल,12 ट्रेनें डायवर्ट; सीट के नीचे फंसे लोग

रेल मंत्री ने तत्काल दिलवाया मुआवजा

पाली, 2 जनवरी(एजेंसियां)। हादसा पाली जिले के बोमादडा गांव के पास सोमवार सुबह साढ़े 3 बजे हुआ। राजस्थान में पाली जिले के बोमादडा गांव के पास सोमवार सुबह करीब साढ़े 3 बजे सूर्यनगरी सुफरफास्ट ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेन के 3 डिब्बे पलट गए, जबकि 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। गनीमत रही कि हादसे में फिलहाल किसी की जान जाने की खबर नहीं है। 24 यात्री घायल हुए हैं, इसमें चार स्काउट स्टूडेंट शामिल हैं।

मौके पर भारी संख्या में रेलवे, पुलिस और प्रशासनिक अफसर पहुंच चुके हैं। हादसे के कारण की जांच की जा रही है। हादसे से यात्री बुरी तरह घबरा गए। ट्रेन से अपना सामान निकालकर पटरी-पटरी पैदल ही आगे जाते नजर आए। हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव लगातार बचाव कार्य की मॉनिटरिंग करते रहे और घायलों को तत्काल मुआवजा भी दिलवाया। सूर्यनगरी एक्सप्रेस बांद्रा से जोधपुर आ रही थी। रात 2 बजकर 48 मिनट पर मारवाड़ जंक्शन पहुंची थी। यहां से 3 बजकर 9 मिनट पर पाली के लिए रवाना हुई, इसी बीच बोमादरा गांव के निकट हादसा हो गया। ट्रेन के एस3 से एस5 डिब्बे पूरी तरह पलट गए। हादसे के समय ज्यादातर यात्री नींद में थे। घटना के बाद रेलवे ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। हादसे में घायल हुए यात्रियों में एक महिला गंभीर बताई जा रही है, उसे हॉस्पिटल पहुंचाया गया। ट्रेन में कुल 26 डिब्बे थे।

नागौर जिले के जसनगर(मेड़ता सिटी) हर्ष माहेश्वरी ने बताया- 'हम सूर्यनगरी ट्रेन में S-5 में बैठकर सूरत से पाली आ रहे थे। अचाकन बोमादड़ा गांव के निकट ट्रेन हिलने लगी। हम कुछ समझते, इससे पहले ही लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। कई लोग सीटों के नीचे फंस गए। मेरे डिब्बे में महिलाएं ज्यादा थीं। उन्हें ज्यादा चोटें आईं।' जोधपुर निवासी संजू ने बताया- 'मैं अपने भाई और एक साल की बेटी के साथ पूना से जोधपुर आ रही थी। अचानक आवाजें आने लगी कि हम गिरने वाले हैं। बचाओ... बचाओ...। मैं भी नींद से जागी। देखा तो सच में हमारा एस-3 डिब्बा एक तरफ झुक रहा था। मैंने तुरंत बेटी को संभाला और सीट को कसकर पकड़कर बैठ गई। इस दौरान डिब्बा पलट गया। फिर लोगों ने मुझे डिब्बे से बाहर निकाला। भगवान का शुक्र है कि हादसे में किसी की जान नहीं गई।'

बताया जा रहा है कि ट्रेन में 150 से ज्यादा स्काउट-गाइड भी थे। ये पाली में होने वाली जंबूरी में आ रहे थे। हादसे की सूचना पर स्काउट के गोविंद मीना, जितेंद्र भाटी सहित कई अधिकारी पहुंचे। हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव खुद बचाव कार्य की मॉनिटरिंग करते रहे और उन्होंने घायलों को तत्काल मुआवजा भी दिलवाया। घायल हुए 26 लोगों को तुरंत मुआवजा भी दे दिया गया। हादसे में कुल 26 लोग घायल हुए। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में सोमवार सुबह भर्ती 17 मरीजों को मौके पर ही मुआवजा राशि दी गई। यात्री इंदूदेवी के पैर में फ्रेक्चर हो गया। उन्हें गंभीर घायल मानते हुए रेलवे ने 1 लाख रुपए दिए और शेष मामूली घायलों को 25-25 हजार रुपए मुआवजे के रूप में दिए गए। जो यात्री प्राथमिक उपचार के बाद घर चले गए हैं, उन्हें भी रेलवे की और से मुआवजा दिया जा रहा है।

जयपुर के अरावली की पहाड़ियों पर लगी आग

4 किलोमीटर के इलाके को पूरी तरह से खत्म कर दिया

जयपुर, 2 जनवरी(एजेंसियां)। जयपुर के सामोद स्थित अरावली पर्वत माला में देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भीषण थी की लोग 10 किलोमीटर दूर से भी उसे आसानी से देख पा रहे थे। अरावली पर आग को देख पहाड़ी की तलहटी में बसे लोगों में दहशत फैल गई। समोद, आमलोदा, बंदौल, महार कलां, महार खुर्द के गांव के लोग रात भर सो नहीं पाए।

आग की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम से मिलने पर दमकल और सिविल डिफेंस को मौके पर भेजा गया। मौके पर पहुंची दमकल ने आग बुझाने का देर रात तक प्रयास किया, लेकिन वह भी सफल नहीं हो पाए। आग लगने की जानकारी मिलने पर वन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि आग ने करीब 4 किलोमीटर के इलाके को पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

पेड़-पौधे और वन्य जीवों को सबसे अधिक नुकसान

सिविल डिफेंस ने मौके पर पहुंच कर दमकल के कर्मचारियों के साथ मिल कर आग को कंट्रोल करने की कोशिश की। सुबह तक भी आग बुझाने के प्रयास जारी रहे। अभी-भी कई जगहों से धुआं निकल रहा है। इस लिए मौके पर दमकल की एक टीम को रिजर्व में रखा हुआ हैं। पहाड़ी इलाका होने के कारण वहां तक पानी पहुंचाना भी एक बड़ी चुनौती हैं। इस आग से जंगल में पेड़-पौधे,औषधी, वन्य जीव जो जमीन के नीचे और उपर रहते हैं। उन्हे बड़ा नुकसान हुआ हैं। हालांकि अभी तक इसे लेकर अधिकारी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों ने नहीं दी हैं।

आग लगने के कारणों का नहीं चला पता

स्थानीय लोगों ने बताया कि पहाड़ी पर शाम को करीब सवा 5 बजे धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। किसी ने इसे गम्भीरता से नहीं लिया। जैसे अंधेरा होता गया तो आग दिखाई देने लगी। इसी दौरान तेज हवाएं चली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। तलहटी पर रहने वाले लोगों को अपनी जान माल का जब खतरा दिखाई देने लगा तो लोग घरों से बाहर निकले।

पुलिस को सूचना दी जिस पर दमकल और सिविल डिफेंस मौके पर पहुंची। स्थानीय निवासी विकास शर्मा ने बताया कि जंगल में लोग पार्ट करने के लिए चले जाते हैं। वहां से लौटते समय आग को नहीं बुझाते जिससे की आग लगती हैं। यह पहली बार नहीं हुआ इससे पहले भी आग लगने की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

10 घंटे की मशक्कत के बाद बुझी आग

सिविल डिफेंस के महेन्द्र ने बताया कि करीब 10 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि इस दौरान एक बड़ा क्षेत्रफल आग लगने से पूरी तरह से बर्बाद हो गया। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण टीम को काम करने में काफी परेशानी हुई। रात होने के कारण पहाड़ पर चढना और फिर फायरमैन को कमांड देना एक बड़ी चुनौती थी। वहीं रात को अत्यधिक ठंड होने के कारण भी स्टाफ को काम करने में परेशानी हुई।

कोहरे के कारण ट्रक-बाइक की भिड़ंत, 3 की मौत

हनुमानगढ़, 2 जनवरी (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ में सोमवार सुबह घने कोहरे के कारण ट्रक और बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे में 3 लोगों की ट्रक के नीचे दबने से मौत हो गई, जबकि 4 घायल हो गए। घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

सभी लोग बाइक को मोडिफाई कर उसके पीछे बनाई गई ट्रॉली में बैठे थे। ट्रक से टक्कर के बाद बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद लोग ट्रक में से सेब की पेटियां लेकर भाग गए। हादसा टाउन थाना क्षेत्र के नौरंगदेसर गांव के पास हुआ था।

सीओ सिटी रमेश माचरा ने बताया कि पंजाब के फिरोजपुर क्षेत्र के शेरसिंह वाला के रहने वाले 7 लोग खेत्रपाल बाबा के मंदिर में माथा टेकने आए थे। यहां माथा टेकने के बाद वापस फिरोजपुर जा रहे थे। सेब से भरा ट्रक हनुमानगढ़ से रावतसर की तरफ जा रहा था। नौरंगदेसर बस स्टैंड के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक भी पलट गया। सीओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच पड़ताल में सामने आया कि घना कोहरा होने के कारण दोनों ही ड्राइवर सामने से आई गाड़ी को नहीं देख पाए और भिड़ंत हो गई।

आरबीएसई 10वी 12वी 2023

जारी होने वाला है राजस्थान बोर्ड का टाईम टेबल

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड आरपीएसई जल्द ही कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा 2023 की डेटशीट की घोषणा कर सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बोर्ड जल्द छात्रों के लिए ऑफिशियल वेबसाइट पर पूरा परीक्षा का कार्यक्रम जारी करेगा. एक बार डेटशीट रिलीज किए जाने के बाद छात्र इसे वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे. बता दें कि बोर्ड की ओर से राजस्थान बोर्ड 2023 डेट शीट वेबसाइट rajeduboard.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जाएगी.

पिछले साल बता दें कि राजस्थान में 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं 31 मार्च से 26 अप्रैल तक और 12वीं की परीक्षा 24 मार्च से 26 अप्रैल तक हुई थी. इन परीक्षाओं में लगभग 20 लाख स्टूडेंट शामिल हुए थे. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल मार्च के शुरुआत में ही परीक्षा शुरू हो सकती है.

फिर दिखाई दिए दो लेपर्ड : डियर पार्क के नजदीक रोड पर घूम रहे थे, बाद में पहाड़ी की तरफ चले गए

अजमेर, 2 जनवरी(एजेंसियां)। अजमेर के पुष्कर में लेपर्ड की दहशत बरकरार है। पुष्कर के डियर पार्क के नजदीक रविवार देर रात लेपर्ड दिखाई दिया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो बनाने वाले युवक के अनुसार उस वक्त पार्क के नजदीक दो लेपर्ड का मूवमेंट हो रहा था। जब तक वह वीडियो बनाते वहां से एक लेपर्ड पहाड़ी की तरफ भाग गया और उनके कैमरे में एक ही लेपर्ड कैद हुआ। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पहाड़ी पर लगातार लेपर्ड का मूवमेंट है। इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं और पब्लिक से सावधान रहने की अपील की गई है। वीडियो पुष्कर स्थित पंचकुट रोड डियर पार्क के नजदीक का है। वीडियो में लेपर्ड साफ दिखाई दे रहा है। वीडियो बनाने वाले अजमेर निवासी गौरव मित्तल ने बताया कि वह अपने दोस्त हर्ष पाराशर के साथ पुष्कर घूमने के लिए गए थे। रविवार रात 11 बजे के करीब जब वह अपनी कार से जा रहे थे तो इस दौरान डियर पार्क के नजदीक उनकी कार की लाइट से दो रोशनी चमकती हुई दिखाई दी। पास जाकर देखा तो 2 लेपर्ड वहां मौजूद थे।

भगवान को पाने के लिए परिवार में रहते हुए गहन तपस्या करनी पड़ती : कृपारामजी महाराज

'एक शाम संत श्री सेवानाथजी के नाम' जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा बंडलागुडा स्थित देवासी समाज मंदिर प्लॉट पर रामजी राम ग्रूप हैदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम भव्य जागरण एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। रामजी राम ग्रूप के आयोजकों द्वारा मंदिर प्लॉट पर विशेष पंडाल की व्यवस्था व मंच सजाकर संत श्री सेवानाथजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर नगर पधारे संत श्री राजारामजी एवं संत श्री कृपारामजी महाराज की मधुर आवाज में रात्रि 9.15 बजे से प्रवचन व सत्संग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संत श्री कृपारामजी महाराज ने प्रवचन व भजन-कीर्तन के माध्यम से सामूहिक परिवार में सनातन परम्परा व संस्कारों से परिवार में कैसे जिया जाये पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ईश्वर खोजने से नहीं, खोने पर मिलता है। जैसा कि हर पत्थर में भगवान नहीं होता, भगवान की प्राप्ति के लिए पत्थर को तराशना पड़ता है। उसी प्रकार हर इन्सान के अंदर ही भगवान रहता है, पर उसके लिए परिवार में रहते हुए गहन तपस्या करनी पड़ती है। तपस्या का सही समय जवानी होता है। जवानी में किये गये सत्कर्म कार्यों से इन्सान आदर्श बनता है, जिस पर जमाना नाज करता है। जवानी कागज की नौका है, जिसमें हर पल धोका है। यहीं से इन्सान आदर्श कार्यकर अपने परिवार की युवा-पीड़ी को संस्कारी बनाता है। कार्यक्रम मे पधारे सम्मानित अतिथियों व रामजीराम ग्रूप के सभी कार्यकर्ताओं का संत श्री राजारामजी महाराज ने मोमेन्टों व पुष्प-माला से विशेष सम्मान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रामजी राम ग्रूप के रामु, रामस्वरुप, दयालराम, संग्रामराम, भारतराम, सुखाराम, दिनेश एवं सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम स्थल पर मारवाड़ी युवा मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय पौष्टिक अनाज वर्ष 2023 का शुभारंभ समारोह

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नववर्ष 2023 के आगमन के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय पौष्टिक अनाज (मिलेट) वर्ष 2023 का आगाज हो चुका है तथा इसी संदर्भ में भाकृअनुप-भारतीय पौष्टिक अनाज (मिलेट) अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ के रोम स्थित खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्यालय में 6 दिसंबर, 2022 को इसका औपराचिरक रूप से उद्घाटन किया जा चुका है और इस समारोह में सुश्री शोभा करंदलाजे, माननीय कृषि एवं कल्याण राज्य मंत्री ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। अंतर्राष्ट्रीय पौष्टिक अनाज (मिलेट) वर्ष 2023 का प्रयोजन पौष्टिक अनाज/मिलेट (ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, कोदो, कुटकी चेना आदि) के पौष्टिक गुणों के प्रति लोगों में जागरूकता लाना तथा इनके मूल्य-वर्धित उत्पाद तैयार करना, ताकि बाजार में इन अनाजों की मांग बढ़े एवं उसका ज्यादा-से-ज्यादा लाभ किसानों तक पहुंच सके। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के अनुसार भापौअअनुसं में अंतर्राष्ट्रीय पौष्टिक अनाज (मिलेट) वर्ष 2023 का स्वागत किया गया। इस अवसर पर भारत की "विविधता में एकता' को ध्यान में रखते हुए विभिन्न भारतीय भाषाओं (हिंदी, तेलुगु, मलयालम, कन्नड, तमिल, मराठी, ओडिया, पंजाबी, राजस्थानी आदि) में अंतर्राष्ट्रीय पौष्टिक अनाज (मिलेट) वर्ष 2023 के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर संस्थान के कार्यकारी निदेशक, डॉ. सीवी रत्नावती ने कहा कि भारत सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज इन गरीबों का आहार (मिलेट) समझे जाने वाले अनाज को वरीयता दी जा रही है। इनके पौष्टिक गुणों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के द्वारा इन्हें पौष्टिक अनाज नाम भी दिया गया है। भारत सरकार की पहल पर, 82 देशों के समर्थन से कृषि एवं खाद्य संगठन ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पौष्टिक अनाज (मिलेट) वर्ष 2023 घोषित किया। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक तथा डॉ. बी अमसिद्ध, वैज्ञानिक के द्वारा किया गया।

अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा द्वारा अग्रसेन प्रतिमा पर माल्यार्पण

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा द्वारा नव वर्ष के उलक्ष्य में अग्रकुल प्रणेता महाराजा श्री अग्रसेन की बंजारा हिल्स रोड नं. 12 स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नव वर्ष के लिए आर्शीवाद प्राप्त किया गया। उक्त जानकारी देते हुए हिमायत नगर शाखा की मानद मंत्री रमा बाजोरिया ने बताया कि सभी शाखाओं द्वारा समय-समय पर प्रतिमा की आराधना कर अग्रसेन महाराजा के समाजवाद एवं अहिंसा आदि मूल्यों को पुनर्जीवित कर उन पर चलने का प्रयास किया जाता है। माल्यार्पण के बाद सभी ने भावी प्रोग्रामों के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर संस्थापक एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य डी.पी. अग्रवाल, अध्यक्ष पवन भुवानिया, मानद मंत्री रमा बाजोरिया, उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, परामर्शदाता मिट्ठनलाल मित्तल, महिला संयोजिकाएं सुमन भुवानिया एवं निर्मला संघी, युवा सयोजक विकास अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य आनन्द डालमिया, संजय गुप्ता, मनीष अग्रवाल, महेश सांवरिया, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, नरेश गोयल, प्रीति गोयल, मुकेश गुप्ता, शरद गुप्ता, सुनीता गुप्ता, किरण अग्रवाल, पूजा अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे।

पृष्ठ 3 का शेष...

अग्रमंच में प्रकाशित हर लेख

इस अंक के कई महत्वपूर्ण संदेशों के साथ ही विज्ञापन और अन्य रोचक सामग्री भी हैं। कार्यक्रम में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सेवा प्रदान करने वाले 18 लोगों को सम्मानित किया गया।

अवार्ड समिति के प्रमुख मनीष गोयल ने अग्रमंच के आरंभ से अब तक के सफर की जानकारी दी। कार्यक्रम में महेन्द्र अग्रवाल, अशोक जिंदल, रीना अग्रवाल, झलक अग्रवाल, वैष्णवी सोनी, नितिन तुलस्यान, योगेन्द्र अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, दिनेश पंसारी, दिपेश पंसारी, आयोजन समिति केशव शर्मा, मनोज गोयल, नंदगोपाल भट्टड, सीए शैलेन्द्र शर्मा, अनिल शर्मा ने सहयोग दिया। अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल, एफटीसीसीआई के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश सिंघल, पूर्व अध्यक्ष शेखर अग्रवाल, तापमा के अध्यक्ष विमलेश गुप्ता, मानद मंत्री अरुण लाहोटी, डॉ. हर प्रसाद, डॉ. विजय भास्कर रेड्डी, लक्ष्मीनिवास सिंघल, झुंझुनू प्रगति संघ के परामर्शदाता मुरारीलाल राणासरिया, कोषाध्यक्ष शंकरलाल तुलस्यान, रवि गोयनका, अनिल पटवारी, राजगोपाल मालू, जय भरतिया, धीरज खेतान, रविकांत बगडिया, सुनील सराफ, संजय पिंकी अग्रवाल, हर्ष, विशाखा अग्रवाल, विजय कुंछल, विजय जिंदल, विकास अग्रवाल, गोविन्द राठी, विजय तुलस्यान व अन्य उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच मेडचल का रक्त दान शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा द्वारा 31 दिसम्बर की रात करे प्रभु की बात कार्यक्रम में रक्त दान शिविर लगाया गया, जिस में 73 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया जिस में रक्तदान संयोजक कैलाश प्रजापति, जयेश सोलंकी, सुशील भायल, प्रेम कच्छवाह, हनुमालाल कवच्छवाह, मदनलाल प्रजापति , हनुमानलाल, मंगल मूलेवा, कालू राम, बंसीलाल प्रजापति एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नशीले पदार्थ के साथ दो फरार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नए साल के विशेष अभियान पर, हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने रामगोपालपेट पुलिस के साथ दो आरोपियों को पकड़ा। दोनों एक ड्रग तस्करी मामले में फरार थे। विशेष ऑपरेशन टीम ने 1 जनवरी को हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग के रामगोपालपेट पीएस के साथ कोंडापुर के मोहित अग्रवाल उर्फ मायरोन मोहित और बंजारा हिल्स के 59 वर्षीय मान्यम कृष्ण किशोर रेड्डी को गिरफ्तार किया और तीन ग्राम कोकीन और दो मोबाइल जब्त किए। पुलिस ने बताया कि मोहित अग्रवाल इंटरनेशनल डीजे का इवेंट ऑर्गनाइजर है। उन्होंने अपना खुद का व्यवसाय "द अनस्क्रिप्टेड" के रूप में शुरू किया, जो डीजे प्रदान करने के लिए एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी है। उन्होंने मुंबई, हैदराबाद, गोवा और बैंगलोर में डीजे की व्यवस्था करके बड़ी पार्टियों का आयोजन शुरू किया। उसके ड्रग तस्करों और उपभोक्ताओं के साथ 50 से अधिक संबंध थे। वह नियमित रूप से गोवा जाता है और पार्टियों में भाग लेता है और गोवा और हैदराबाद के विभिन्न क्लबों में अपनी सेवाएं भी देता है और कोकीन के सेवन का आदी है। रविवार को नए साल के दिन, आरोपी मायरोन मोहित को हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग ने रामगोपालपेट पीएस के साथ पकड़ा और उसके कब्जे से एक ग्राम कोकीन और एक मोबाइल फोन जब्त किया।

तेलंगाना स्पोर्टस पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा गनफाउंड्री कम्युनिटी हॉल में आयोजित सीनियर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विजेता हिन्दी महाविद्यालय के छात्र जग्गा राजशेखर को सम्मानित करते हुए हिंदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल। साथ में हैं उपप्राचार्य डॉ. श्रीदेवी, श्रीमती अश्वनी संपुरकर और खेल विभाग के लेफ्टिनेंट आकाश थापा।

रामदेवरा दरबार में महा पड़ी पूजा के साथ जागरण संपन्न

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में श्री अयप्पा स्वामी महा पड़ी पूजा के साथ जागरण तथा अन्न प्रसादी का आयोजन किया गया। पूजा में पधारे अयप्पा भक्तों का सम्मान किया गया। अवसर पर श्याम सुन्दर गिलडा, धर्मचंद जैन, धर्माराम ढाका, अरविंद शर्मा, सुरेश महाराज, बनवारी महाराज, निरंजन महाराज, राकेश महाराज, जनार्दन महाराज, पी. जगन्नाथ, अनील महाराज, अशोक, पंकज शर्मा, अशोक जांगीड़, नरेंद्र वैष्णु आदि की महत्ती उपस्थिति रही।

वैकुंठ एकादशी पर जियागुड़ा रंगनाथ स्वामी मंदिर में दर्शन-पूजन करते हुए एनआर लक्ष्मण राव, अरुण सिंह, अनिरुद्ध अग्रवाल, शक्ति सिंह, सतीश वंजारी व अन्य।

जिन्सी चौराहा स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में वैकुंठ एकादशी पर भगवान के दर्शन वंदन करते हुए समाजसेवी गोविंद नारायण राठी और श्याम।

कहते हैं धरती व नारी सर्वंसहा होती है। लोग नये साल पर मंदिर में पत्थर की मूर्ति को पूजने जाते हैं, किंतु वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एनके सिंह ने भाई मनोहर सिंह के साथ अपनी माता सावत्री देवी की नए साल पर पूजा की तथा उनका आशीर्वाद लिया।

राज्यपाल श्रीमती तमिलिसाई सैंदरराजन को नववर्ष की बधाई देते हुए राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, समिति मंत्री अशोक हीरावत, मनीष सोमाणी व अन्य।

बोईनपल्ली बपूजीनगर में वैकुंठ एकादशी पर भगवान वेंकटेश मंदिर में दर्शन-वंदन व पूजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप, पशुधन सुरक्षा स्थल समिति चंडावल गौशाला अध्यक्ष सुभाष पारीक, मंदिर कमिटी के सदस्य व अन्य।

रामकोट स्थित श्री रामान्जनेयलू मंदिर में वैकुण्ठ एकादशी पर दर्शन लाभ लेते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, सत्यनाारायण यादव, अशोक पंवार, प्रदीप कुमार पुजारी, उमाशंकर महाराज, निलेश महाराज एवं अन्य भक्तगण।

कुशाईगुडा में वैकुंठ एकादशी पर प्राचीनतम श्री पद्मावती वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर पूजा-अर्चना व तीर्थ प्रसादम कार्यक्रम में उपस्थित उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर, सोहनसिंह राजपुरोहित, रमेश चौधरी, नादम, सुरेन्द्र गौड, आनन्द, राजु शर्मा, सखाराम सीरवी व अन्य।

वैकुंठ एकादशी पर बंजारा हिल्स स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर देवस्थानम में पूजा-अर्चना करते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल। साथ में हैं पार्षद श्रीमती कृष्णा शशिकला, कृष्णा, पवन महाराज, शंकर, दिलीप सिंह व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सुप्रीम कोर्ट ने ...

सुप्रीम कोर्ट बोला, सरकार की नीति-नीयत ठीक :

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने नोटबंदी को सही ठहराने का फैसला सुनाते हुए कहा कि इस मामले में सरकार की नीति और नीयत ठीक थी। साथ ही इसके लिए केंद्र सरकार ने आरबीआई से मशविरा भी लिया था। लिहाजा नोटबंदी पर सवाल उठाने वाली सभी याचिकाएं खारिज की जाती हैं। हालांकि कोर्ट ने साफ कर दिया था कि नोटबंदी के फायदे-नुकसान के आधार पर वह फैसला नहीं सुना रहा है।

उम्मीद से बेहद कम कालाधन ही बाहर आया :

नोटबंदी करते समय सरकार को उम्मीद थी कि नोटबंदी से कम से कम 3 से 4 लाख करोड़ रुपये का काला धन बाहर आ जाएगा। हालांकि, पूरी कवायद में 1.3 लाख करोड़ रुपये का काला धन ही सामने आया। वहीं, नई करंसी के नकली नोट भी कई जगह पकड़े गए।

9.21 करोड़ कीमत के 2000 के नए नोट गायब :

6 साल पहले यानी 8 नवंबर को 500 और 1000 रुपये के 15.52 लाख करोड़ रुपये अर्थव्यवस्था से बाहर हुए थे। 2022 के अक्टूबर में एक रिपोर्ट में सामने आया कि नोटबंदी के समय जारी नए 500 और 2000 के नोटों में से अब 9.21 लाख करोड़ गायब हो गए हैं। इनका हिसाब आरबीआई के पास नहीं है।

इस मामले में एक बहस तब भी बढ़ी, जब पता चला कि साल 2017-18 के दौरान 2000 के नोट सबसे ज्यादा चलन में रहे, लेकिन इसके बाद अचानक गायब हो गए। फिर जानकारी मिली कि आरबीआई ने 2019 में इनकी छपाई ही बंद कर दी।

पाक हिंदुओं के ...

भारत के कदम को पाकिस्तान ने सराहा :

यह पहली बार होगा जब परिवार का कोई सदस्य खुद अस्थियों को लेकर हरिद्वार जाएगा। पाकिस्तान की मीडिया ने इस 'कदम को सराहा' है। भारत और पाकिस्तान के बीच 2019 से व्यापार बंद है। दोनों के संबंध अक्सर तनावपूर्ण बने रहते हैं। ऐसे में नागरिकों को दूसरे देश का वीजा मिलना लगभग असंभव है। कराची के सोल्जर बाजार और रणछोर लाइन में बड़े पैमाने पर हिंदू समुदाय रहता है जो विभाजन से बहुत पहले से यहां रह रहे हैं। अनुमान है कि इनकी आबादी 100,000 और 150,000 के बीच है।

वीजा के लिए रिश्तेदार की सिफारिश जरूरी :

थारपारकर जिले के कुनरी, नगरपारकर और इस्लामकोट में करीब पांच लाख हिंदू रहते हैं। पाकिस्तानी हिंदू अपने मृतकों का अंतिम संस्कार करते थे और अस्थियों को मंदिर या श्मशान घाटों में इस उम्मीद में रखते थे कि एक दिन वे इन्हें गंगा नदी में विसर्जित कर सकेंगे। भारत सरकार की पॉलिसी के अनुसार, परिवार के किसी सदस्य को अस्थियों को हरिद्वार ले जाने के लिए वीजा तभी जारी किया जा सकता है, जब भारत से परिवार का कोई सदस्य या वहां बसा कोई परिचित उन्हें स्पॉन्सर करे। ज्यादातर पाकिस्तानी हिंदुओं के भारत में रिश्तेदार नहीं हैं। कराची में ओल्ड गोलिमार के पास सोनपुरी श्मशान घाट के अस्थि कलश पैलेस में 300 हिंदुओं की अस्थियां रखी हुई हैं। इसके अलावा 128 लोगों की अस्थियां भी गंगा में विसर्जन के इंतजार में हैं।

एलओसी पर 13 ...

बंकर पाकिस्तान की किसी भी गोलाबारी का सामना कर सकेंगे। बंकरों में आमतौर पर डबल आरसीसी स्लैब होता है, जो पांच फीट रेत और मिट्टी से ढका होता है, ताकि गोले अंदर न जा सकें।

सामुदायिक बंकर में रह सकेंगे 50 लोग, सामान्य में 10 :

बंकर दो तरह के बन रहे हैं। परिवार के लिए फैमिली बंकर है। दूसरा बड़ा सामुदायिक बंकर है, जहां गोलाबारी के दौरान कई परिवार एक साथ शरण ले सकते हैं। प्रत्येक सामुदायिक बंकर की क्षमता 40-50 लोगों की है। फैमिली बंकर में 8-10 लोग रह सकेंगे।

एक आईपील परफॉर्मेंस से टीम इंडिया में एंट्री नहीं

बीसीसीआई बोला– फ्रेंचाइजी वर्कलोड मैनेज करें एनसीए साथ मिलकर काम करे...अब स्टार्स को रेस्ट देना होगा

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बीसीसीआई के फैसले के चलते आने वाले आईपीएल सीजन में हार्दिक पंड्या और बुमराह जैसे स्टार्स को रेस्ट दिया जा सकता है या रोटेड किया जा सकता है।

किसी क्रिकेटर के टीम इंडिया में सिलेक्शन का आधार सिर्फ एक आईपीएल सीजन का प्रदर्शन नहीं होगा। बीसीसीआई ने रविवार को 4 घंटे चली रिव्यू मीटिंग में यह स्पष्ट कर दिया है। मीटिंग में खिलाड़ियों के वर्क लोड, उनकी फिटनेस और टेस्ट पर भी चर्चा की गई। बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजियों को साफ कहा है कि वे खिलाड़ियों के वर्क लोड का मैनेजमेंट करें। नेशनल क्रिकेट अकादमी को बोर्ड ने आदेश दिया है कि वो इस मसले पर फ्रेंचाइजियों के साथ काम करे और कड़ी नजर रखे।

इस मीटिंग में टी-20 वर्ल्ड कप की हार की समीक्षा हुए। 2023 वर्ल्ड कप की तैयारियों पर बड़े फैसले लिए गए।

आईपीएल के संबंध में फैसला क्या और क्यों है?

बीसीसीआई ने नेशनल सिलेक्टर्स से कहा कि किसी भी खिलाड़ी को सिर्फ एक शानदार आईपीएल सीजन के आधार पर नेशनल टीम में न चुना जाए। सिलेक्टर्स यह भी ध्यान में रखें कि आईपीएल के अलावा क्रिकेटर ने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया हो। बोर्ड जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे स्टार परफॉर्मर्स की चोटों को लेकर भी फिक्रमंद है। इसीलिए आईपीएल फ्रेंचाइजियों को वर्ललोड मैनेजमेंट और

खिलाड़ियों की फिटनेस पर नजर रखने का फरमान सुनाया है। भारतीय टीम 2011 के बाद से वर्ल्ड कप टाइटल नहीं जीत सकी है। 2013 के बाद टीम ने कोई आईसीसी ट्रॉफी पर भी कब्जा नहीं किया है। इसीलिए बोर्ड ने 2023 वर्ल्ड कप को नजर में रखते हुए यह फैसला लिया।

बोर्ड के फैसले का आईपीएल पर क्या असर होगा?

बीसीसीआई के फैसले से आईपीएल फ्रेंचाइजियों की मुश्किल बढ़ जाएगी। वर्कलोड मैनेजमेंट और फिटनेस पर नजर रखने का मतलब यह है कि 2023 आईपीएल में कई स्टार्स या तो रोटेड होंगे या फिर उन्हें बीच-बीच में रेस्ट भी दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या, चेन्नई के रवींद्र जडेजा, मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को सशर्त आईपीएल खेलने की मंजूरी दी गई है। क्योंकि ये चारों ही खिलाड़ी 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए बेहद अहम हैं।

फ्रेंचाइजियों की इस फैसले पर क्या राय है?

आईपीएल फ्रेंचाइजियों के ऑफिशियल्स ने कहा, प्लेयर्स आईपीएल को शानदार बनाते हैं न कि उनकी फ्रेंचाइजी। ऐसे में उनका ध्यान रखना जरूरी है। कोई भी दूसरा चोटिल दीपक चाहर या श्रेयस अय्यर नहीं चाहता है, जो पूरे सीजन से बाहर रहें। ऐसे खिलाड़ी आईपीएल ब्रांड के लिए जरूरी हैं। हमें उनके वर्कलोड पर ध्यान देना होगा, ताकि वे चोटिल न हों। ऐसे में उन्हें आराम देना और बहुत ऐहतियात से मैचों में उनका इस्तेमाल जरूरी हो जाएगा।

आईपीएल में किन खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर रहा और वो इंटरनेशनल में फेल हुए?

राहुल चाहर, वरुण चक्रवर्ती, शिवम दूबे, देवदत्त पडिक्कल, वेंकटेश अय्यर और अवेश खान का IPLमें शानदार प्रदर्शन था। इसके बाद ही टीम में जगह दी गई। ये खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। आज ये खिलाड़ी कहीं भी तस्वीर में नहीं हैं।

से राहुल चाहर और वरुण चक्रवर्ती को 2021 में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम के हिस्सा थे। पर आज वह गायब हैं। सूर्य कुमार यादव, ईशान किशन, अर्शदीप सिंह और दीपक हुड्डा और ऋतुराज गायकवाड़ जैसे खिलाड़ियों को मौका मिला तो इन्होंने जगह पक्की कर ली। आईपीएल के साथ-साथ घरेलू टूर्नामेंट में भी इनका प्रदर्शन शानदार था।

बीसीसीआई रिव्यू मीटिंग के 2 और बड़े फैसले

2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 20 खिलाड़ी शॉर्ट लिस्ट होंगे

2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 20 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया जाएगा। इनमें 16 खिलाड़ी तो श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शामिल किए गए खिलाड़ी हैं। रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, युजवेंद्र चहल और श्रेयस अय्यर का वर्ल्ड कप के लिए चुना जाना तय है। ऋषभ पंत के ठीक होने पर उन्हें भी शामिल किया जा सकता है। संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़, आर अश्विन, भुवनेश्वर कुमार के भी नाम आ सकते हैं। वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया 5 सीरीज खेलेगी। सभी में 3-3 मैच होंगे। 50 ओवर का एशिया कप भी खेला जाएगा। सभी 20 खिलाड़ियों को इन मैचों में ट्राय किया जाएगा और फिर वर्ल्ड कप के लिए फाइनल 15 की स्क्वॉड तैयार होगी।

चोट के बाद वापसी पर यो-यो और डेक्सा टेस्ट पास करना जरूरी

टीम इंडिया का हिस्सा बनने के लिए उन्हें डेक्सा स्कैन और यो-यो टेस्ट पास करना भी जरूरी है। डेक्सा हड्डियों का स्कैन टेस्ट होता है और यो-यो टेस्ट में खिलाड़ियों को 20-20 मीटर के स्प्रिंट लगाने होते हैं।

2023 में टीम इंडिया का पहली चुनौती..श्रीलंका से टी-20

टी-20 टीम में मावी, मुकेश और त्रिपाठी जैसे यंग चेहरे, सूर्या पहली बार उप-कप्तान

खेल डेस्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। 3 जनवरी को टीम इंडिया 2023 का पहला मुकाबला खेलेगी। श्रीलंकाई टीम टी-20 और वनडे सीरीज के लिए भारत आ चुकी है। पहले टी-20 के लिए हार्दिक की कप्तानी में टीम में नए चेहरे हैं। सूर्यकुमार को पहली बार उप-कप्तान बनाया गया है।

पहले टी-20 को युवाओं के टेस्ट के तौर पर भी देखा जा रहा है। इसे टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की तैयारियों की शुरुआत भी कहा जा रहा है। टीम एक्सपेरिमेंट्स कर सकती है और नई रणनीति के साथ नजर आ सकती है।

पहले 2022 के प्रदर्शन पर नजर...सबसे ज्यादा 46 मैच जीते

2022 में टीम इंडिया ने 71 मैच खेले। 46 में जीत और 21 में हार मिली। 1 मैच टाई रहा जबकि 3 में नतीजा नहीं निकल सका। एक कैलेंडर ईयर में टीम इंडिया ने सबसे ज्यादा मुकाबले जीते हैं।

लीडरशिप नई, सूर्या पहली बार उप कप्तान

साल के पहले टी-20 या कहें सीरीज के लिए टीम की लीडरशिप नई है। मैनेजमेंट ने साल के पहले प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी हार्दिक पंड्या को सौंपी है। सूर्यकुमार को उनका डेप्यूटी बनाया गया है। सूर्या पहली बार टीम इंडिया के उप कप्तान बने हैं।

टीम में 3 नए चेहरे

साल की पहली सीरीज के लिए सिलेक्टर्स ने शिवम मावी, मुकेश कुमार और राहुल त्रिपाठी को शामिल किया है। ये ब्लू जर्सी में खेलते नजर आ सकते हैं।

10 साल में सिर्फ एक बार साल का पहला मैच जीत सके

बीते 10 साल की बात करें तो टीम इंडिया ने सिर्फ एक बार साल का पहला मुकाबला मुकाबला जीता है। दूसरे शब्दों में कहें तो नए साल के पहले मुकाबले में जीत के लिहाज से हमारी टीम का रिकॉर्ड बेहद खराब है। नए साल के पहले मुकाबले में जो इकलौती जीत हमारी टीम के हिस्से आई वो इंग्लैंड के खिलाफ थी। 2017 में टीम इंडिया ने वनडे में इंग्लैंड को तीन विकेट से हराया था।

एशिया कप और वर्ल्ड कप के अलावा 43 मैच खेलेगी टीम इंडिया

इस साल भारतीय टीम बाइलेट्रल सीरीज के 43 मुकाबले खेलेगी। इनमें 18 वनडे, 17 टी-20 और 8 टेस्ट शामिल हैं। इनमें एशिया कप और वर्ल्ड कप के मैचों को शामिल नहीं किया गया है।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए हमारी टीम

हार्दिक पंड्या (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (उप कप्तान), दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, संजू सैमसन, वॉशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, उमरान मलिक, शिवम मावी और मुकेश कुमार।

बाउंड्री के 3 मीटर बाहर कैच, आउट देने पर विवाद

फील्डर ने 2 बार बॉल को उछाला, 3 बार पकड़ा; जानें आईसीसी के नियम

खेल डेस्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में नए साल के पहले ही दिन एक कैच पर कॉन्ट्रोवर्सी हो गई। ब्रिसबेन हीट और सिडनी सिक्सर्स के बीच मैच हुआ। 19वें ओवर की दूसरी बॉल पर सिक्सर्स टीम के जॉर्डन सिल्क ने एक्स्ट्रा कवर की ओर हवा में शॉट खेला। जहां हीट टीम के माइकल नेसर ने 3 प्रयास में अद्भुत कैच पकड़ लिया। इसी कैच पर अब कॉन्ट्रोवर्सी होने लगी है।

क्या है कॉन्ट्रोवर्सी?

नेसर ने बाउंड्री के अंदर बॉल को पकड़ा और बॉल को हवा में पहले उछाल दिया। बॉल बाउंड्री के बाहर गई। नेसर करीब 2-3 मीटर बाउंड्री के बाहर गए और हवा में उछलते हुए बॉल को ग्राउंड को दूसरी बार उछाल कर अंदर पहुंचा दिया। फिर वापस बाउंड्री के अंदर गए और कैच पूरा कर लिया। अंपायर ने सिल्क को आउट दिया और उनकी टीम मैच हार गई।

इस कैच के बाद क्रिकेट एक्सपर्ट्स भी कन्फ्यूज हो गए। कई

एक्सपर्ट बोले कि एक बार बाउंड्री के बाहर जाने के बाद फील्डर कैच ले तो उसे लीगल नहीं मानना चाहिए। वहीं, कइयों ने इस कैच को लीगल माना। आगे खबर में हम जानेंगे कि इस तरह के कैच पर आईसीसी का आधिकारिक नियम क्या कहता है। साथ ही इस तरह के कैच का दूसरा उदाहरण भी देखेंगे।

क्या कहता है एमसीसी का नियम?

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के लिए क्रिकेट के नियम बनाने वाले मेरीलबोन क्रिकेट क्लब के रूल नंबर 19.5.2 में इस तरह के कैच का जिक्र है। इसके अनुसार, कैच लेते वक्त बॉल को पहली बार छूते समय फील्डर के पैर बाउंड्री के अंदर होने चाहिए। फिर कैच पूरा करते वक्त भी फील्डर के पैर बाउंड्री के अंदर ही होने चाहिए। बॉल से इन दोनों कॉन्टैक्ट के बीच फील्डर बाउंड्री से बाहर जा सकता है। वो बाउंड्री के बाहर हवा में उछलकर बॉल को ग्राउंड के अंदर भी फेंक सकता है। लेकिन, बाउंड्री के बाहर खड़े होकर बॉल को नहीं छू सकता। ऐसा करने से कैच कम्प्लीट नहीं माना जाएगा और बैटर नॉटआउट रहेगा।

नेसर का कैच नियमों के खिलाफ क्यों नहीं?

बिग बैश में नेसर ने कैच लेते वक्त एमसीसी के नियमों का पालन किया। पहली बार बॉल को छूते वक्त वह बाउंड्री के अंदर थे और कैच पूरा करने के दौरान भी वह बाउंड्री के अंदर ही थे। इस बीच वह बाउंड्री के बाहर भी गए। लेकिन, वहां खड़े होकर बॉल को नहीं छुआ। उन्होंने हवा में उछलकर बॉल को ग्राउंड के अंदर फेंका था। इसीलिए उनका कैच कम्प्लीट माना गया और सिल्क आउट करार दिए गए।

बाउंड्री के बाहर फील्डर क्यों नहीं खड़ा कर सकते?

कई एक्सपर्ट इस बात पर भी बहस करते हैं कि अगर फील्डर बॉउंड्री के बाहर जाकर कैच ले सकता है। तो उसे शॉट लगने से पहले ही बाहर खड़ा क्यों नहीं कर देते। इसका जिक्र भी एमसीसी के रूल नंबर 19.5.2 में ही है।

इसके अनुसार, बॉल फेंके जाने से पहले सभी फील्डर्स को बाउंड्री के अंदर ही रहना होगा। बॉल फेंके जाने के बाद भी फील्डर को ग्राउंड के अंदर एक बार गेंद को छूना होगा। इसके बाद ही वह बाउंड्री के बाहर जाकर कैच या बाउंड्री बचाने का प्रयास कर सकता है। वहीं, बॉल फेंके जाने से पहले अगर फील्डर बाउंड्री के बाहर खड़ा रहता है तो उस बॉल को नो बॉल करार दिया जाएगा।

दुबई लीग – फटाफट क्रिकेट का रोमांच 13 जनवरी से

अंबानी, अडाणी और शाहरुख की टीमें; पोलार्ड, उथप्पा जैसे खिलाड़ी

दुबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। टी 20 के फटाफट क्रिकेट के लिए दुबई तैयार हो चुका है। 13 जनवरी से यहां आईएलटी 20 (इंटरनेशनल लीग टी-20) के लिए छह टीमों के बीच मुकाबले होंगे। दुबई लीग की इन छह टीमों में से पांच टीमों के मालिक भारतीय हैं। मुकेश अंबानी की रिलायंस, गौतम अडाणी की स्पोर्ट्सलाइन और शाहरुख खान की नाइट राइडर्स की टीमें यहां मैदान पर नजर आएंगी। प्रत्येक टीम को लगभग 21 करोड़ रुपए का सैलरी कैप दिया गया है।

आईएलटी इसके साथ ही आईपीएल के बाद सबसे सबसे मालदार टूर्नामेंट बन गया है। टॉप प्लेयर कैटेगरी के लिए 3.72 करोड़ रुपए की अधिकतम सीमा रखी गई है। दुबई लीग में खिलाड़ियों के लिए ऑफर भी है। प्लेयर्स की लीग से होने कमाई को टैक्स फ्री करने का सबसे बड़ा ऐलान किया है। ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खिलाड़ी हर सत्र में 1.96 करोड़ रुपए की कमाई ही कर सकता है। दुबई लीग के लिए

सबसे बड़ी बाधा स्टेडियम-टेलीविजन के दर्शकों को लेकर है। 12 फरवरी तक चलने वाली दुबई लीग का शेड्यूल बिग बैश और दक्षिण अफ्रीका की लीग के साथ ही है। टीम इंडिया के बड़े खिलाड़ी भी प्री-शेड्यूल के कारण नहीं दुबई लीग में नहीं खेल पाएंगे।

कैरेबियाई खिलाड़ियों का दबदबा

गल्फ जायंट्स (अडाणी की टीम): क्रिस जॉर्डन, हेटमायर, लियाम डॉसन, जेम्स विंस

एमआई अमीरात (अंबानी की टीम): पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरन, इमरान ताहिर

अबू धाबी नाइट राइडर्स (शाहरुख की टीम): सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, जॉनी बेयरस्टो, पॉल स्टिरलिंग, लाहिरू कुमारा, कॉलिन इंग्राम

दुबई कैपिटल्स (जीएमआर): रॉबिन उथप्पा, रोमन पॉवेल, दुष्मंथा चमीरा, मुजीब उर रहमान

शारजाह वारियर्स (राजेश शर्मा की टीम): मोइन अली, डेविड मलान, एविन लुईस, नबी

डेजर्ट वाइपर्स (अमेरिकी टीम): कॉलिन मुनरो, टॉम करेन, बेन डकेट, वानिंदु हसरंगा

फ्रेंचाइजी टीमों में 84 अंतरराष्ट्रीय और 24 यूएई के खिलाड़ी शामिल किए गए हैं।

लीग का फॉर्मेट: राउंड-रॉबिन में हर टीम दूसरी टीम से दो बार खेलेगी। 30 लीग मैच, चार प्लेऑफ होंगे। दुबई में 16, अबु धाबी में 10 और शारजाह में 8 मैच होंगे। हर टीम में संयुक्त अरब अमीरात के चार लोकल खिलाड़ी होंगे।

बॉलीवुड शो: लीग के उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड के मशहूर रैपर बादशाह और आरएंडबी सिंगर जेसन डेरुलो प्रस्तुतियां देंगे। अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी का कहना है कि संयुक्त अरब अमीरात के प्लेयर्स इस लीग से अपनी पहचान बना पाएंगे।

टूर पैकेज: गल्फ ट्रेवल की जीएम एलार्ना कार्वेल का कहना है कि भारत से आने वाले पर्यटक दुबई मैचों को पैकेज में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। दुबई लीग के चलते जनवरी के दूसरे पखवाड़े के बाद यहां प्रति सप्ताह 20 लाख पर्यटकों के आने की संभावना है।

ओडीआई वर्ल्ड कप के लिए 20 प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट

रिव्यू मीटिंग में द्रविड़-रोहित और चेतन शर्मा से टी-20 डब्ल्यू हार पर हुए सवाल

खेल डेस्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने साल के पहले दिन मुंबई में रिव्यू मीटिंग की। इसमें रोहित शर्मा, हेड कोच राहुल द्रविड़, एनसीए चीफ वीवीएस लक्ष्मण, बीसीसीआई प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी, सेक्रेटरी जय शाह और पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा शामिल हुए। मीटिंग में एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप में हार की वजहों पर मंथन किया गया। साथ ही 2023 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए 20 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट भी किया गया।

बीसीसीआई रिव्यू मीटिंग के 3 पॉइंट्स...

इमर्जिंग प्लेयर्स को टीम इंडिया का हिस्सा बनने के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना जरूरी होगा।

टीम इंडिया में सिलेक्शन के लिए यो-यो टेस्ट और डेक्सा (बोन स्कैन टेस्ट) जरूरी होंगे। इन्हें पास करने के बाद ही प्लेयर्स टीम इंडिया का हिस्सा बन सकेंगे।

वनडे वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और टीम इंडिया के फ्यूचर टूर प्रोग्राम को ध्यान में रखते हुए एनसीए सभी आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ प्लेयर्स के वर्कलोड मैनेजमेंट को मॉनिटर करेगी।

20 प्लेयर्स ही ट्राय करेंगे

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए जिन 20 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट किया गया है, उन्हें ही वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया में ट्राय किया जाएगा। इनमें से ही वर्ल्ड कप के 15 मेंबर्स का स्क्वॉड तैयार किया जाएगा। वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया 5 सीरीज खेलेगी। सभी में 3-3 मैच होंगे। 50 ओवर का एशिया कप भी खेला जाएगा।

20 प्लेयर्स के पास खुद को साबित करने के लिए 15 से ज्यादा वनडे मैच रहेंगे। इस बार का वनडे वर्ल्ड कप पूरी तरह से भारत में खेला जाएगा। इसका आयोजन अक्टूबर-नवंबर के बीच होगा। हालांकि शॉर्टलिस्ट किए गए 20 प्लेयर्स के नाम अब तक जारी नहीं किए गए हैं।

4 घंटे तक हुई मीटिंग

रोहित शर्मा, राहुल द्रविड़, नेशनल क्रिकेट एकेडमी के चीफ वीवीएस लक्ष्मण और टीम इंडिया के पूर्व सिलेक्टर चेतन शर्मा के साथ मुंबई में हुई मीटिंग करीब 4 घंटे तक चली। 2023 में टीम इंडिया के टारगेट पर भी ब्रेनस्टॉर्मिंग की गई। 2023 में भारत को वनडे वर्ल्ड कप खेलना है। साथ ही इस साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी होना है। अगर भारत फरवरी-मार्च के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज जीत लेता है तो टीम लगातार दूसरी बार WTC का फाइनल खेल सकती है। पिछली बार भी हम फाइनल खेले थे, लेकिन वहां हमें न्यूजीलैंड के खिलाफ 8 विकेट से हार मिली थी।

2023 में पुरुष क्रिकेट के 4 बड़े इवेंट्स होंगे... इंटरनेशनल क्रिकेट को प्राथमिकता

बीसीसीआई प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग अटैंड की। मीटिंग में तय हुआ कि टीम इंडिया आने वाले दिनों में इंटरनेशनल क्रिकेट और बाइलैट्रल सीरीज को तवज्जो दी जाएगी। बीसीसीआई के सूत्रों ने बताया कि इस दौरान इंडियन प्रीमियर लीग पर भी ध्यान दिया जाएगा।

आईपीएल में प्लेयर्स पर एनसीए नजर रखेगा

मीटिंग में तय हुआ कि नेशनल क्रिकेट एकेडमी आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर भारतीय खिलाड़ियों के खेल और फिटनेस को मॉनिटर करेगी। एनसीए खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट को भी मॉनिटर करेगी। जसप्रीत बुमराह और दीपक चाहर की फिटनेस को लेकर अकसर सवालिया निशान लगते रहे हैं।

कहां गईं नेशनल चैंपियन? 13 दिन बाद भी दिल्ली पुलिस के हाथ नहीं लगा कोई सुराग

खेल डेस्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नेशनल चैंपियन ज्योति बावेजा पिछले 13 दिनों से लापता है. वो कहां हैं, दिल्ली पुलिस के हाथ अभी तक इसका कोई सुराग भी नहीं लग पाया. 19 दिसंबर को ज्योति लापता हुई थीं. वो जनकपुरी से पहाड़गंज के लिए निकली थीं, मगर वो इसके बाद घर नहीं पहुंच पाई. स्कीइंग में नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट पैरा एथलीट ज्योति के लिए पुलिस ने कई टीम बनाई, मगर अभी तक वो खाली हाथ ही रही. उनके अचानक लापता होना पुलिस के लिए चुनौती बन गया है.

ससुराल के लिए निकली थी ज्योति

ज्योति 19 दिसंबर को तिलक नगर से पहाड़गंज अपने ससुराल के लिए निकली थी, मगर वहां नहीं पहुंची. इतने दिन बीत जाने

के बाद भी पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा. उन्हें दिल्ली के एक मेट्रो के कैमरे में आखिरी बार देखा गया था.

पैरालिंपिक खेलना था सपना

ज्योति कई नेशनल लेवल की पैरा एथलेटिक्स टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुकी हैं. पैरालिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना ज्योति का सपना था. हालांकि दिल्ली के एक बिजनेसमैन से शादी होने के बाद इस नेशनल चैंपियन ने खेल से ब्रेक ले लिया था.

मेट्रो स्टेशन के कैमरे में आई नजर

ज्योति के परिवार ने सबसे पहले तिलक नगर पुलिस स्टेशन में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी. जांच करने पर उनकी कुछ फुटेज सामने आई, जिसमें टीम को शाम 5.45 बजे जनकपुरी ईस्ट मेट्रो स्टेशन से ज्योति मेट्रो में जाती दिखीं. एक कैमरे में वो शाम 6.11 बजे आश्रम मार्ग मेट्रो से बाहर निकलती हुई दिखीं.

वॉइस मैसेज के बाद से फोन बंद

ज्योति के अंकल संजय खन्ना ने बताया कि फोन बंद होने से पहले ज्योति ने शाम 6.27 बजे एक वॉइस नोट भेजा था. उस वॉइस मैसेज में ज्योति ने कहा था कि वो रात में घर नहीं आएगी. इसके बाद से ही नेशनल चैंपियन का फोन बंद है और दिल्ली पुलिस के हाथ भी कोई सफलता नहीं लगी.

तेलंगाना सरकार दिवालियापन के कगार पर : एनवीएसएस

वित्तमंत्री हरीश राव को दी राज्य की वित्तीय स्थिति पर खुली बहस की चुनौती

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति पर खुली बहस के लिए राज्य के वित्त मंत्री टी. हरीश राव को चुनौती देते हुए तेलंगाना भाजपा के उपाध्यक्ष एनवीएस एस प्रभाकर राव ने आज आरोप लगाया कि केसीआर सरकार गंभीर वित्तीय संकट में है और दिवालियापन के कगार पर है। यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार अयोग्य वित्तीय प्रबंधन के कारण अपने कर्मचारियों को पेंशन और वेतन का भुगतान समय पर नहीं कर पा रही है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि केसीआर सरकार की वित्तीय स्थिति इतनी खराब है कि उसे वेतन और पेंशन के वितरण के लिए 6271 करोड़ रुपये उधार लेने पड़े हैं। राज्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए 2 लाख 45 हजार 257 करोड़ रुपये का बजट मार्च में प्रस्तुत करने का प्रस्ताव

रखा है, जिसमें 22 प्रतिशत का बढ़ा हुआ अनुमान है। ऐसा लगता है कि बजट में अपने ब्याज के भुगतान के साथ पुराने और नए उधार शामिल हैं, भाजपा नेता ने कहा कि राज्य सरकार 54,000 करोड़ रुपये के ऋण के लिए जाने की योजना बना रही है, जबकि एफआरबीएम की सीमा के बाद भी यह 39,000 करोड़ रुपये से अधिक उधार नहीं ले सकती है। यह कहते हुए कि बजट के तथ्यात्मक आकड़ों और अनुमान के बीच कोई तुलना नहीं है, भाजपा के पूर्व विधायक ने केसीआर सरकार पर गाँवों, शहरी और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए आवंटित केंद्र सरकार के विशाल धन को हटाने का आरोप लगाया। यहां तक कि केसीआर सरकार ने भी बाधाएं खड़ी कीं, जब केंद्र सरकार सीधे ग्राम सरपंच और स्थानीय निकायों को धन भेजना चाहती है।

ऐसे उदाहरण हैं कि ग्राम सरपंचों ने राज्य सरकार द्वारा समस्या पैदा करने और विरोध में अपने पदों से इस्तीफा देने के तरीके पर नाखुशी व्यक्त की है। प्रभाकर ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने पिछले आठ वर्षों के दौरान राजस्व प्राप्त करने और नए संसाधन उत्पन्न करने के लिए कुछ भी नहीं किया, बल्कि पूरी तरह से भूमि की बिक्री, शराब और केंद्रीय निधि, जीएसटी शेयर और उधार ऋण पर निर्भर रहा। उन्होंने वित्त मंत्री टी. हरीश राव से कर्ज, राज्य की वित्तीय स्थिति और केंद्रीय फंड के डायवर्जन पर खुली बहस के लिए आने को कहा।

यह आरोप लगाते हुए कि केसीआर और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने कभी भी राज्य के विकास के लिए काम नहीं किया और हमेशा मोदी सरकार और भाजपा नेताओं के खिलाफ कीचड़ उछालने और निराधार आरोप लगाने में लिप्त रहे। केसीआर की संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को नीचा दिखाने की आदत है।

प्रभाकर ने आगे आरोप लगाया कि केसीआर को संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के प्रति कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा कि केसीआर राजभवन में राज्य की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन द्वारा आयोजित नए साल के कार्यक्रम प्रजा दरबार में परंपरा के मुताबिक शामिल नहीं हुए, लेकिन केसीआर ने परंपरा का पालन नहीं किया और किसी भी सरकारी प्रतिनिधि या मंत्रियों को इस कार्यक्रम में नहीं भेजा, जो वर्षों से चली आ रही परंपरा का पूरी तरह से उल्लंघन है। केसीआर हाल ही में राजभवन में राज्यपाल द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भी शामिल नहीं हुए थे।

राज्य के मुखिया के तौर पर केसीआर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के तेलंगाना के पहले दौरे पर उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन करना चाहिए था, लेकिन उनके पास हमारे राष्ट्रपति का सम्मान करने का समय नहीं है जो देश के इस सर्वोच्च पद पर आसीन होने वाली पहली आदिवासी महिला थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर के पास अपने आधिकारिक आवास प्रगति भवन में विधायकों, मंत्रियों और यहां तक कि विभिन्न मामलों में शामिल जनप्रतिनिधियों से मिलने के लिए अधिक समय है।

पांचवें दिन आधे से अधिक किसानों में रैतू बंधु राशि का वितरण

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चल रहे यासंगी (रबी) सीजन के लिए सोमवार तक 50 लाख से अधिक किसानों को रैतू बंधु योजना के तहत कृषि निवेश सहायता प्राप्त हुई है। 28 दिसंबर को कृषि निवेश राशि का वितरण शुरू होने के बाद, अधिकारियों को अगले चार से पांच दिनों के भीतर पूरे 70.54 लाख पात्र किसानों को कवर करने का भरोसा है।

योजना की 10वीं किस्त के हिस्से के रूप में, राज्य सरकार यासंगी सीजन के दौरान लगभग 1.53 करोड़ एकड़ की खेती के लिए लगभग 70.54 लाख किसानों के बैंक खातों में कुल 7,676.61 करोड़ रुपये वितरित करेगी। राज्य सरकार ने अब तक 50 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में लगभग 4,000 करोड़ रुपये जमा किए हैं।

योजनान्तर्गत 10वीं किश्त के अन्त में लगभग 65,559.28 करोड़ रुपये का वितरण किया जायेगा। वानाकलम (खरीफ) सीजन के दौरान, लगभग 65 लाख पात्र किसानों के बैंक खातों में कुल 7,434.67 करोड़ रुपये जमा किए गए। एक बयान में, कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में के. चंद्रशेखर रावसरकार ने कृषि को एक पारिश्रमिक पेशा बनाने के अपने प्रयासों के तहत आवश्यक कृषि निवेश सहायता प्रदान करने के लिए रैतू बंधु योजना शुरू की।

इसके अलावा, राज्य सरकार ने न केवल कई सिंचाई परियोजनाओं का विकास किया, बल्कि कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए रैतू बीमा, निर्बाध और मुफ्त बिजली आपूर्ति जैसी योजनाओं का भी विस्तार किया। रैतु बंधु योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या 2017-18 में लगभग 50 लाख से बढ़कर 2022-23 में 70.54 लाख हो गई है, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना (पीएम-किसान) के तहत लाभार्थियों की संख्या पिछले तीन वर्षों के भीतर लगभग 11 करोड़ से घटकर तीन हो गई है।

वनों की सुरक्षा व हरियाली पहली प्राथमिकता

अरण्य भवन में नववर्ष समारोह मनाया गया

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य वन संरक्षण अधिकारी (पीसीसीएफ एवं एचओओएफ) आर.एम. डोब्रियाल ने कहा कि कर्तव्यों में अनुशासन और पेशे के प्रति प्रतिबद्धता होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि तेलंगाना सरकार द्वारा हरियाली बढ़ाने के लिए दिए गए प्रोत्साहन को मान्यता दी जानी चाहिए क्योंकि देश का कोई अन्य राज्य इसे नहीं दे रहा है, और नए साल के अवसर पर सभी पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। वन विभाग के प्रधान कार्यालय अरण्य भवन में कर्मचारियों व कर्मचारियों के साथ अधिकारियों ने केक काटा. वन अधिकारियों के संघ द्वारा तैयार किया गया कलैण्डर जारी कर दिया गया है। वन विभाग के संयुक्त सचिव एम. प्रशांति, पीसीसीएफ (कंपा) लोकेश जायसवाल, पीसीसीएफ (सतर्कता) एल्यूजिंग मेरु, पीसीसीएफ (एफएसी) एम. सी. परगैन, अतिरिक्त पीसीसीएफ विनय कुमार, हैदराबाद डीएफओ एम. जोजी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, कर्मचारी समुदाय के नेताओं ने भाग लिया।

सिद्दीपेट में सोसायटी फॉर पब्लिक सेफ्टी की स्थापना

सिद्दीपेट, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट पुलिस ने सोमवार को जिले भर में लगे सीसीटीवी कैमरों के रखरखाव और मरम्मत के लिए सोसाइटी फॉर पब्लिक सेफ्टी (एसपीएस) की शुरुआत की। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत, पुलिस आयुक्त एन स्वेता ने कहा कि एसपीएस के लिए प्रारंभिक निधि के रूप में 22 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। चूंकि सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी कई मामलों को सुलझाने में महत्वपूर्ण साबित हुई, इसलिए आयुक्त ने कहा कि सिद्दीपेट पुलिस ने हर सीसीटीवी कैमरे को चौबीसों घंटे काम करने के लिए एक प्रणाली लगाने का फैसला किया है। यहां तक कि अगर वे कोई तकनीकी खराबी विकसित करते हैं, तो एसपीएस तकनीशियनों को तुरंत हल करने के लिए नियुक्त करेगा।

श्री रंगनाथ स्वामी को रेशमी वस्त्र भेंट

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास और छायांकन राज्य मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद वैकुंठ एकादशी के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सोमवार को वैकुंठ एकादशी पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव दंपत्ति ने राज्य सरकार की ओर से कारवान निर्वाचन क्षेत्र के जियागुड़ा में श्री रंगनाथ स्वामी को रेशमी वस्त्र भेंट किए। बाद में, स्वामी ने उत्तरी द्वार के माध्यम से उनसे मुलाकात की और विशेष पूजा में भाग लिया। सर्वप्रथम मंदिर के विद्वानों ने मंत्री दंपत्ति का पूर्ण कुंभ से जोरदार स्वागत किया। बाद में, मंत्री ने कहा कि वैकुंठ एकादशी तेलुगु राज्यों के लोगों द्वारा बहुत पवित्र रूप से मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जियागुड़ा में रंगनाथ स्वामी के दर्शन के लिए आते हैं, जिसका काफी इतिहास है। उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के आदेशानुसार सरकार हर तरह की व्यवस्था करेगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। बताया जाता है कि इस साल भी शानदार इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के लिए मंदिर के चारों ओर आकर्षक सजावट की गई है। उन्होंने कहा कि बेरिकेड्स लगा दिए गए हैं और पीने के पानी की व्यवस्था कर दी गई है, ताकि श्रद्धालुओं में मारपीट न हो। इसी तरह स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए हैं। मंत्री ने स्वयंसेवी संस्थाओं के आयोजकों और आयोजन में मदद करने वाले स्थानीय लोगों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में धर्म विभाग के सहायक आयुक्त बालाजी, मंदिर के विद्वान शेषचारी सहित अन्य मौजूद रहे।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 36 अधिवक्ताओं को वरिष्ठ पदनाम प्रदान किया

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने तीन महिलाओं सहित छत्तीस अधिवक्ताओं को वरिष्ठ पदनाम दिया है। इन अधिवक्ताओं में के. राजी रेड्डी, चिलुमिला प्रताप रेड्डी, बी. नलिन कुमार, सुनील बी. गणु, नंदीगाम कृष्ण राव, एमएस श्रीनिवास अयंगर, बी नरसिम्हा शर्मा, वीआर अवुला, पी शिव कुमार, जल्ली कनकैया, श्रीपदा प्रभाकर, केवी भानु प्रसाद, एच वेणुगोपाल, मृदु विजय , यारलागड्डा पद्मावती, भास्कर रेड्डी वेमिरेड्डी, अंबादीपुडी सत्यनारायण, अशोक राम कुमार, ब्रह्मदंडी रमेश, जी रवि मोहन, किशोर राय साहनी, पोनुगोटी राजा श्रीपति राव, हरेंद्र प्रसाद, ए. वेंकटेश, वी रघुनाथ, गोदा शिवा, अल्लादी रविंदर, उन्नाम मुरलीधर राव, शिवराजू श्रीनिवास, डॉ. सोफिया बेगम, विक्रम पोसेरला, वेंकट रेड्डी दोंथी रेड्डी, अविनाश देसाई, बी मयूर रेड्डी, रचना रेड्डी बोलू और कृष्णा सीवी ग्रांधी शामिल हैं।

कर्मचारी अपनी ताकत को कम मत आंकें : सज्जनार

एमडी ने आरटीसी अधिकारियों के साथ की विशेष बैठक

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के एमडी वीसी सज्जनर ने कहा कि आरटीसी कर्मचारियों को अपनी क्षमताओं को कम नहीं आंकना चाहिए और बड़ा सोचना चाहिए। सभी को मिलकर कंपनी के विकास के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि 2022 में साहसिक निर्णय आरटीसी कर्मचारियों और यात्रियों द्वारा दी गई सलाह और सुझावों के साथ लिए गए थे। इस साल भी मिलकर काम करने और कंपनी को मुनाफे के रास्ते पर ले जाने का सुझाव दिया गया है। हैदराबाद के बस भवन में सोमवार को एमडी वीसी सज्जनार ने आरटीसी अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक की। उन्होंने नए साल में आरटीसी द्वारा हासिल किए जाने वाले मुद्दों पर उन्हें निर्देशित किया। उन्होंने 2022 के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए इस साल आगे बढ़ने और योजना बनाने का आदेश दिया। इस बैठक में एमडी सज्जनार ने केक काट कर सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। उन्होंने पिछले साल टीएसआरटीसी के अच्छे नतीजों के पीछे हर स्टाफ की कड़ी मेहनत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि साथ मिलकर काम करने और कई नए कार्यक्रम शुरू करने से हम यात्रियों के और करीब आए हैं। आरटीसी स्टाफ ने कहा कि उन्हें इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि वे रोजाना करीब 30 से 40 लाख लोगों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रौद्योगिकी से कोई बचा नहीं है और वह समय-समय पर अद्यतन की जा रही प्रौद्योगिकी के माध्यम से यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आईटी और इंजीनियरिंग विभाग भविष्य में आरटीसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। पिछले साल, आरटीसी प्रबंधन ने मुख्य रूप से कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया। ये दोनों कार्यक्रम बहुत अच्छे हैं।

उन्हीं की वजह से आरटीसी को सफलता मिली है। नतीजतन, बैंकर भी कंपनी को कर्ज देने के लिए आगे आ रहे हैं। कार्यक्रम में वीओ डॉ रविंदर, कार्यकारी निदेशक विनोद कुमार, मुनिशेखर, चिकित्सा सलाहकार सैदिरेड्डी, सीएमई रघुनाथ राव, सीटीएम जीवन प्रसाद, सीटीएम (मार्केटिंग एंड कमर्शियल) विजय कुमार, सीसीओएस विजय भास्कर, सीई (आईटी) राजशेखर, सीएफएम विजयपुष्पा आदि ने भाग लिया।

भद्राद्री मंदिर में 'उत्तर द्वार दर्शनम' के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

खम्मम, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जिले के भद्राचलम में श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों ने 'उत्तर द्वार दर्शनम' का अनुष्ठान देखा। मुकोटि वैकुंठ एकादशी समारोह के भाग के रूप में अनुष्ठान भव्यता के साथ किया गया था। मंदिर में सुबह 5 बजे विशेष पूजा शुरू हुई और पुजारियों ने उत्तर द्वार दर्शनम (मंदिर के उत्तरी प्रवेश द्वार) के महत्व को बताया, जिसे 'वैकुंठ द्वारम' भी कहा जाता है। सुबह 6 बजे बैकुंठ द्वारम भक्तों के लिए पीठासीन देवताओं के दर्शन के लिए खोला गया क्योंकि मंदिर के पुजारी कोदंडपाणि कीर्तन का जाप कर रहे थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बीआरएस खम्मम जिला एमएलसी टाटा मधुसूदन, जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, आईटीडीए पीओ, पी. गौतम और अन्य ने अनुष्ठान देखा। मीडिया से बात करते हुए एमएलसी ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर रावके स्वास्थ्य और बीआरएस की सफलता के लिए प्रार्थना की।

हरीश राव ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को सोने का मुकुट भेंट किया

सिद्दीपेट, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने वैकुंठ एकादशी के अवसर पर सोमवार सुबह सिद्दीपेट के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के पीठासीन देवता को 1.792 किलोग्राम वजन का सोने का मुकुट भेंट किया। मंदिर प्रबंधन द्वारा खरीदे गए एक किलो सोने से एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का मुकुट बनाया गया था, जबकि शेष हरीश राव सहित दानदाताओं द्वारा दान किया गया था।

मंत्री ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन भी किए हैं। क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, क्योंकि जिले भर से बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना करने के लिए लोकप्रिय मंदिर में पहुंचे।

गुंटूर भगदड़ के लिए आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज

टीडीपी ने भगदड़ के लिए जगन सरकार को जिम्मेदार ठहराया

अमरावती, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के गुंटूर शहर में पुलिस ने रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान हुई भगदड़ के संबंध में एक मामला दर्ज किया है, जिसमें तीन महिलाओं की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। आयोजक वुयुरू श्रीनिवास और अन्य के खिलाफ नल्लापाडु पुलिस स्टेशन में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। जिस पुलिस ने शुरू में आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 174 के तहत मामला दर्ज किया था, बाद में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304 (II) जोड़ी गई। रामबाबू की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। भगदड़ गुंटूर में जेकेसी कॉलेज के पास एक मैदान में हुई, जहां वुयुरू फाउंडेशन ने संक्रांति उपहारों का वितरण आयोजित किया था। पुलिस के अनुसार, तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा)के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम स्थल से निकलने के कुछ ही देर बाद यह हादसा हुआ। जहां एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो अन्य ने द गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल (जीजीएच) में दम तोड़ दिया। चार महिलाओं का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। साधारण चोटों वाली अन्य महिलाओं का जीजीएच में इलाज चल रहा है। इस बीच, सोमवार को जीजीएच में तीन पीड़ितों के शवों का पोस्टमार्टम किया गया और बाद में अधिकारियों ने शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया। मृतकों की पहचान जी रमादेवी (52), सैयद आसिया (40) और जान बे (50) के रूप में हुई है। भगदड़ उम्मीद से ज्यादा भीड़ इकट्ठा होने के कारण हुई।

पुलिस ने कहा कि आयोजकों ने उन्हें सूचित किया था कि 10,000 की उम्मीद थी और उन्होंने उसी के अनुसार व्यवस्था की थी। हालांकि, 15,000 से 20,000 लोग साड़ी और किराने का सामान लेने के लिए पहुंचे। हालांकि पुलिस ने आयोजकों को 30 काउंटर खोलने का सुझाव दिया था, लेकिन उन्होंने केवल 15 काउंटरों की व्यवस्था की। वे पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों को तैनात करने में भी विफल रहे।

वुय्यूरू फाउंडेशन ने प्रत्येक मृतक के परिवारों को 20-20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों के इलाज का खर्च भी वह वहन करेगी। चंद्रबाबू नायडू, जिन्होंने इस घटना पर दुख व्यक्त किया, ने प्रत्येक को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये और प्रत्येक घायल को 50,000 रुपये देने की घोषणा की। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि यह वास्तव में दर्दनाक है कि कार्यक्रम पूरा होने के बाद मेरे वहां से निकलने के बाद हुई भगदड़ में तीन लोगों की मौत हो गई। मैं केवल उस स्वैच्छिक संगठन को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम में शामिल हुआ जो गरीबों की मदद करने की कोशिश कर रहा है। रविवार रात जीजीएच का दौरा करने वाले गृह मंत्री वी. रजनी ने मौतों के लिए नायडू को जिम्मेदार ठहराया। उसने आरोप लगाया कि उसके प्रचार की सनक के कारण लोग जान गंवा रहे हैं। एक हफ्ते से भी कम समय में यह इस तरह की दूसरी घटना है।

उधर, तेलुगु देशम पार्टीने रविवार रात गुंटूर शहर में हुई भगदड़ की घटना के लिए आंध्र प्रदेश सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया, जिसमें तीन महिलाओं की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए, जबकि पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने इस त्रासदी पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया।

ड्रग तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार, नशीली गोली बरामद

हनमकोंडा, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टास्कफोर्स पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर हनमकोंडा पुलिस के साथ रविवार को अलंकार थिएटर के पास वाहन चेकिंग के दौरान 2.13 लाख रुपये मूल्य के अल्प्राजोलम ड्रग की तस्करी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सोमवार को यहां टास्कफोर्स के प्रेस नोट के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में कृष्णा नगर, हैदराबाद के आर. लक्ष्मण राव और पेरेचेरला, गुंटूर के मूल निवासी, हैदराबाद के महदीपट्टनम के पी. चैतन्य कुमार और गुंटूर जिले के पिदुगुरल्ला के ब्राह्मणपल्ली गांव के मूल निवासी एल, सैदुलु और गुंटूर के करमपुडी मंडल के पेड्डा कोडुमगुल्ला गांव के शामिल हैं। इस मामले में एक अन्य आरोपी गुंटूर जिले के करमपुड़ी मंडल का एक मेडिकल दुकान का मालिक पी वेंकटेश फरार है। पूछताछ के दौरान, उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने लिंगला सैदुलु से अल्प्राजोलम खरीदा था, जो पेद्दा कोडुमगुल्ला गांव में आरएमपी के रूप में काम कर रहे हैं। ये सभी हैदराबाद जा रहे थे। हालांकि उन्होंने भागने का प्रयास किया, हमारी पुलिस टीम ने पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार लोगों को सोमवार को यहां एक अदालत में पेश किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.